{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 13 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 198
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	77,550.25
निफ्टी	-	24,050.60
सोना	-	1,52,840
चांदी	-	2,60,000
डॉलर	-	93.09

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से, 57 दिन चलेगी

श्रीनगर। अमरनाथ यात्रा की तारीखों का ऐलान कर दिया गया है। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने बताया कि इस साल यात्रा 3 जुलाई से 28 अगस्त तक चलेगी। 57 दिन चलने वाली इस यात्रा के लिए जम्मू के भगवती नगर बेस कैम्प से पहला जत्था रवाना होगा। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 15 अप्रैल से शुरू होंगे। एलजी सिन्हा ने यात्रा की जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि 13 से 70 साल की उम्र वाले यह यात्रा कर सकते हैं। गुफा में पहली पूजा 19 जून को ज्येष्ठ पूर्णिमा पर की जाएगी। यात्रा के लिए अनंतनाग से पारंपरिक 48 किमी लंबा नुनवान-पहलगाम रूट और गांदरबल से 14 किमी लंबा बालटाल रूट खुला रहेगा। सिन्हा ने बताया कि देशभर में लगभग 556 तय बैंक शाखाओं के जरिए यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन कराया जा सकता है, जबकि श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी होगा। रजिस्ट्रेशन के लिए यस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और एक्सिस बैंक की ब्रांचेस में यात्रा के रजिस्ट्रेशन फॉर्म उपलब्ध रहेंगे।

सुरक्षा बलों ने 21 बंकर नष्ट किए

इंफाल। सुरक्षा बलों ने मणिपुर के उखरुल जिले में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया है, जहां हाल ही में एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इसके अलावा एक अलग अभियान में टेंगनौपाल जिले से 13 आईईडी भी जब्त किए हैं। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शनिवार को लिटान पुलिस स्टेशन के अधिकार क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में 14 बंकरों और मोंगकोट चेपु में सात बंकरों को नष्ट कर दिया, और इस दौरान 11 खाली कारतूस जब्त किए गए।

प.बंगाल में एसआईआर पर आज सुनवाई

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले सुप्रीम कोर्ट सोमवार को एसआईआर पर सुनवाई करेगा। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच मामले की सुनवाई करेगी। 10 अप्रैल को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि वह मतदाता सूची फ्रीज होने के खिलाफ नई याचिकाओं की एक साथ सुनवाई करेगा। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट मालदा जिले में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान सात न्यायिक अधिकारियों के घेराव से जुड़े मामले में भी सुनवाई करेगा। चुनाव आयोग ने 9 अप्रैल को बंगाल के लिए एसआईआर की सूची जारी की थी। इसके बाद 91 लाख नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए थे। पश्चिम बंगाल में अक्टूबर 2025 में कुल वोटर 7.66 करोड़ थे। इनमें से अब तक 90.83 लाख नाम हटाए गए।

कुछ ना कहना

आशा ताई ने दुनिया को कहा अलविदा

मशहूर गायिका ने मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में ली अंतिम सांस, कार्डियक अरेस्ट आने पर एक दिन पहले भर्ती हुईं थी

मुंबई। बॉलीवुड की मशहूर गायिका आशा भोसले का निधन हो गया है। एक दिव पहले कार्डियक अरेस्ट आने पर बॉलीवुड सिंगर आशा भोसले को मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रविवार को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। आशा भोसले के निधन पर पूरा बॉलीवुड और उनके चाहने वाले गम में डूब गए हैं। बॉलीवुड गायिका का सोमवार को अंतिम संस्कार होगा। सोमवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

आशा भोसले ने 10 साल की उम्र में गाना शुरू किया और 1943 की मराठी फिल्म 'माझा बाल' के गीत 'चला चला नव बाला' से अपने करियर की शुरुआत की। पांच साल बाद उन्होंने फिल्म 'चुनरिया' (1948) के गीत 'सावन आया' से हिंदी सिनेमा में कदम रखा। उन्हें असली पहचान फिल्म 'नया दौर' (1957) के गीतों 'मांग के साथ तुम्हारा' और 'उड़ें जब जब जुल्फें तेरी' से मिली। इस फिल्म में उन्होंने मुख्य अभिनेत्री वैजयंतीमाला के लिए सभी गीतों को अपनी आवाज दी थी। जहां 1950 के दशक में उनकी बहन लता मंगेशकर, शमशाद बेगम और गीता दत्त जैसी दिग्गज गायिकाओं का दबदबा था, वहीं भोसले ने उस दौर की किसी भी अन्य महिला गायिका की तुलना में सबसे ज्यादा गीत रिकॉर्ड किए।

महाराष्ट्र के सांगली में जन्म, पिता शास्त्रीय गायक रहे

आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ था। वह प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक और थिएटर कलाकार पंडित दीनानाथ मंगेशकर की बेटी थीं। घर में संगीत का माहौल शुरू से ही था। उनके भाई-बहन लता मंगेशकर, मीना खडीकर, उषा मंगेशकर और हृदयनाथ मंगेशकर भी संगीत की दुनिया से ही जुड़े रहे। जब आशा सिर्फ 9 साल की थीं, तब 1942 में उनके पिता दीनानाथ मंगेशकर का निधन हो गया। पिता के जाने के बाद परिवार पर आर्थिक संकट आ गया। परिवार को सहारा देने के लिए लता और आशा ने 10 साल की उम्र में गाना और फिल्मों में छोटी भूमिकाएं निभाना शुरू कर दिया था।

12,000 से ज्यादा गाने गाए

आशा भोसले ने अपने करियर में 12,000 से ज्यादा गाने गाए हैं। उनके दम मारो दम, पिया तू अब तो आजा और चुरा लिया है तुमने जैसे गाने आज भी सदाबहार हैं। आशा भोसले के लिए संगीत का सफर इतना भी आसान नहीं था। आशा भोसले की आवाज सिर्फ बॉलीवुड तक सीमित नहीं थी, बल्कि इंटरनेशनल म्यूजिक वर्ल्ड में भी उनका उतना ही सम्मान था। मार्च 2026 में रिलीज हुई मशहूर ब्रिटिश वर्चुअल बैंड 'गोरिल्लाज' की नौवीं एल्बम 'द माउंटेन' (पर्वत) में उनका गाना शामिल है। द शैडोई लाइट नाम के इस ट्रैक को अब उनके शानदार करियर के आखिरी अध्याय के रूप में देखा जा रहा है। इसमें उन्होंने ब्रिटिश आर्टिस्ट ग्रफ राइस और सरोद उस्ताद अमान-अयान अली बंगश के साथ काम किया था।

मराठी फिल्म से बॉलीवुड तक का सफर

आशा भोसले ने अपने सिंगिंग करियर की शुरुआत 1943 में एक मराठी फिल्म माझा बाळ के गाने 'चला चला नव बाड़ा' से की थी। हिंदी सिनेमा में उन्हें पहला मौका 1948 में फिल्म चुनरिया के गाने सावन आया से मिला। शुरुआती दौर में आशा को वे गाने मिलते थे जिन्हें प्रमुख गायिकाएं जैसे लता मंगेशकर, शमशाद बेगम या गीता दत्त छोड़ देती थीं। उस समय उन्हें अक्सर फिल्मों में विलेन, डांसर या साइड किरदारों के लिए गाने के लिए बुलाया जाता था।

महिला आरक्षण पर चर्चा से पहले भाजपा ने जारी किया व्हिप

सभी सांसदों को 16 से 18 अप्रैल तक संसद में रहना होगा मौजूद

नई दिल्ली। भाजपा ने रविवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी सांसदों को 3 लाइन का व्हिप जारी कर 16 से 18 अप्रैल तक संसद में मौजूद रहने को कहा है। इस दौरान किसी को भी छुट्टी नहीं दी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी गई थी।

सरकार ने बजट सत्र को बढ़ाते हुए 16 से 18 अप्रैल तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संसद से मंजूरी मिलने के बाद यह कानून 31 मार्च 2029 से लागू होगा और उसी साल होने वाले लोकसभा चुनाव में पहली बार प्रभावी होगा। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को लोकसभा और राज्यसभा के सभी दलों के फ्लोर लीडर्स को पत्र लिखकर 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पर समर्थन मांगा। पीएम ने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस कानून को पूरे देश में सही मायनों में लागू किया जाए। पीएम मोदी ने लिखा कि 2029 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के साथ कराए जाने चाहिए। महिलाओं को राजनीति में ज्यादा प्रतिनिधित्व देने की इच्छा सभी पार्टियों ने लंबे समय से जताई है, अब इसे हकीकत में बदलने का समय है।

खडगे़ बोले- सर्वदलीय बैठक हो

वहीं, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने पत्र के जवाब में पत्र लिखकर कहा कि राज्य चुनावों के बीच संसद का विशेष सत्र बुलाना यह दिखाता है कि सरकार इस कानून को राजनीतिक लाभ के लिए जल्दबाजी में लागू करना चाहती है। खडगे़ ने यह भी मांग की कि इस मुद्दे पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और परिसीम से जुड़े मुद्दों पर भई विस्तार से चर्चा की जाए। इस प्रस्ताव के तहत लोकसभा की सीटें मौजूदा 543 से बढ़ाकर 816 की जाएंगी, जिनमें 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी।

बिहार में नई सरकार की सुगबुगाहट तेज, नीतीश कुमार से मिले सम्राट चौधरी

भाजपा ने केंद्रीय पर्यवेक्षक बनाया, एनडीए विधायक दल का नेता चुनेंगे

भोपाल/दिल्ली। बिहार में नई सरकार गठन की प्रक्रिया तेज होने के साथ ही राजनीतिक गतिविधियां बढ़ गई हैं। रविवार को डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी शनिवार को मुख्यमंत्री आवास पहुंचे और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान जदयू के कई वरिष्ठ नेता भी वहां मौजूद रहे जो बैठक से पहले ही मुख्यमंत्री आवास पहुंच गए थे। वहीं मप्र के पूर्व सीएम और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान बिहार में भाजपा विधायक दल के नेता का चुनाव करेंगे। भाजपा ने उन्हें बिहार में विधायक दल के नेता का चयन करने के लिए केन्द्रीय पर्यवेक्षक बनाया है। बिहार के सीएम नितीश कुमार राज्यसभा सांसद बनने के बाद शपथ भी ले चुके हैं। ऐसे में अब एनडीए को नए सीएम का ऐलान करना है। संभावना जताई जा रही है कि बिहार में सीएम भाजपा से हो सकते हैं।

वहीं पटना में सम्राट चौधरी और निशांत कुमार के समर्थन में पोस्टर लगाए गए हैं। कुछ जदयू कार्यकर्ताओं ने नीतीश कुमार से अगला मुख्यमंत्री निशांत कुमार को बनाने की मांग की है। तो वहीं वाल्मीकि समाज के कार्यकर्ता सम्राट चौधरी को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर रहे हैं। हालांकि भाजपा विधायक दल का नेता किसे चुनती है, इस पर सब कुछ निर्भर करेगा। भाजपा की अपनी एक आंतरिक प्रक्रिया होती है और उनकी अनुशंसा के आधार पर ही एनडीए विधायक दल का नेता चुना जाएगा। जिस व्यक्ति को सभी विधायक मिलकर अपना नेता चुनेंगे, वही प्रदेश का अगला मुख्यमंत्री बनेगा।

कल इस्तीफा दे सकते नीतीश

सूत्रों के अनुसार बिहार सरकार ने 14 अप्रैल को सुबह 11 बजे कैबिनेट की बैठक में बुलाई है। इस बैठक की अध्यक्षता नीतीश कुमार कर सकते हैं और इसके बाद नीतीश कुमार राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप सकते हैं। माना जा रहा है कि इस दौरान केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी उनके साथ रहेंगे। वहीं जेडीयू और बीजेपी के नेता अभी तक मुख्यमंत्री पद को लेकर कुछ बोल नहीं रहे हैं। बिहार सरकार में मंत्री और नीतीश कुमार के करीबी विजय चौधरी ने कहा है कि मुख्यमंत्री वही बनेगा जिसे एनडीए का विधायक दल अपना नेता मानेगा। उन्होंने यह भी कहा कि इसमें भारतीय जनता पार्टी की अहम भूमिका है और उन्हें ही यह तय करना है।

पश्चिम बंगाल में गरजे सीएम योगी, बोले- टीएमसी के गुंडों का 'यूपी मॉडल' से होगा इलाज

-बांकुड़ा रैली में ममता सरकार पर तीखा हमला

कोलकाता,। पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा में रविवार को आयोजित एक विशाल जनसभा में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तृणमूल कांग्रेस सरकार पर जमकर निशाना साधा। आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर उन्होंने राज्य में 卐डबल इंजन卐 सरकार की जरूरत बताते हुए भाजपा के पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश की।

अपने संबोधन में योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बंगाल स्वामी विवेकानंद और रामकृष्ण परमहंस की पवित्र भूमि है, लेकिन वर्तमान सरकार इन महान व्यक्तित्वों के आदर्शों का सम्मान नहीं कर रही। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस की तुष्टिकरण नीति के कारण राज्य की सामाजिक संरचना प्रभावित हो रही है। सीएम योगी ने कहा, बंगाल अब गुंडागर्दी का केंद्र बन गया है, ठीक वैसा ही जैसा भाजपा के आने से पहले उत्तर प्रदेश में था।

मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ हिंसा की घटनाएं हुई हैं, जिनमें हाथ काटने और हत्या तक के मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि ऐसे 卐गुंडों卐 से सख्ती से निपटा जाएगा और कानून का राज स्थापित किया जाएगा। सीएम ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए सीएम योगी ने कहा कि ममता बनर्जी वोट बैंक की राजनीति के कारण बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चुप रहती हैं। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि घुसपैठ के कारण राज्य की जनसांख्यिकी में बदलाव हो रहा है, जो चिंता का विषय है।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा और कानून की सीमाओं को लेकर अहम फैसला सुनाया

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा और कानून की सीमाओं को लेकर एक अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि ऑफिस में महिला सहकर्मी को घूरकर देखना नैतिक रूप से गलत और आपत्तिजनक हो सकता है, लेकिन इसे भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 354सी के तहत 'वॉययूरिज्म' नहीं माना जा सकता। यह फैसला मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कंपनी के कर्मचारी अभिजीत निगुडकर के खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द करते हुए दिया गया। इस मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अमित बोरकर की एकल पीठ ने की। अदालत ने अपने फैसले में 'नैतिकता' और 'कानूनी अपराध' के बीच के अंतर को स्पष्ट किया।

क्या था मामला?

एक निजी बीमा कंपनी में काम करने वाली महिला कर्मचारी ने अपने वरिष्ठ सहकर्मी पर आरोप लगाया था कि वह ऑफिस में बातचीत के दौरान उसकी आंखों में देखने के बजाय बार-बार उसकी छाती की ओर घूरता था। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि आरोपी द्वारा की गई टिप्पणियों से वह असहज और असुरक्षित महसूस करती थी। कंपनी की आंतरिक शिकायत समिति (आईसीसी) ने इस मामले की जांच की, लेकिन पर्याप्त साक्ष्य न मिलने के कारण आरोपी को क्लीन चिट दे दी। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 354सी (वॉययूरिज्म) के तहत केस दर्ज किया गया। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि धारा 354सी केवल उन स्थितियों में लागू होती है, जब किसी महिला के 'निजी क्षणों' में चोरी-छिपे देखना या रिकॉर्ड करना शामिल हो-जैसे कपड़े बदलना या बाथरूम का उपयोग करना। ऑफिस या कार्यस्थल को 'निजी स्थान' की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता क्योंकि वहां महिला कोई निजी क्रिया नहीं कर रही होती। इसलिए केवल घूरकर देखना इस धारा के दायरे में नहीं आता। न्यायमूर्ति अमित बोरकर ने कहा कि किसी भी व्यवहार को अपराध मानने के लिए कानून में तय शर्तों का पूरा होना जरूरी है। उन्होंने माना कि आरोपी का व्यवहार अनुचित और पेशेवर माहौल के खिलाफ था, लेकिन इसे कानून के तहत 'वॉययूरिज्म' नहीं कहा जा सकता।

पंजाब में 'बेअदबी' को लेकर मान सरकार सख्त

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान पर होगी उम्रकैद

अमृतसर। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने गुरु ग्रंथ साहिब का अपमान करने वालों के लिए आजीवन कारावास की सजा से जुड़े एक विधेयक को मंजूरी दी है। पंजाब सरकार ने ऐसा 'बेअदबी' की घटनाओं को रोकने और गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता को बनाए रखने के लिए किया है। मुख्यमंत्री भगवत सिंह मान की अध्यक्षता में हुई सूबे के मंत्रिमंडल की बैठक में जागृत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक, 2026 को मंजूरी दी गई। इस कानून में 'बेअदबी' की घटना पर 5 लाख रुपये से लेकर 25 लाख रुपये तक के जुर्माने का भी प्रस्ताव है।

पंजाब सरकार ने इस विधेयक को लेकर कहा कि बीते वक्त में श्री गुरु ग्रंथ साहिब और अन्य पवित्र ग्रंथों की 'बेअदबी' से जुड़ी कई घटनाएं हुई हैं, जिनसे जनमानस को गहरी ठेस पहुंची है और समाज में अशांति फैली है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 298, 299 और 300 में ऐसे अपराधों का प्रावधान तो है लेकिन उनमें प्रभावी रोकथाम के लिए पर्याप्त कठोर दंड नहीं दिया गया है। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि धार्मिक पवित्रता की रक्षा और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए कड़े कानूनी उपाय करने की जरूरत है। सरकार ने कहा है कि गहन विचार-विमर्श के बाद भगवंत मान सरकार ने फैसला लिया है कि गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा करने और समाज में आपसी सम्मान, समझ और सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए उचित कानूनी उपाय किए जाने जरूरी हैं।

पहले भी हुई थी कानून बनाने की कोशिश

इससे पहले 2016 और 2018 में पंजाब की विधानसभा ने गुरु ग्रंथ साहिब के अपमान के मामलों में आजीवन कारावास सहित कठोर दंड का प्रावधान करने वाले विधेयक पारित किए थे। हालांकि, ये विधेयक कभी कानून नहीं बन पाए क्योंकि या तो इन्हें राष्ट्रपति की मंजूरी नहीं मिली या कानूनी और संवैधानिक वजहों के कारण ये निरस्त हो गए। पंजाब में लंबे वक्त से 'बेअदबी' के मामलों में कड़े कानून की मांग की जा रही है। सिख समुदाय का एक शख्स पंजाब के समाना में ही बीएसएनएल टावर पर चढ़ गया था और उसने 'बेअदबी' विरोधी कड़े कानून को लागू करने की मांग की थी। वह एक साल से ज्यादा वक्त तक टावर पर ही चढ़ा रहा। पंजाब में 'बेअदबी' का मामला काफी संवेदनशील है। 2015 में बरगाड़ी बेअदबी कांड और बहबल कलां गोलीबारी की घटनाओं के बाद सूबे में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे।

विनोद उपाध्याय / 12 अप्रैल, 2026

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी का दावा, बोलीं

देश का सबसे बड़ा घोटाला है एसआईआर

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को भाजपा पर चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही उन्होंने बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को हालिया समय का देश का सबसे बड़ा घोटाला बताया। पूर्वी बर्धवान जिले के खंडाघोष में एक रैली को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने दावा किया कि अगर भाजपा राज्य में सत्ता में आई तो वह पश्चिम बंगाल के लोगों से सब कुछ छीन लेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनावों से पहले मतदाताओं को रिश्वत देती है। लेकिन वे मतदान खत्म होने के तुरंत बाद अपने वादे भूल जाते हैं। यह बिहार चुनावों में देखा गया था।

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने आगे आरोप लगाया कि भाजपा चुनाव जीतने के लिए मतदान प्रक्रिया में हेरफेर करने की कोशिश करेगी। उन्होंने लोगों से सतर्क रहने और मतदान मशीनों पर नजर रखने का आग्रह किया। ममता बनर्जी ने कहा कि मतदान मशीनों के बारे में सतर्क रहें। भाजपा ने धीमी वोटिंग और धीमी मतगणना की योजना बनाई है। उनकी सभी योजनाओं को असफल करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर हाल के समय में देश द्वारा देखा गया सबसे बड़ा घोटाला है। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि केंद्र में भाजपा सरकार 2026 में गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि दुनिया जानती है कि आपकी सरकार 2026 में गिर जाएगी। हम तब आपकी सरकार द्वारा लाए गए सभी जन-विरोधी कानूनों को रद्द कर देंगे।

कर्नाटक में सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं पर एक्शन की तैयारी में आलाकमान

नई दिल्ली। अल्पसंख्यक नेतृत्व के एकीकरण को लेकर कांग्रेस में तनाव बढ़ गया है। कहा जा रहा है कि पार्टी हाईकमान सीएम सिद्धारमैया के करीबी नेताओं की पार्टी विरोधी गतिविधियों से नाराज हैं। ऐसे में इन नेताओं पर पार्टी आलाकमान जल्द एक्शन ले सकता है। हाल ही में अल्पसंख्यक कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने इस्तीफा दे दिया था। अब सीएम के राजनीतिक सचिव नजीर अहमद को पद छोड़ने के लिए कहा गया है। शनिवार को सिद्धामैया और हाईकमान के बीच देर रात तक कई दौर की बातचीत हुई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हाईकमान ने निर्देश दिया है कि दावणगेरे दक्षिण में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। सिद्धारमैया के करीबी सहयोगी और पूर्व जद(एस) नेता जमीर अहमद खान भी इस जांच के घेरे में आ गए हैं। इंटेलिजेंस विंग और एआईसीसी सचिव अभिषेक दत्त की दो अलग-अलग रिपोर्टों में जब्बार, नजीर अहमद और जमीर को पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया। उनपर आरोप हैं कि उन्होंने प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों का समर्थन किया। इसके साथ ही उनके कंपेन के लिए फंडिंग की और चुनाव में भी मदद की। पार्टी को शक है कि इनमें से कुछ नेताओं ने वित्तीय रूप से एसडीपीआई की मदद की होगी, जो कांग्रेस के लिए किसी बड़ी राजनीतिक चुनौती से कम नहीं है। इंटेलिजेंस इनपुट्स ने दावणगेरे दक्षिण में एक एसडीपीआई उम्मीदवार के समर्थन से जुड़े वित्तीय लेनदेन को ट्रैक किया है। तीनों नेताओं ने एक अल्पसंख्यक उम्मीदवार, सादिक पहलवान के लिए भी पुरजोर दबाव बनाया था।

गुजरी बाजार में पेयजल व्यवस्था की दरकार

लाखो रु टैक्स वसूलने के बाद भी अब तक नही किए गए पेयजल के इंतेजाम, 30 रु प्रति केन खरीदकर विक्रेता बुझा रहे प्यास, बाजार में निहित अव्यवस्था को नही किया गया दुरस्त

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

संपूर्ण नगर में 24 घंटे पेयजल उपलब्ध कराने के लिए भले ही नगर पालिका ने जल आवर्धन योजना के नाम से 38करोड़ रु फूक दिए हो लेकिन नगर के कई इलाकों में अब भी पेयजल की किल्लत बनी हुई है, पेयजल के लिए करोड़ों रुपए फूकने के बाद भी जहां-तहां पानी की समस्या देखी जा रही है।पेयजल की किल्लत का ताजा मामला नगर के वार्ड नं 9 गुजरी सब्जी बाजार का है। हैरानी की बात तो यह है कि नगर पालिका गुजरी बैठकी बाजार के नाम पर सब्जी विक्रेताओं से रोजाना टैक्स वसूल रही है, बावजूद इसके भी उन सब्जी विक्रेताओं के लिए पेयजल के उचित प्रबंध भी नहीं किए गए है।जिसके चलते, गुजरी सब्जी बाजार में चिल्लर सब्जी व्यापारियो को पेयजल के लिए भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिसपर सब्जी व्यापारियों ने अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए बाजार परिसर में पेयजल की उचित व्यवस्था बनाए जाने की मांग की है।

30 रु की केन खरीदकर बुझा रहे प्यास

बात अगर पेयजल समस्या की करें तो गुजरी बाजार के कई चिल्लर सब्जी विक्रेता पैसों से पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे हैं जहां पेयजल के उचित इंतजाम ना होने से सब्जी व्यापारी,किसी की दुकान या किसी के घर से पानी लाने के लिए मजबूर हैं तो वहीं कई सब्जी विक्रेता 12 महीने 30रु प्रति केन के हिसाब से पानी खरीद कर अपनी प्यास बुझा रहे है। इसके अलावा कई फुटकर दुकानदार सब्जी के साथ साथ अपने घर से ही पीने का पानी लाने के लिए मजबूर है।

2013 में खुदवाया था बोरिंग, जिसमे हैंडपंप आज तक नहीं लगा

बात अगर पेयजल व्यवस्था की करें तो गुजरी मार्केट में सब्जी व्यवसायियों के लिए पेयजल की सुविधा नहीं है।जहां चिल्लर सब्जी व्यापारी जामा मस्जिद या एकमात्र पुराने थाने के आगे लगे हैंडपंप से पानी लाने के लिए मजबूर हैं,तो वही इधर उधर से जुगाड़ कर पानी खरीदकर प्यास बुझा रहे है। बताया जा रहा है कि वर्ष 2013 में जब कांप्लेक्स का निर्माण कराया गया था उस वक्त नपा द्वारा कॉन्प्लेक्स परिसर में ही बोरिंग खुदवाया गया था जिस पर हैंडपंप लगाकर 24 घंटे पेयजल की सुविधा दिए जाने का वादा किया गया था लेकिन आज तक गुमठी बाजार कॉन्प्लेक्स परिसर या गुजरी सब्जी बाजार में कही भी व्यापारियों को पेयजल की सुविधा नहीं मिल पाई है।

टैक्स के अनुरूप यहां सुविधाएं नही है-सुंदा बाई

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान सब्जी विक्रेता श्रीमती सुंदाबाई बगड़मारे ने बताया कि वह 5-6 वर्षों से सब्जी की दुकान लगा रही हैं। यहां पीने के पानी की कोई व्यवस्था नहीं है,कई लोग घर से पानी लेकर आते हैं तो कई सब्जी विक्रेता पैसा देकर पानी की केन खरीदते है।तो कुछ लोग उधर उधर से पानी मांगकर प्यास बुझाते है। यहां पानी की बहुत ज्यादा समस्या है हम दुकान लगाते हैं तो चिट्ठी के नाम पर रोजाना 50रु टैक्स देते हैं पर यहां सुविधाएं कुछ भी नहीं दी जा रही हैं हमारी मांग है की व्यवस्थाएं अच्छी होनी चाहिए क्योंकि पानी के लिए हमें दुकानदारी छोड़कर इधर उधर जाना पड़ता है।

पानी की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ती है-मीना बाई

वही चर्चा के दौरान काठी बिरसोला निवासी सब्जी विक्रेता श्रीमती मीना बाई मानेश्वर ने बताया कि बाजार में पानी की कोई व्यवस्था नहीं है।हम कभी अपने घर से, तो कभी इधर उधर से बोतल में भरकर पानी लाते हैं अभी तक नपा ने प्याऊ की व्यवस्था नहीं की है।यहां पानी की व्यवस्था स्वयं करनी पड़ती है। हम रोजाना 50रु का टैक्स नगर पालिका में देते हैं फिर भी यहां पर पेयजल के इंतजाम नहीं किए गए हैं। कई बार पानी की अधिक दिक्कत गई तो फिर दो-तीन लोग मिलकर केन खरीद लेते हैं और उसी का पानी पीते हैं।

आजू बाजू वालों के यहां पानी केन आती उसी से पानी लेते है-सरस्वती बाई

वही मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कनकी निवासी सब्जी विक्रेता श्रीमती सरस्वती बाई बागवाने ने बताया कि वे सब्जी मार्केट में रोजाना दुकान लगाती है, लेकिन पीने का पानी अपने घर से लेकर आती हैं।कभी पानी खत्म हो जाता है तो आजू बाजू वालों के यहां रोजाना जो केन आती है हम उनसे पूछकर बॉटल में पानी भर लेते है। रोजाना टैक्स भरने के बावजूद भी यहां पानी की सुविधा नहीं है कई बार पानी खरीद कर पीना पड़ता है हमारी मांग है कि कम से कम गर्मी के दिनों को देखते हुए पेयजल की व्यवस्था बनानी चाहिए।

मशीनें लगवाकर व्यवस्था बनाए दी जाएगी-कतरोलिया

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान मुख्य नगरपालिका अधिकारी बीडी कतरोलिया ने बताया की हमारा इस दिशा में काम जारी है।गुजरी बाजार में पेय जल के इंतेजाम किए जा रहे है।जल्द ही पानी की मशीनें लगाकर पेयजल की व्यवस्था बना दी जाएगी।

डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती 14 को

पद्मेश न्यूज। कटंगी। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी परम पूज्य डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर सार्वजनिक जयंती समारोह समिति कटंगी के तत्वावधान में बाबा साहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती 14 अप्रैल को डॉ. अंबेडकर चौक बस स्टैंड कटंगी में हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।जिसके तहत दिन भर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे।बताया गया कि 11 अप्रैल 2026 को महात्मा ज्योतिबा जी फुले की जयंती का आयोजन किया गया।12 अप्रैल को रंगोली और चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन प्रज्ञा दीप विहार कटंगी में हुआ।13 अप्रैल को देश के सुप्रसिद्ध कवि शैलेश टी शैल, अंतू झक्कास, माधुरी किरण, लता शबनम, गोविंदा गावठी, हलचल बालाघाटी के द्वारा बुद्ध अंबेडकर मिशन पर काव्य पाठ करेंगे। रात्रि के 12 बजे अंबेडकर चौक में केक काटा जाएगा। समिति के समस्त पदाधिकारियो द्वारा 14 अप्रैल तक रोजाना आयोजित होने वाले इन सभी कार्यक्रमों में उपस्थित होने की अपील सामाजिक बंधुओ से की गई है।

14 अप्रैल को जयंती विशेष पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम

समिति के अध्यक्ष संजय शेंडे व महासचिव अधिवक्ता यशवंत गनवीर ने बताया कि 14 अप्रैल मंगलवार को संविधान के निर्माता डॉ. बाबा साहब अंबेडकर की जयंती समारोह डॉ. अंबेडकर चौक कटंगी में किया जाएगा।जहा परम पूज्य डॉ. बाबा अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण सुबह 9 बजे एवं पूजा वंदना एवं 11 बजे बजे तथागत सम्यक सम्बद्ध की प्रतिमा एवं प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार कटंगी का तीसरा वर्धापन दिवस पर कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पूज्य भदंत डॉक्टर चंद्र कीर्ति के द्वारा प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार में पूजा वंदना की जाएगी। दोपहर 3 बजे अंबेडकर चौक कटंगी से विशाल रैली शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर डॉ. आंबेडकर चौक बस स्टैंड कटंगी में कार्यक्रम के रूप में तब्दील होगी। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रमुख अतिथि विशेष अतिथि एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष के द्वारा उद्बोधन किया जाएगा।वही रात्रि में कव्वाल सूरज आतिश मुंबई के द्वारा एक शाम बाबा साहेब,संविधान व भारत देश के नाम पर कव्वाली के माध्यम से प्रबोधन किया जाएगा।

इनकी प्रमुख उपस्थिति में आयोजित होंगे कार्यक्रम

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बहुजन समाज पार्टी के भूतपूर्व सांसद बुद्ध सेन पटेल रीवा, कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि पूज्य भदंत डॉ. चंद्र कीर्ति राष्ट्रीय सलाहकार ऑल इंडिया बुद्धिस्ट फोरम, महिला वक्ता शकुन बौद्ध गाजियाबाद यूपी, देवेंद्र राजोरिया ग्वालियर, पूर्व न्यायाधीश नितिन कुमरे,विशिष्ट अतिथि कपिल मेश्राम सभापति नगर परिषद कटंगी, कार्यक्रम अध्यक्ष एडवोकेट डॉ. संजय खोबरागड़े जिला अध्यक्ष बालाघाट जिला बौद्ध संघ बालाघाट की अध्यक्षता में संपन्न होगा। आमंत्रित अतिथि गणों में फुलसिह परते, योगेंद्र मांत्रे, अशोक कारसर्पे, जनाब नवाब खान, राधेश्याम देशमुख, संजय पीलगर, जितेंद्र भोडेकर, मूलचंद अग्रिल होंगे।कार्यक्रम का मंच संचालन अरविंद दरवाडे एवं अधिवक्ता युनित खोबरागड़े के द्वारा किया जाएगा। शाखा कटंगी अध्यक्ष महेंद्र हिरकने, नगर अध्यक्ष डीडी गजभिए एवं प्रज्ञा दीप बुद्ध विहार महिला मंडल के अध्यक्ष मंजू उके व समिति के अध्यक्ष संजय शेंडे व महासचिव एड. यशवंत गनवीर ने तमाम प्रबुद्ध जनों से सयुक्त रूप से आव्हान किया है कि सभी लोग स्वेत वस्त्र धारण कर अधिक से अधिक तादाद में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाए।

अंतरराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान मनीला(फिलीपींस) के प्रमुख वैज्ञानिक का कृषि महाविद्यालय बालाघाट में आगमन

धान संबंधी शोध कार्यों का किया निरीक्षण

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 11 अप्रैल 2026 को कृषि महाविद्यालय बालाघाट के मुरझड़ फार्म में अंतराष्ट्रीय स्तर पर धान अनुसंधान को नई दिशा देने वाले महत्वपूर्ण शोध कार्यों के निरीक्षण एवं तकनीकी मार्गदर्शन हेतु अंतराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान मनीला (फिलीपींस) के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. जौहर अली का आगमन हुआ। यह दौरा मध्यप्रदेश शासन की पहल पर जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय और अंतराष्ट्रीय धान अनुसंधान संस्थान मनीला (फिलीपींस) के बीच हुए समझौते के अंतर्गत चल रहे संयुक्त शोध कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से किया गया। इस दौरान धान फसल में भविष्य उन्मुख सुधार के लिए विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर कार्य किया जा रहा है, जिसमें बौनी (ड्वार्फ) प्रजातियों का विकास, चावल में जिंक एवं आयरन जैसे पोषक तत्वों की मात्रा बढ़ाना, प्रतिकूल जलवायु परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन देने वाली किस्मों का विकास तथा दो-लाइन थर्मोसेंसिटिव जेनेटिक मेल स्टेरिलिटी तकनीक के माध्यम से उन्नत शंकर बीज उत्पादन शामिल है। इन प्रयासों का उद्देश्य किसानों को कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाले बीज उपलब्ध कराना है। कृषि महाविद्यालय मुरझड़ में प्रोजेक्ट प्रभारी डॉ. उत्तम बिसेन के निर्देशन में इन शोध परीक्षणों का प्रक्षेत्र स्तर पर संचालन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान डॉ. जौहर अली के साथ जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर से डॉ. संजय सिंह एवं डॉ. शिव रामा भी उपस्थित रहे, जिन्होंने शोध कार्यों पर संतोष व्यक्त करते हुए आवश्यक तकनीकी सुझाव प्रदान किए। महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. घनश्याम देशमुख ने अतिथियों को संस्थान में संचालित अनुसंधान, शिक्षा एवं प्रसार गतिविधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर महाविद्यालय के वैज्ञानिकगण डॉ. नरेश बिसेन, डॉ. विक्रम सिंह गौड़, डॉ. आर.एस. सोलंकी, डॉ. अतुल श्रीवास्तव, डॉ. पांसे, डॉ. रमेश अमूले, कमलेश गौतम, डॉ. शिवानी सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे। इस भ्रमण से धान अनुसंधान को नई गति मिलने की उम्मीद व्यक्त की गई, जिससे क्षेत्र के किसानों को उन्नत तकनीकों एवं बेहतर उत्पादन का लाभ प्राप्त होगा।

सेन महाराज की सादगीपूर्ण माहौल में मनाई जाएगी 14 अप्रैल को जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज जिला समिति बालाघाट द्वारा 14अप्रैल को सादगी पूर्ण माहौल में नंदा सेन महाराज की 726 वीं जयंती मनाई जाएगी। जिसको लेकर जिला समिति द्वारा बैठक आहूत कि गयी जिसमें जिला एवं समस्त ब्लॉक अध्यक्ष की उपस्थिति में यह निर्णय लिया गया कि सेन समाज के आराध्य देव संत शिरोमणि नंदा सेन महाराज जी की जयंती जिले में सेन महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी। जिसमें 14 अप्रैल को समस्त सामाजिक बधुओं द्वारा सुबह नगर मुख्यालय के सेन चौक में स्थित नंदा सेन महाराज की प्रतिमा स्थल के समक्ष एकत्रित होकर विधि-विधान से पूजा अर्चन कर आरती की जाएगी। तत्पश्चात बाइक रैली के माध्यम से विठ्ठल रूखमणि मंदिर गर्रा में सेन जी महाराज की प्रतिमा का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर आरती की जाएगी। इस अवसर पर हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। इसके बाद बिरसा ब्लॉक में सेन जयंती महोत्सव पर नव निर्मित सेन जी महाराज की प्रतिमा का अनावरण कार्यक्रम में शामिल होने पूरे जिले के सामाजिक बंधुओं द्वारा प्रस्थान किया जाएगा।

28 अप्रैल को सामूहिक रूप से मनाई जाएगी जयंती

संत शिरोमणि केश शिल्पी सेन नाई समाज जिला समिति द्वारा नंदा सेन महाराज की जयंती सामूहिक रूप से जिला मुख्यालय में 28 अप्रैल को सुबह 10 बजे से पॉलीटेकनिक कॉलेज समीप कुनबी समाज भवन में हर्षोल्लास से मनाई जायेगी।इस संबंध में संगठन के अध्यक्ष रवि नागपुरकर ने बताया कि 14 अप्रैल को सेन महाराज की जयंती सादगीपूर्ण रूप से मनाई जा रही है। इस अवसर पर स्वजातीयजनों से अधिकाधिक उपस्थिति की अपील संगठन के युवा मोर्चा अध्यक्ष विरेन्द्र श्रीवास, महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती दामिनी गोंडाने, नगर अध्यक्ष महेश मानेश्वर, पूर्व जिलाध्यक्ष अमित श्रीवास सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

किराये से देना है

काली पुतली चौक बालाघाट मेन रोड पर स्थित स्टेट बैंक के बाजू में कमरा, ऑफिस एवं दुकान के लिये किराये से देना है।

संपर्क करें- 8516809720

आवश्यकता है

बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।

मो. 9479309233

कार्यालय ग्राम पंचायत बटुआ

जनपद पंचायत बालाघाट,जिला बालाघाट

क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. दिनांक 13/04/2026

निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत बटुआ में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, बी.वी.जी. रामजी योजना खनिज गोण, पंच परमेश्वर, 15 वां वित्त, 16 वित्त आयोग 5 वॉ 6 वॉ वित्त आयोग मुख्य मंत्री विशिष्ठ निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान विधायक, सांसद निधि, जिला पंचायत, जनपद पंचायत निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय, एवं अन्य मरम्मत, योजनाओ के तहत विभिन्न निर्माण कार्यों हेतु सामग्री क्रय की जानी है। इन कार्यो के लिये दिनांक 14-4-26 से 17-4-26 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाये कार्यालयीन समय पर आमंत्रित है।

निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालयीन समय पर प्राप्त कर सकते है। डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के 2 बजे तक ही मान्य होगे।

सामग्री - सीमेंट, लोहा, गिट्टी, पाईप लोहा पाईप, टीन, मिट्टी, मुरुम, रेत, ईट, मिक्सर मशीन, वायब्रेटर मशीन, पालीथीन थर्माकोल वासबेसीन नल सहित,पेन्टीग कार्य, गद्दू (पेपर ब्लाक, नल जल योजना हेतु पाईप नट अन्य उपयोगी सामग्री, सार्वजनिक स्थल हेतु सीमेट कुर्सीयॉ टेबल कुर्सीया, स्ट्रीट लाईट सबंधी सामग्री, बाटर हारवेस्टिंग से संबधीत सामग्री, पी. वी. सी पाईप, एंगल नट, बोल्ट, खीला, तार, स्टेशनरी सामग्री, नल-जल उपयोगी सामग्री, इत्यादि उपयोगी आवश्यक सामग्री क्रय की जानी है।

ईच्छुक विक्रेता नियत तारीख तक निविदा जमा करा सकता है। निविदा के संबंध में अन्तिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा।

श्रीमती संगीता शिव हरिनखेड़े सरपंच — **श्री अशोक चौधरी** उपसरपंच — **धर्मेन्द्र बिसेन** सचिव

श्री मनोज उइके- रोजगार सहायक

एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत बटुआ जिला बालाघाट

एक व्यक्ति ने भाभी से की मारपीट और दी जान से मारने की धमकी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम लोधीटोला सावरी में घरेलू विवाद के चलते एक व्यक्ति ने अपनी भाभी को मारपीट कर उसे जान से मारने की धमकी दे दी। पुलिस ने इस मामले में कवन लाल पिता गनीराम लिल्हारे के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। मिलींजानकारी के अनुसार योगेश्वरी लिल्हारे 37 वर्ष खेती किसानी के अलावा घरेलू काम करती है। जिनके देवर कवन लाल का अपनी बहन उमाबाई बहेटवार के साथ विवाद के चलते आए दिन झगड़ा होते रहते थे। गुरुवार की शाम 7:30 बजे कवन लाल लिल्हारे अपनी बहन उमा बाई से पुराने रंजिश को लेकर झगड़ा कर रहा था। तभी योगेश्वरी ने अपने देवर कवन लाल को समझाते हुए बोली की उमा से क्यो विवाद कर रहा है।योगेश्वरी के यह कहते ही कवनलाल अपनी भाभी योगेश्वरी अश्लील गालियां देने लगा और उसे हाथ बुक्के से मारपीट करने लगा। जिसके चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी नंनद उमाबाई और सास सरस्वता बाई दौड़ी और बीच बचाव किये। इसके बाद कवनलाल ने अपनी भाभी योगेश्वरी को बीच में बोलने पर जान से मार डालने की धमकी दे दी। मारपीट योगेश्वरी घायल हो चुकी थी जिसका इलाज खैरलांजी के अस्पताल में किया गया। उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर पुलिस ने उसके देवर कवनलाल लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की सम्बंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0002/ड-154/2026-27
मौजा साल्हेभर्री, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सदलीबाई पति जयचंद जाति मरार, निवासी ग्राम बम्हनी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बम्हनी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता मेहतरीनबाई पति सकटू का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 13.03.2006 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम साल्हेभर्री के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 16.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 13.04.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0001/ड-154/2026-27
मौजा बबरिया, रा.नि.मं. लालबर्रा

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुनिता पति बेनीराम जाति कुनबी, निवासी ग्राम बबरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बबरिया, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी माता कौशल्याबाई पति मंशाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 11.12.2016 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम बबरिया के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 16.04.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 10.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 13.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

श्रमिकों के हक और अधिकार के लिए सदैव तत्पर है भारतीय मजदूर संघ

मलाजखंड में बीएमएस की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न; नए श्रम कानूनों और श्रमिकों की समस्याओं पर हुआ मंथन

पद्मेश न्यूज ।बिरसा । भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) के प्रदेश उपाध्यक्ष और संभाग प्रभारी कमलेश पटेल के मुख्य आतिथ्य में भारतीय खनिज मजदूर संघ कार्यालय, मलाजखंड में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में स्थाई एवं संविदा श्रमिकों की ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई और उन्हें उनके वैधानिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया गया ।बैठक का प्रारंभ भारतीय परंपरा के अनुसार भारत माता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर और संघ के प्रेरणागीत के गायन के साथ हुआ। इसके पश्चात,

भारतीय खनिज मजदूर संघ मलाजखंड अध्यक्ष दत्रराज पटले और महासचिव हेमंत भगत ने अतिथियों का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया।

चार श्रम संहिताओं पर की गई चर्चा

श्रमिकों को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष कमलेश पटेल ने भारत सरकार द्वारा लागू किए गए चार नए श्रम कोड कानूनों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा की भारतीय मजदूर संघ का मुख्य उद्देश्य श्रमिक के पसीने की कीमत और उसके सम्मान की रक्षा करना है। नए कानूनों के बीच भी संगठन यह सुनिश्चित करेगा कि किसी भी श्रमिक के हितों के साथ समझौता न हो ।卐 संगठन के नेताओं ने स्पष्ट किया कि भारतीय मजदूर संघ हमेशा से श्रमिकों के अधिकारों की लड़ाई लड़ता आया है और भविष्य में भी संविदा कर्मचारियों के हितों के लिए संघर्ष जारी रहेगा। अंत में, उपस्थित सभी पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का संकल्प लिया। बैठक में संभाग प्रभारी श्री मोहारे, जिला मंत्री मनोज सुहागपुरे विशेष रूप से उपस्थित रहे ।तहसील बिरसा के पदाधिकारियों ने भी प्रदेश उपाध्यक्ष से भेंट कर स्थानीय समस्याओं से उन्हें अवगत कराया। इस दौरान मामराज शरणागत (सचिव),मिथिलेश पटले , (कोषाध्यक्ष), राजकुमार चौधरी, महेश मेरावी, देवेन्द्र बलिये सहित 100 से अधिक स्थाई एवं संविदा श्रमिक उपस्थित रहे।

नवविवाहिता की मौत मामले में पति, सास-ससुर गिरफ्तार

ग्रामीण थाना पुलिस की त्वरित कार्रवाई, 24 घंटे में तीनों आरोपी हिरासत में

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

ग्रामीण थाना क्षेत्र में 10 अप्रैल को हुई नवविवाहिता की संदिग्ध मृत्यु के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर मृतका के पति तथा सास-ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे मामले की जानकारी देते हुए नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि प्रथम दृष्टया यह मामला संदिग्ध परिस्थितियों का प्रतीत हो रहा है, जिसकी गंभीरता से जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस द्वारा सभी संबंधित पक्षों के बयान दर्ज किए जा चुके हैं। मृतका के मायके पक्ष द्वारा लगाए गए आरोपों के आधार पर पति और सास-ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना सहित संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की गई है। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है। मामले की विस्तृत जांच जारी है और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस प्रकरण में हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

नवविवाहिता की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने तेजी से कार्रवाई करते हुए पति, सास और ससुर को गिरफ्तार कर लिया है। इस पूरे प्रकरण की जानकारी स्थानीय पुलिस कंट्रोल रूम में आयोजित प्रेस वार्ता में नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने विस्तार से दी। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्रवाई शुरू की। कार्यपालिक मजिस्ट्रेट तहसीलदार मंजुला महोबिया जिला अस्पताल पहुंचीं थी , जहां विधिवत पंचनामा कार्रवाई की गई और डॉक्टरों की टीम द्वारा पोस्टमार्टम कराया गया। इसके साथ ही वरिष्ठ अधिकारियों एवं एफएसएल टीम ने नवेगांव स्थित घटनास्थल, यानी ससुराल, का बारीकी से निरीक्षण किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर एक ही दिन में मामले की जांच कर आरोपियों के विरुद्ध अपराध दर्ज किया गया और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जांच के दौरान मृतिका प्रशांति के परिजनों के बयान लिए गए, जिसमें यह सामने आया कि वर्ष 2023 में उसका विवाह नवेगांव निवासी ललित राणा से हुआ था। विवाह के समय पर्याप्त दहेज दिया गया था, इसके बावजूद पति ललित राणा, सास सुशीला राणा और ससुर सहसराम राणा द्वारा लगातार अतिरिक्त पैसों की मांग की जाती रही। परिजनों ने यह भी आरोप लगाया कि मृतिका को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था। कई बार पैसे देने के बावजूद उससे चार पहिया वाहन खरीदने के लिए अतिरिक्त रकम लाने का दबाव बनाया जा रहा था, जिससे वह लंबे समय से परेशान थी। पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों और बयानों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला कि मृतिका की मौत दहेज प्रताड़ना और क्रूरता का परिणाम है। इसी आधार पर थाना नवेगांव में आरोपी पति ललित राणा, सास सुशीला राणा और ससुर सहसराम राणा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85, 3(5) तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है ।

सफाई को लेकर हुआ था विवाद

प्रेस वार्ता में यह भी बताया गया कि प्रारंभिक जांच में घटना के दिन सुबह घर में साफ-सफाई को लेकर सास और मृतिका के बीच विवाद हुआ था। यह विवाद धीरे-धीरे बढ़कर गंभीर स्थिति में बदल गया। आरोप है कि सास द्वारा लगातार ताने दिए गए, जिसके बाद घटना घटित हुई। उस समय पति ललित और ससुर सहसराम घर के प्रथम तल पर अपनी दुकान में थे। बाद में मृतिका को अस्पताल लाया गया, लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी।

छोटी बच्ची बुआ की देखरेख में, मौत के कारण की जांच जारी

नवविवाहिता मौत मामले में पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मृतिका की एक छोटी बच्ची है, जिसे फिलहाल उसके पिता ललित राणा की बहन के पास रखा गया है और वही उसकी देखरेख कर रही है। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने प्रेस वार्ता में यह भी स्पष्ट किया कि मृतिका प्रशांति की मृत्यु का सटीक कारण अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सका है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार डॉक्टरों ने दम घुटने को मौत का संभावित कारण बताया है, लेकिन मामले की जांच अभी जारी है। उन्होंने बताया कि कुछ महत्वपूर्ण रिपोर्ट अभी आना शेष हैं, जिनके प्राप्त होने के बाद ही यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकेगा कि मृतिका की मृत्यु किन परिस्थितियों में और किस कारण से हुई। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

दहेज प्रताड़ना मामलों में अब होंगी सख्ती

नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी ने कहा कि इस मामले में फिलहाल पति और उसके माता-पिता को ही आरोपी बनाया गया है, लेकिन जांच के दौरान यदि अन्य किसी की संलिप्तता सामने आती है, तो उनके खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अब दहेज प्रताड़ना और महिला हिंसा से जुड़े मामलों को पुलिस प्राथमिकता से ले रही है और ऐसे मामलों में त्वरित एवं कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

4 दिवसीय समानता पर्व के तहत समता भवन में विभिन्न कार्यक्रमों के हुए आयोजन

चित्रकला, मेहंदी, रंगोली, गीत, कविता, भाषण, फैंसी ड्रेस सहित विभिन्न आयोजन सम्पन्न

अंबेडकर जयंती के अवसर पर आज निकाली जाएगी भव्य बाइक रैली

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर नगर मुख्यालय में 11 से 14 अप्रैल तक रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किया जा रहे हैं ।समानता पर्व के तहत आयोजित इस चार दिवसीय कार्यक्रम के तहत 12 अप्रैल रविवार को नगर के बूढ़ी समता भवन में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए, तो वही 13 अप्रैल सोमवार को नगर के अंबेडकर चौक से नगर भ्रमण के लिए एक भव्य बाइक रैली निकल जाएगी। इसके अलावा देर रात तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे ।जिसके अगले दिन 14 अप्रैल को संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी ।इसी कड़ी में समानता पर्व के तहत रविवार 12 अप्रैल को पंचशील बौद्ध विहार समता भवन बूढ़ी में बहुजन महापुरुषों के जीवन व आंदोलन पर सामान्य ज्ञान परीक्षा का आयोजन किया गया, तो वही चित्रकला, मेहंदी, रंगोली, गीत, कविता, भाषण, फैंसी ड्रेस सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों के आयोजन सुबह से देर शाम तक संपन्न कराए गए ।वही विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कारो का वितरण कर देर शाम कार्यक्रमों का समापन किया गया।

आज अम्बेडकर चौक से निकली जाएगी भव्य बाइक रैली

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि कल सोमवार 13 अप्रैल को शाम 4 बजे आंबेडकर चौक से मोटर साइकिल रैली निकाली जाएगी, जो अंबेडकर चौक से हनुमान चौक ,वहां से बाईपास रोड होते हुए संविधान चौक, वहां से बस स्टैंड रानी अवंती बाई चौक, वहां से बिरसा मुंडा चौक , जय स्तंभ चौक जाएगी ।जहां जय स्तंभ चौक से होकर यह रैली सीधे अंबेडकर चौक पहुंचेगी। जहां इस रैली का समापन किया जाएगा।

देर रात तक चलेंगे विभिन्न कार्यक्रम, होंगी भव्य आतिशबाजी

बताया गया कि बाइक रैली समापन के बाद 13 अप्रैल सोमवार शाम 07 बजे से बहुजन महापुरुषों पर आधारित गीतों पर नवरंग लावनी एवं आर्केष्ट्रा का आयोजन स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल मैदान में किया जाएगा। जिसके बाद रात के 12 बजते ही व 14 अप्रैल के शुरु होते ही भव्य आतिशबाजी कर, बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी।

जयंती विशेष पर भी दिन भर विभिन्न कार्यक्रमो के होंगे आयोजन

11 से 14 अप्रैल तक आयोजित समानता पर्व के अंतिम दिन 14 अप्रैल को संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी उसके तहत दिनभर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। इस दौरान मंगलवार सुबह 8 बजे विभिन्न स्थानों से झांकिया व रैलियां स्थानीय आंबेडकर चौक पहुंचेगी। यहां पर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर, सामूहिक बुद्ध वंदना पूज्य भंते धम्मशिखर द्वारा की जाएगी। इसके उपरांत आल इंडिया समता सैनिक एवं समता सैनिक दल द्वारा मार्चपास्ट कर ,सलामी दी जाएगी ।जिसके बाद विभिन्न वार्डों से आई झांकियो एवं रैली का स्वागत वंदन किया जाएगा और प्रात करीब 10 बजे बाबासाहेब आंबेडकर चौक से भव्य रैली नगर भ्रमण के लिए निकलेगी, जो नगर के विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए वापस डॉ. अंबेडकर चौक पहुँचेगी ।जहां इस रैली का समापन किया जाएगा ।तो वही नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में भोजनदान कार्यक्रम संपन्न कराया जाएगा ।वहीं 14 अप्रैल शाम 7 बजे से नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में मंचीय कार्यक्रम कराए जाएंगे। इसके उपरांत मिशनरी कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा ।जिसमें बालाघाट सहित विभिन्न जगहों से आने वाले कवि अपनी विभिन्न रचनाओं की प्रस्तुति देंगे। जिसका देर रात समापन किया जाएगा।

पुरस्कार वितरण के साथ दूसरे दिन आयोजित कार्यक्रम सम्पन्न- पंकज

सार्वजनिक जयंती समारोह समिति अध्यक्ष पंकज डोंगरे ने बताया कि चार दिवसीय समानता पर्व के तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। इसके दूसरे दिन आज समता भवन बूढ़ी में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। जिसमें प्रथम ,द्वितीय ,व तृतीय स्थान पर आने वाले प्रतिभागियों को ईनाम के तौर पर संविधान बुक की प्रतियां, स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र सहित विभिन्न पुरस्कार वितरण किए गए हैं ।सोमवार को नगर में भव्य रूप से बाइक रैली निकाली जाएगी। उन्होंने इस आयोजन में सामाजिक बन्धुओ सहित सर्व समाज से उपस्थित होकर संविधान रचयिता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर की स्मृति में आयोजित समस्त कार्यक्रमों में उपस्थित रहने की अपील की है।

शराब दुकान के विरोध में महिलाओं का पहरा, अन्य वार्डों में भी बढ़ी सतर्कता

वार्ड 25 की दुकान कहीं और शिफ्ट न हो, इस आशंका में रात में लाठी लेकर निगरानी कर रही महिलाएं

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 25 में प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर चल रहे विरोध का असर अब अन्य वार्डों में भी देखने को मिल रहा है। स्थानीय महिलाओं और वार्डवासियों में यह आशंका बढ़ गई है कि कहीं उक्त दुकान को अन्य वार्डों में स्थापित न कर दिया जाए। इसी डर के चलते वार्ड क्रमांक 33 सहित आसपास के वार्डों की महिलाएं दिन के साथ-साथ रात्रि के समय भी सतर्क नजर आ रही हैं। महिलाएं बड़ी संख्या में अपने-अपने वार्डों के संभावित स्थानों और चौक-चौराहों पर एकत्र होकर निगरानी कर रही हैं। उनका स्पष्ट कहना है कि वे वार्ड क्रमांक 25 की शराब दुकान को अपने क्षेत्र में स्थापित नहीं होने देंगी। विरोध के स्वर अब केवल एक वार्ड तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि यह अन्य वार्डों में फैलते नजर आ रहे हैं। विरोध के इस स्वरूप का एक दृश्य 11 अप्रैल की रात करीब 9:30 बजे वार्ड क्रमांक 33 स्थित सेन चौक में देखने को मिला, जहां महिलाएं और वार्डवासी हाथों में लाठी लेकर समूह में मौजूद रहे और संभावित स्थानों पर नजर बनाए रखी। महिलाओं का कहना है कि रहवासी क्षेत्रों में शराब दुकान खोले जाने से सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, इसलिए वे किसी भी स्थिति में इसे अपने वार्ड में संचालित नहीं होने देंगी। लगातार बढ़ते विरोध के बीच अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या निर्णय लेता है और विवाद का समाधान किस तरह किया जाता है। वार्ड क्रमांक 24 में संचालित शराब दुकान को महिलाओं के विरोध के बाद 7 अप्रैल से वार्ड क्रमांक 25 में स्थानांतरित कर संचालित करने का निर्णय लिया गया था, लेकिन नए स्थान पर भी विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है। वार्ड क्रमांक 25 की महिलाओं और रहवासियों ने इसे रहवासी क्षेत्र बताते हुए पहले दिन से ही दुकान के खिलाफ धरना-प्रदर्शन शुरू कर दिया, जो 12 अप्रैल तक लगातार जारी है। महिलाओं का कहना है कि आवासीय क्षेत्र में शराब दुकान खुलने से वातावरण बिगड़ेगा और बच्चों तथा परिवारों पर इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इसी कारण वे 7 अप्रैल से दुकान के सामने बैठकर लगातार विरोध कर रही हैं। इस आंदोलन को खास बात यह रही कि सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों के जनप्रतिनिधियों ने समर्थन दिया। वार्ड स्वयं नगर पालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर का होने के कारण उन्होंने भी मौके पर पहुंचकर महिलाओं के आंदोलन का समर्थन किया और कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर दुकान हटाने की मांग की थी । वहीं कांग्रेस की ओर से भी इस मुद्दे पर समर्थन दिया गया। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे स्वयं

वार्ड में पहुंचीं और महिलाओं को आश्वस्त किया कि वे इस विरोध में उनके साथ खड़ी हैं। महिलाओं ने विरोध के विभिन्न स्वरूप अपनाए। कभी सुंदरकांड का पाठ किया गया, तो कभी हवन-पूजन कर विरोध दर्ज कराया गया। इसके साथ ही वार्ड में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लेकर दुकान हटाने की मांग का समर्थन किया। इसके बावजूद अब तक दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया जा सका है। हालांकि कुछ जनप्रतिनिधियों का कहना है कि संबंधित विभाग दुकान के लिए वैकल्पिक स्थान तलाश रहा है, जिसके चलते निर्णय में देरी हो रही है। इधर, इस आशंका को लेकर कि कहीं दुकान को आसपास के किसी अन्य वार्ड में स्थापित न कर दिया जाए, अब महिलाएं और स्थानीय नागरिक दिन-रात सतर्क नजर रख रहे हैं। 11 अप्रैल की रात इसका एक उदाहरण भी देखने को मिला, जब वार्ड क्रमांक 33 की महिलाएं बड़ी संख्या में सेन चौक पर लाठियां लेकर पहुंच गईं। महिलाओं ने अनौपचारिक चर्चा में बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि प्रशासन रात के समय उनके क्षेत्र में शराब दुकान स्थापित कर सकता है। इसी आशंका के चलते वे मौके पर पहुंचीं और साफ कहा कि किसी भी स्थिति में अपने वार्ड में दुकान नहीं खुलने देंगी। महिलाओं की मौजूदगी को देखते हुए डायल 112 पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और सुरक्षा की दृष्टि से वहां तैनात रही। इस संबंध में वार्ड पार्षद योगेश बिसेन ने बताया कि क्षेत्र की महिलाएं अपने वार्ड में शराब दुकान नहीं चाहतीं, इसलिए वे संभावित स्थानों पर नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने भी महिलाओं के प्रदर्शन का समर्थन करते हुए कहा कि वे वार्ड में किसी भी कीमत पर शराब दुकान स्थापित नहीं होने देंगे।

कंजई पंचायत में विदाई समारोह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 11 किमी दूर ग्राम पंचायत कंजई में संचालित सैंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की शाखा में अपनी उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले शाखा प्रबंधक अभिषेक मोहारे का पदोन्नति के पश्चात स्थानांतरण होने पर ग्राम पंचायत द्वारा भव्य अभिनंदन व विदाई समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 11 अप्रैल को महात्मा ज्योतिबाराव फुले की जन्म जयंती के पावन अवसर पर आयोजित हुआ। यह कार्यक्रम समाजसेवी,

पूर्व मार्केटिंग अध्यक्ष ढालसिंह बिसेन के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने महात्मा फुले जी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर बैंक के प्रबंधक श्री मोहारे के कार्यकाल की सराहना करते हुए उन्हे शॉल, श्रीफल व स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया और उनके उ'जवल भविष्य की कामना कर विदाई दी गई। वहीं श्री मोहारे 13 अप्रैल को रिलिव हो जायेगें। उल्लेखनीय है कि शाखा प्रबंधक अभिषेक मोहारे ने कंजई शाखा में अपने तीन वर्ष के कार्यकाल को सफलतापूर्वक पूर्ण किया। उनकी कार्यकुशलता, कर्तव्यनिष्ठा और जनप्रिय व्यवहार को देखते हुए क्षेत्र में वे काफी लोकप्रिय रहे। पदोन्नति प्राप्त करने के बाद अब उनका स्थानांतरण भोपाल जोन के लिए हुआ है। वे 13 अप्रैल को कंजई शाखा से कार्यमुक्त (रिलीव) होंगे। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि एवं ग्राम सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन ने सैंट्रल बैंक के शाखा प्रबंधक श्री मोहारे के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में क्षेत्रीयजनों को बेहतर सेवाएं मिली है। अब वे पदोन्नत हो चुके है जिनका स्थानांतरण भोपाल जोन में हुआ है, हम सभी उनके उ'जवल भविष्य की कामना करते है। इस अवसर पर सरपंच अधि आनंद बिसेन, पूर्व सरपंच बालकृष्ण बिसेन, उपसरपंच प्रतिनिधि तिरेंद्र कुमरे, पूर्व उपसरपंच कुशना जी तुरकर, स्थाई पटेल आशीष बिसेन सहित ग्राम पंचायत के समस्त पंचगण शिक्षक-शिक्षिकाएं सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

ट्रैक्टर की जबरदस्त टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

क्षेत्र में अवैध और तेज रफ्तार रेत परिवहन का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार की देर रात करीब 11.30 बजे लालबर्रा से बालाघाट पहुंच मार्ग सर्राटी नदी पुल के समीप एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सड़क हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि ट्रैक्टर चालक अंधेरे का फायदा उठाकर वाहन सहित मौके से फरार हो गया। वहीं मृतक की पहचान आमाटोला पांढरवानी निवासी 23 वर्षीय दिनेश उर्फ डिल्लू यादव के रूप में हुई है। पुलिस ने घटना स्थल से शव बरामद का रविवार को सुबह अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। साथ ही पुलिस ने जिस ट्रैक्टर से हादसा घटित हुआ है उसे पकड़कर थाने में खड़ा करवा दिया है और मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं मृतक युवक माँ-बाप का इकलौता बेटा था, जिसकी मृत्यु हो जाने से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो चुका है। साथ ही 23 वर्षीय युवक की सड़क हादसे में मौत से आमाटोला क्षेत्र में शोक की लहर व्याप्त है।

मृतक माँ-बाप का था इकलौता बेटा

प्राप्त जानकारी के अनुसार आमाटोला पांढरवानी निवासी 23 वर्षीय दिनेश उर्फ डिल्लू यादव शनिवार की रात करीब 11.30 बजे मोटरसाइकिल से लालबर्रा से मानपुर की ओर जा रहा था। तभी सर्राटी नदी पुल के समीप रेत लेकर आ रहे टैक्टर चालक ने तेज रफ्तार एवं लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक को जबरदस्त टक्कर मार दी। जिससे बाईक में सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे तत्काल लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। लेकिन रात हो जाने के कारण दुसरे दिन रविवार को मृत युवक का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को सौंप दिया है। वहीं घटना के बाद चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया था, घटना के दुसरे दिन ट्रैक्टर को पुलिस ने जप्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। बताया जा रहा था कि मृतक दिनेश उर्फ डिल्लू यादव माँ-बाप का इकलौता बेटा था और विगत वर्ष पूर्व उसके पिताजी की भी मृत्यु हो चुकी है। परिवार में उनकी माँ एवं दो बहने है। शनिवार की रात करीब रात 11.30 बजे दिनेश मोटरसाइकिल से मानपुर की ओर जा रहा था। तभी रेत से भरे ट्रैक्टर ने उसे अपनी चपेट में ले लिया। जिससे उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। साथ ही जिस ट्रैक्टर से हादसा घटित हुआ है वह पनबिहरी का बताया जा रहा है। वहीं परिजनों ने पुलिस प्रशासन से ट्रैक्टर चालक व मालिक को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही एवं उचित मुआवजा दिलवाने की मांग की है।

ट्रैक्टर चालक पर कार्यवाही करें पुलिस प्रशासन - सुनील

सुनील यादव ने बताया कि शनिवार की रात करीब 12 बजे हमें जानकारी मिली कि आपके भाई का एक्सीडेंट हो गया है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचे तो उसकी मौत हो चुकी थी। मृतक दिनेश मानपुर की ओर जा रहा था तभी ट्रैक्टर चालक ने उसकी बाईक को जबरदस्त टक्कर मार दी। श्री यादव ने बताया कि यह बहुत दु:खद घटना है, पुलिस प्रशासन से मांग है कि ट्रैक्टर चालक व मालिक को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करें एवं शासन से उचित मुआवजा दिलवाये।

मामले की जांच की जा रही है - दुर्गाप्रसाद

दुरभाष पर चर्चा में सहायक उपनिरीक्षक दुर्गाप्रसाद झिझोते ने बताया कि शनिवार की देरात करीब साढ़े ग्यारह बजे सूचना मिली थी कि ट्रैक्टर की टक्कर से एक युवक की मौत हो गई है। घटना के बाद घटना स्थल पहुंचकर शव बरामद किया गया और रविवार को पोस्टमार्टम कर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं जिस ट्रैक्टर से हादसा घटित हुआ है उसे पकड़कर थाने में खड़ा करवा दिया गया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

अब आयकर रिटर्न भरना हुआ आसान

भोपाल। एजेंसी। आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने की प्रक्रिया अब करदाताओं के लिए सिरदर्द नहीं रहेगी। आयकर विभाग ने तकनीक का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए एक कदम उठाया है। विभाग ने कर साथी नाम से एक एआई आधारित चैटबॉट पेश किया है। यह सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी और कर से जुड़े कठिन नियमों, प्रपत्रों (फॉर्म) और जमा करने की प्रक्रिया को अत्यंत सरल भाषा में समझाएगी। ग्वालियर के व्यापारिक और वेतनभोगी वर्ग के लिए यह सुविधा एक डिजिटल मार्गदर्शक की तरह काम करेगी।

कर साथी आयकर विभाग के नए पोर्टल का एक अभिन्न अंग है। इसे विशेष रूप से करदाताओं के मन में उठने वाले तत्काल प्रश्नों के उत्तर देने और रिटर्न भरने के अनुभव को सहज बनाने के लिए विकसित किया गया है। अक्सर देखा गया है कि अधूरी या अस्पष्ट जानकारी के कारण लोग रिटर्न भरने में देरी करते हैं या गलतियां कर बैठते हैं। सीए आशीष पारेख के मुताबिक यह चैटबॉट उस समस्या को खत्म कर देगा जहां करदाताओं को छोटी-छोटी जानकारी के लिए परेशान होना पड़ता था। यह करदाताओं को उनकी जिम्मेदारियों को स्पष्ट रूप से समझने में सहायता करेगा।

यह एआई चैटबॉट आयकर विभाग की नई वेबसाइट के साथ मिलकर कार्य करता है। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां प्रपत्र, चालान, ई-भुगतान और ई-सत्यापन जैसी सभी आवश्यक सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हैं। अब करदाताओं को अलग-अलग वेब पृष्ठों पर भटकने की आवश्यकता नहीं होगी। यह रीयल-टाइम में जवाब देता है, जिससे छोटे-मोटे संदेहों के लिए बाहर के सलाहकारों पर निर्भरता कम हो जाएगी।

कठिन शब्दों से मुक्ति और सटीक मार्गदर्शन

आयकर कानून में उपयोग होने वाले शब्द अक्सर आम लोगों के लिए समझना कठिन होते हैं। कर साथी इन कठिन शब्दों, नए कर स्लैब और छूट (डिडक्शन) को बेहद सरल भाषा में समझाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपयोगकर्ताओं को रिटर्न भरने के दौरान चरण-दर-चरण निर्देश देता है, जिससे संभावित गलतियों की पहचान पहले ही हो जाती है। इससे गलत रिटर्न भरने के कारण लगने वाले जुर्माने का जोखिम

भी न्यूनतम हो जाता है।

आम नागरिक और लघु उद्योगों को लाभ

यह सुविधा विशेष रूप से आम लोगों और ग्वालियर के छोटे व्यवसायियों के लिए वरदान सिद्ध होगी। यह आयकर विभाग के दृष्टिकोण में आए बड़े बदलाव को दर्शाता है। अब विभाग का मुख्य बल केवल दंड लगाने पर नहीं, बल्कि करदाताओं को अनजाने में होने वाली गलतियों से रोकने पर है, ताकि समस्या उत्पन्न होने से पहले ही उसका समाधान खोजा जा सके। ग्वालियर के करदाता अब किसी भी समय, चाहे वह आधी रात ही क्यों न हो, अपनी शंकाओं का समाधान इस डिजिटल मित्र से प्राप्त कर सकेंगे।

महापुरूषों के बताये मार्ग पर चलकर समाजोत्थान एवं देशहित में करे काम - रामकिशोर

मोहगांव ध. में महात्मा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का अनावरण, सामाजिक भवन का हुआ लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत मोहगांव ध. के मरारी मोहल्ला (वार्ड नंबर 6, 7) में रविवार को राष्ट्रपिता महात्मा 'योतिबाराव फुले की 199 वीं जयंती के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ग्राम मरार माली समाज के तत्वाधान में आयोजित इस कार्यक्रम में महात्मा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा का अनावरण तथा नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम पूर्व रा'य मंत्री रामकिशोर कावरे के मुख्य आतिथ्य, मरार समाज ब्लॉक अध्यक्ष (लालबर्रा) कैलाश मात्रे की अध्यक्षता एवं जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा महात्मा फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले की प्रतिमा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर किया गया तत्पश्चात अतिथियों के हस्ते दोनों महापुरूषों की प्रतिमा का का अनावरण एवं रिबिन काटकर नवनिर्मित सामाजिक भवन का लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने महापुरूषों के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महात्मा फुले केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार हैं, जिन्होंने समाज में व्याप्त कुरीतियों और भेदभाव को दूर करने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। साथ ही माता सावित्रीबाई फुले द्वारा देश में जगाई गई शिक्षा की अलख का ही परिणाम है कि आज समाज के हर वर्ग के लोग शिक्षित होकर उ'च पदों पर आसीन हैं। महिलाओं को शिक्षित करने और उन्हें समाज में बराबरी का अधिकार दिलाने में फुले दंपत्ति का योगदान अतुलनीय है। इसलिए हम सभी को उनके बताये मार्ग पर चलकर ब'चों को अ'छी शिक्षा प्रदान करना है, संगठित होकर समाजोत्थान एवं देशहित में काम करें। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में युवा प्रकोष्ठ से गजेन्द्र देशमुख, दीपक पंचेश्वर, धनीराम खैरवार, जिला प्रतिनिधि कोमलप्रसाद पंचेश्वर, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष श्यामलाल पंचेश्वर, रजलाल मानेश्वर, ओमप्रकाश बाहेश्वर, दिनेश मात्रे, सचिव डोंगरूलाल मानेश्वर, पूर्व जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सरिता मात्रे, बकोड़ा सरपंच श्रीमती पुष्पा/श्रीराम नागेश्वर, टेकाड़ी सरपंच श्रीमती पार्वती/रामसहाय गाड़ेश्वर, नेवरगांव ला सरपंच संतोष पंचेश्वर, बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर, रमपुरी सरपंच श्यामलाल मानेश्वर रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम प्रभारी बेनीराम दांदरे, शिवप्रसाद खैरवार, गिरधारी पंचेश्वर, बलराम पंचेश्वर, लक्ष्मीचंद खैरवार, ग्राम अध्यक्ष सीताराम बाहेश्वर, संतराम खरे, यशवंत खरे, राजेन्द्र खरे, रूपलाल मरठे, श्रीमती नमिता पंचेश्वर, उषा खरे, कृष्णी मरठे, असरबत्ती पंचेश्वर, सुनिता पंचेश्वर सहित बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

कहार सिंगराहा (सिंगरोड) समाज का जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन संपन्न

समाज के उत्थान और संगठन की मजबूती पर दिया गया जोर

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के बालाघाट रोड स्थित लॉन में रविवार को कहार सिंगराहा (सिंगरोड) समाज का बालाघाट-सिवनी संयुक्त जिला स्तरीय वार्षिक सम्मेलन कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में समाज के विकास, सरकारी सुविधाओं का लाभ प्राप्त करने और सामाजिक एकजुटता पर विस्तृत चर्चा की गई। यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग की सदस्य मौसम बिसेन के मुख्य आतिथ्य एवं कहार सिंगराहा (सिंगरोड) समाज बालाघाट-सिवनी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं विभिन्न जनप्रतिनिधि के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। आयोजित वार्षिक सम्मेलन के दौरान समाज के उत्थान को लेकर गहन विचार-विमर्श किया गया। साथ ही सामाजिक पदाधिकारियों ने शासन स्तर से समाज को मिलने वाली सुविधाओं और स्थानीय प्रशासन की ओर से आ रही समस्याओं से मुख्य अतिथि को अवगत करवाया। वहीं पदाधिकारियों ने मांग की कि समाज की समस्याओं का शीघ्र निराकरण किया जाये ताकि विकास की मुख्यधारा से

जुड़ सके। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अतिथियों ने उपस्थित जनसमूह से आव्हान किया कि अपने ब'चों को उ'च और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करें ताकि वे समाज का नाम रोशन कर सकें। साथ ही अपने पैतृक व्यवसाय को आधुनिकता के साथ अपनाते हुए निरंतर आगे बढ़ने, शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी रखें और उनका लाभ उठाने की बात कही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने कहा कि कहार समाज निषाद राज महाराज का अनुयायी है, वह आपके आराध्य है जिनकी हम उपासना करते हैं। जब

उनकी बात आती है तो रामायण का वह प्रसंग जिसमें वनवास के दौरान भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी को गंगा पार करने की बारी आई तो निषाद राज महाराज ने आत्मियता के साथ अपनेपन के साथ एक सच्चे समर्पण व्यक्तित्व भाव के साथ निषाद राज जी महाराज ने उन्हें नदी पार करवाई। शरण देकर उनकी सेवा की यह हमारे जीवन में एक सीख है। आगे कहा कि हम जिनकी आराधना करते हैं तो हमारे अंदर हमारे आराध्य की तरह ही भाव जागृत होते हैं। हम हमेशा अपनी मेहनत से आगे बढ़ते हैं, ना कि किसी के मेहरबानी से इसलिए मैं आप लोगों को प्रणाम करती हूं कि एक ऐसा समाज जो बहुत अधिक मेहनत करके अपने परिश्रम के साथ अपनी आजीविका चलता है। साथ ही यह भी कहा कि अन्य पिछड़ा वर्ग के जैसे संबंधित जो भी समस्याएं हैं वह राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के अंतर्गत आता है। मध्यप्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन एक केस की स्टडी के लिए हुआ है जिसका पहला चरण मेरे पिताजी जब आयोग के अध्यक्ष थे। तब हमने ओबीसी आरक्षण के साथ नगरी निकाय एवं पंचायत चुनाव करवाई जिसमें उन्हें सफलता मिली। वर्तमान में जो ओबीसी आरक्षण को लेकर 27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर हाईकोर्ट व सुप्रीम कोर्ट में मामले लंबित है। इस मामले में रिपोर्ट देने के लिए इस आयोग का गठन किया गया है। वहीं कार्यक्रम के अंत में समाज के सभी लोगों ने संगठित होकर कार्य करने और समाज को नई ऊंचाईयों पर ले जाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर कहार सिंगराहा (सिंगरोड) समाज बालाघाट-सिवनी जिले के पदाधिकारी एवं स्वजातीय बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

मेहदोली में जंगली सूअरों का आतंक

रबी की फसल पर संकट, दहशत में किसान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत मेहदोली में इन दिनों किसान परेशान हैं। एक ओर जहां भारी मेहनत के बाद रबी की फसल खेतों में लहलहा रही है वहीं दूसरी ओर जंगली सूअरों के झुंड ने किसानों की नींद उड़ा दी है। क्षेत्र में जंगली सूअरों के बढ़ते विचरण से ना केवल फसलों को भारी नुकसान हो रहा है बल्कि ग्रामीणों में जान माल का भय भी व्याप्त हो गया है।

खेतों को बना रहे निशाना फसलें हो रही बर्बाद

वर्तमान में खेतों में नमी होने के कारण जंगली सूअर सुरक्षित ठिकानों की तलाश में खेतों के बीच छिपे हुए हैं। सूअरों का झुंड रात के साथ साथ अब दिन में भी सक्रिय है। ये सूअर खेतों में दौड़कर फसलों को रौंद रहे हैं और अपने थूथन से जमीन खोदकर पौधों को उखाड़ फेंक रहे हैं। वर्तमान में हो रहा नुकसान तो महज एक शुरुआत है। असली आतंक तब शुरू होता है जब धान की बालियां निकल आती हैं। उस समय सूअरों की संख्या अचानक बढ़ जाती है और वे पूरी की पूरी फसल चट कर जाते हैं। अगर अभी इन्हें नहीं रोका गया तो भविष्य में रबी की पैदावार शून्य हो जाएगी। हालांकि अभी तक किसी अप्रिय जनहानि की सूचना नहीं मिली है लेकिन ग्रामीणों ने जंगली सूअरों को खुलेआम घूमते और खेतों में दौड़ते हुए देखा है। इस स्थिति ने किसानों के मन में इतना डर पैदा कर दिया है कि वे अब अकेले अपने ही खेतों में जाने से कतरा रहे हैं। किसान भययुक्त वातावरण में काम करने को मजबूर हैं क्योंकि जंगली सूअर कभी भी हमला कर किसी को गंभीर रूप से घायल कर सकते हैं। पीड़ित किसानों ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर कड़ा रोष व्यक्त किया है। ग्रामीणों का आरोप है कि विभाग को बार बार सूचित करने के बावजूद अधिकारी इस समस्या को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मैदानी अमले की अनुपस्थिति के कारण जंगली जानवर रिहायशी इलाकों और खेतों की ओर रुख कर रहे हैं। वन विभाग की इस अनदेखी का खामियाजा गरीब किसानों को आर्थिक नुकसान झेलकर चुकाना पड़ रहा है। मेहदोली के प्रभावित किसानों ने शासन प्रशासन और वन विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनकी प्रमुख मांग है कि इन जंगली सूअरों को बस्तियों और खेतों से खदेड़कर वापस घने जंगलों की ओर भेजा जाए। यदि समय रहते उचित कदम नहीं उठाए गए तो उनकी मेहनत की कमाई मिट्टी में मिल जाएगी और परिवार के सामने जीविकोपार्जन का संकट खड़ा हो जाएगा।

जंगली सूअर के डर से ग्रामीणों का जीना हुआ हराम-सीताराम पंचेश्वर

किसान सीताराम पंचेश्वर ने बताया कि हमने रबी में धान की खेती लगाई हुई है। कड़ी मेहनत से फसल खड़ी हो गई है परंतु जंगली सूअर का डर लगा हुआ है। वह खेतों की तरफ घूमते हुए आसानी से देखी जा सकती है कई बार हमारा आमना सामना भी हुआ है। परंतु अच्छा रहा की कोई हादसा नहीं हुआ है इसके पहले एक हादसा हुआ था। खेत में काम कर रहे किसान को जंगली सूअर ने गंभीर रूप से घायल कर दिया था। हमें भी डर लगा हुआ है दो.चार किसानों के साथ खेतों की तरफहम आते हैं अकेले आने में डर लगता है। विभाग को गंभीरता से इधर ध्यान देना चाहिए।

जंगली सूअर की संख्या लगातार बढ़ रही है जिससे खेतो को नुकसान पहुंचा रहे है-नंदलाल बाहेश्वर

नंदलाल बाहेश्वर ने बताया कि जंगली सूअर की संख्या लगातार बढ़ रही है। खेतों में यह फसल के बीच में उपस्थित रहते हैं कभी भी किसी पर भी हमला कर देते हैं। हालांकि अभी तक कोई घायल तो नहीं हुआ है किंतु डर बना हुआ है। वन विभाग आता है उन्हें बोला भी गया है पर उनके द्वारा कुछ नहीं किया गया है। जबकि बंदोबस्त उन्हें करना चाहिए अभी जंगली सूअर खेतों में दौड़कर पौधों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। जब यह बाली आ जाती है तो उसे खाने के लिए यह आते हैं तब बहुत ज्यादा नुकसान हमें होता है। जब यह फसल तैयार होगी उसके बाद ही स्पष्ट नुकसान प्रतीत हो पाएगा।

महापुरुषों की जयंती के उपलक्ष्य में बहुजन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता संपन्न

सीनियर जूनियर वर्ग में ९४ छात्र छात्राओं ने दिखाई प्रतिभा

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। राष्ट्रपिता महात्मा ज्योतिबाराव फुले एवं बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर की संयुक्त जयंती समारोह के उपलक्ष्य में वारासिवनी में विभिन्न रचनात्मक और सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में रविवार १२ अप्रैल को बहुजन सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। यह परीक्षा कमला नेहरू शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित की गई। जिसमें क्षेत्र के बच्चों और युवाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया। आयोजन समिति से मिली जानकारी के अनुसार इस प्रतियोगिता को दो श्रेणियों में जूनियर और सीनियर वर्ग में विभाजित किया गया । परीक्षा में कुल ९४ छात्र छात्राओं ने इस बौद्धिक स्पर्धा में अपना भाग्य आजमाया और महापुरुषों के जीवन संघर्ष व भारतीय संविधान से जुड़े प्रश्नों के उत्तर दिए। सीनियर वर्ग में कुल ४५ प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। जूनियर वर्ग में ४६ बच्चों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई यह परीक्षा पूर्व निर्धारित समय से सुबह ९ से ११ बजे तक आयोजित की गई। इस २ घंटे में ९४ छात्र छात्राओं के द्वारा परीक्षा केंद्र में उपस्थित होकर शांतिपूर्वक पेपर हल किया गया। इस संबंध में अध्यक्ष अभिराज मेश्राम ने बताया की सार्वजनिक फुले आंबेडकर जयंती समारोह समिति के तत्वावधान में आयोजित यह परीक्षा पूरी तरह शांतिपूर्ण और अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को महापुरुषों के आदर्शों, उनके संघर्षों और देश के गौरवशाली इतिहास से परिचित कराना है। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को नगदी पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा। यह पुरस्कार वितरण समारोह १४ अप्रैल को सिविल क्लब ग्राउंड रानी अवंतीबाई स्टेडियम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम के दौरान रात्रि ७ बजे किया जाएगा। जयंती महोत्सव के तहत अगले दो दिनों में और भी भव्य कार्यक्रम होने है, १३ अप्रैल की शाम ६ बजे से एक शाम भीम के नाम बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम, १४ अप्रैल की सुबह ८.३० बजे से भव्य बाइक एवं पैदल रैली, जिसके पश्चात दोपहर में सामाजिक प्रबोधन और संगीत प्रस्तुति होगी। इस आयोजन को सफल बनाने में आयोजक समिति के अध्यक्ष अभिराज मेश्राम, सचिव राहुल गजभिये, कोषाध्यक्ष मुन्ना उके,संयोजक आर के बंसोड़, सक्रिय सदस्य मनोज भालाधरे सहित समस्त सक्रिय कार्यकर्ताओं और बौद्ध समाज का सराहनीय योगदान रहा।

वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने विधायक ने मुख्यमंत्री और रेल मंत्री को लिखा पत्र

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। भारी यातायात जाम और जनता की परेशानियों को देखते हुए विधायक विवेक पटेल ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव को पत्र लिखकर शहर में स्थित वारासिवनी लालबर्रा मार्ग पर रेल्वे फाटक क्रमांक बी के २६ पर रेल्वे ओवर ब्रिज निर्माण की स्वीकृति प्रदान की मांग की है। विधायक विवेक पटेल ने बताया कि स्थानीय निवासियों और वाहनों की आवाजाही को देखते हुए रेल्वे ओवर ब्रिज का निर्माण किया जाना जरूरी है। रेल्वे फ

टक से बड़ी संख्या में मालगाड़ी एवं यात्री गाड़ियो का संचालन होता है। इस दौरान लंबे समय तक मार्ग बाधित रहता है जिससे आमजन के यातायात एवं आकस्मिक चिकित्सा परिवहन में अत्यधिक विलंब के कारण अप्रिय स्थिति उत्पन्न होती है। इस पुल बनने के बाद आम नागरिकों को जाम से राहत मिलेगी ।वहीं वारासिवनी से सिवनी, छिंदवाडा, भोपाल, इंदौर जाने में समय की बचत होगी। रेल्वे के साथ मिलकर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी में सुधार लाने और आम जनता की सुरक्षा बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। रेल्वे फाटक बन्द रहने से घंटों जाम की स्थिति लगी रहती है। रेल्वे ओवर ब्रिज बनने के बाद आवागमन सुगम होगा और बड़ी आबादी को राहत मिलेगी।

बहुजन समाज पार्टी मनायेगी स्थापना दिवस और बाबासाहेब आंबेडकर जयंती

मंडला में जुटेगा कार्यकर्ताओं का हुजूम

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। बहुजन समाज पार्टी के द्वारा आगामी १४ अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर की जयंती और पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर मंडला में एक विशाल जोन स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस संबंध में जिला प्रभारी दीपक मेश्राम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया की १४ अप्रैल का दिन बहुजन समाज के लिए दोहरी खुशी का अवसर है। मान्यवर कांशीराम ने १४ अप्रैल १९८४ को बाबा साहेब के विचारों को राजनैतिक स्वरूप देने के लिए इसी ऐतिहासिक दिन बसपा की स्थापना की थी। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी भव्य आयोजन किया जा रहा है। १४ अप्रैल की दोपहर १२ बजे से डॉ.बाबा साहेब आंबेडकर चौक मंडला में कार्यक्रम हैं। इस जोन स्तरीय कार्यक्रम की सफलता के लिए विधानसभा क्षेत्र वारासिवनी के सभी पदाधिकारियों, सक्रिय कार्यकर्ताओं और समर्थकों को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है। पार्टी नेतृत्व ने अपील की है कि बाबा साहेब के मिशन और पार्टी की मजबूती के लिए अधिक से अधिक संख्या में मंडला पहुँचकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं। यह आयोजन केवल एक उत्सव नहीं बल्कि संविधान की रक्षा और बहुजन समाज के अधिकारों के प्रति हमारे संकल्प को दोहराने का माध्यम है।

संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की बैठक संपन्न लंबित मांगों को लेकर भरी हुंकार

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के गाँधी बाल उद्यान में रविवार की शाम ५.३० बजे संयुक्त विभाग पेंशनर संघ की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में पेंशनरों ने अपनी विभिन्न लंबित समस्याओं और वित्तीय लाभों को लेकर विस्तार से चर्चा की और शासन प्रशासन के प्रति अपनी चिंताओं को साझा किया। बैठक का मुख्य एजेंडा सेवानिवृत्त कर्मचारियों के उन अधिकारों पर केंद्रित रहा जो लंबे समय से अटके हुए हैं। चर्चा के दौरान अर्जित अवकाश का नगदीकरण जिसमें कई कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के वर्षों बीत जाने के बाद भी अब तक अर्जित अवकाश की राशि प्राप्त नहीं हुई है। समयमान वेतनमान में चतुर्थ समयमान वेतनमान और क्रमोन्नति का लाभ नही मिलना पेंशनरों के बीच असंतोष का मुख्य कारण बना हुआ है। वहीं विशेष रूप से वन विभाग के कर्मचारियों को न्यायालय के स्पष्ट आदेश के बावजूद अब तक तृतीय क्रमोन्नति का लाभ नहीं दिया गया है। सहित अन्य विषय पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। इसमें पेंशनर संघ ने स्पष्ट किया है कि यदि उनकी जायज मांगों और न्यायालय के आदेशों का पालन शीघ्र नहीं किया गया तो वे आगामी रणनीति तैयार कर अपने हक की लड़ाई को और तेज करेंगे। सतीशचंद्र दुबे ने बताया कि संयुक्त विभाग पेंशनर की बैठक आयोजित की गई थी। जिसमें विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और निर्णय निकल गया कि ५ से ८ तारीख के मध्य मासिक बैठक की जाएगी। वहीं देखने में आ रहा है कि सेवानिवृत कर्मचारियों को लाभ देने में शासन लेट कर रही है। नियमित को जुलाई में और सेवानिवृत्ति को जनवरी में जबकि नियम दोनों को साथ में देने का है। शासन हमारे साथ भेदभावपूर्ण रवैया अपना रही है ,चौथी क्रमोन्नति यह २३ से दे रहे हैं जबकि १७ से हमें तीसरी और चौथी क्रमोन्नति नहीं दी गई है। अब इस बात के लिए हमें शासन और न्यायालय के समक्ष बात रखनी पड़ेगी। इस अवसर पर बी एल चौधरी, एस एल कावरे ,टी एस भगत ,देवेंद्र पटले ,शिवदयाल पटले ,सतीश दुबे ,हेमंत अमूले ,एम एल राणा, डी सी बिसेन ,कलीम खान ,एस आर समरीते ,डी आर बिसेन, डी आर बागरे ,देवानंद बिसेन, हीरासिंह चंदेल और मनोहर ठाकुर सहित बड़ी संख्या में अन्य पेंशनर शामिल हुए।

महात्मा ज्योतिबा राव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखा रहे हैं -प्रदीप जायसवाल

देवगाँव में गरिमापूर्ण ढंग से मनाई गई महात्मा ज्योतिबा राव फुले की 199वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत देवगाँव में 11 अप्रैल को महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा राव फुले की १९९वीं जयंती अत्यंत उत्साह और गरिमापूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। जयंती समारोह का विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल द्वारा किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में महात्मा ज्योतिबा राव फुले एवं माता सावित्रीबाई फुले के तैलचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने महात्मा फुले के जीवन संघर्ष और समाज सुधार के क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए क्रांतिकारी कार्यों पर प्रकाश डाल कर बताया कि किस प्रकार फुले दंपत्ति ने शिक्षा और समानता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस दौरान देवगांव मे अधोसरंचना मद से

नवनिर्मित महात्मा ज्योतिबा फुले सामुदायिक भवन का शुभारंभ प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री के हस्ते किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की महात्मा ज्योतिबा फुले की जंयति पर शिक्षा, सामाजिक समानता और महिला सशक्तिकरण के अग्रदूत को याद करने का दिन है। हमने वारासिवनी नगर के कालेज चौक पर बेहद मनोहारी उनकी प्रतिमा लगाकर उद्यान का स्वरूप भी दिया है। अब हम इसी स्थल पर भारत की पहली महिला शिक्षिका, महान समाज सुधारक सावित्री बाई फुले की प्रतिमा भी जल्द स्थापित करने जा रहे है। पिछले विधानसभा चुनाव मे अगर क्षेत्र की जनता बहकावे मे नही आती तो ६ पुलो के बाद इस सत्र मे सबसे पहले चंदन नदी पर सिंगोडी देंवगांव पूल अभी तक बन जाता। आज सरपंच ने ग्राम पंचायत को गर्रा से जोडने व पूल निर्माण के विषय मे ज्ञापन सौपा है। इन विषयो को हम गंभीरता से ले रहे है। महात्मा ज्योतिबा राव फुले और माता सावित्रीबाई फुले के आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य कर रहे हैं। शिक्षा और सामाजिक समरसता ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर प्रदीप जायसवाल पूर्व मंत्री, भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, जनपद उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा अमूले, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती गीता हनवत, मंडल अध्यक्ष वेदप्रकाश पटेल, कन्हैया खैरवार, राजकुमार कावरे, धनराज ठाकरे, श्रीराम पंचेश्वर, अनिश मिश्रा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद रहे।

आशा भोसले- सुरों की ऐसी यात्रा जिसने भारतीय संगीत को दी नई पहचान

भारतीय संगीत के इतिहास में कुछ ही कलाकार ऐसे हुए हैं जिन्होंने अपनी प्रतिभा, प्रयोगशीलता और दीर्घकालिक योगदान से समय की सीमाओं को लांघा और अमर हो गए। ऐसी ही एक महान हस्ती का नाम आशा भोसले है, जिनकी आवाज़ ने न केवल हिंदी सिनेमा को समृद्ध किया, बल्कि 20 से अधिक भाषाओं में 12,000 से ज्यादा गीतों के माध्यम से वैश्विक पहचान भी बनाई। उनका नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होना इस बात का प्रमाण है कि उनका योगदान सिर्फ लोकप्रियता तक सीमित नहीं रहा, बल्कि ऐतिहासिक उपलब्धि भी है। विश्व में भारतीय संगीत को एक नई पहचान दिलवाने वाली, 92 वर्ष की अथक जीवन यात्रा पूर्ण कर आशा भोसले यूं तो रविवार 12 अप्रैल 2026 को इस फानी दुनियां से हमेशा के लिए कूच कर गईं, लेकिन उनकी सुर साधना हमेशा संगीत प्रेमियों के दिलों में राज करती रहेगी। सुर-संगीत की महान साधिका आशा भोसले का जन्म 8 सितंबर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में एक संगीत परिवार में हुआ था। उनके पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर एक प्रसिद्ध शास्त्रीय गायक थे, और घर का वातावरण शुरू से ही संगीत से परिपूर्ण था। ऐसे माहौल में पली-बढ़ीं आशा ने बहुत कम उम्र में ही संगीत की दुनिया में कदम रखा। महज 10 साल की उम्र में उन्होंने अपना पहला मराठी गीत चला चला नव बाल卐 गाया था, जिसे उन्होंने अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर के साथ रिकॉर्ड किया। यह अनुभव उनके लिए प्रेरणादायक साबित हुआ और यहीं से उनके जीवन की संगीत यात्रा ने दिशा पकड़ी। हालांकि, आशा भोसले की जिंदगी का सफर आसान नहीं था। संगीतकार परिवार से आने और लता मंगेशकर जैसी महान गायिका की बहन होने के बावजूद उन्हें शुरुआती दौर में कड़ा संघर्ष करना पड़ा। उस समय लता मंगेशकर पहले से ही भारतीय फिल्म संगीत की शीर्ष गायिका बन चुकी थीं, और उनकी छाया में आशा को अपनी अलग पहचान बनाने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। उनकी आवाज शुरू में लता मंगेशकर से काफी मिलती-जुलती थी, जिससे कई बार भ्रम की स्थिति भी पैदा हो जाती थी। एक घटना में तो एक रिकॉर्डिंग को गलत तरीके से आशा का समझ लिया गया, जबकि वह उनकी बहन का गीत था। इस अनुभव ने उन्हें गहराई से सोचने पर मजबूर कर दिया कि अगर वे अपनी शैली नहीं बदलेंगी, तो हमेशा तुलना के तराजु में तौली जाती रहेंगी। इसके बाद आशा भोसले ने अपने संगीत करियर में एक बड़ा निर्णय लिया, उन्होंने अपनी गायकी की शैली को पूरी तरह बदलने का बीड़ा उठाया। उन्होंने पश्चिमी संगीत, अंग्रेजी फिल्मों और विभिन्न अंतरराष्ट्रीय शैलियों का अध्ययन शुरू किया। उन्होंने कव्वाली, ग़ज़ल और कैबरे जैसे विविध रूपों में अपनी आवाज को ढालना सीखा। यही प्रयोगशीलता आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। उन्होंने भारतीय फिल्म संगीत को एक नया रंग दिया और खुद को एक वर्सेटाइल गायिका के रूप में स्थापित किया। आशा भोसले ने न केवल मधुर प्रेम गीत गाए, बल्कि बोल्ड और प्रयोगात्मक गीतों को भी अपनी आवाज दी। दम मारो दम और पिया तू अब तो आजा जैसे गाने उस दौर के युवा वर्ग की दिलों के धड़कन बन गए। उनके ऐसे गीत जहां काफी चर्चित हुए वहीं विवादित भी रहे। समय बदलने के साथ ही ये गीत भारतीय संगीत के क्लासिक बन गए। उनकी यह क्षमता कि वे हर तरह के संगीत को सहजता से अपना लेती थीं, उन्हें अन्य गायकों से अलग बनाती थी। अपने लंबे करियर में आशा भोसले ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कीं।

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता रहा बेनतीजा

पाकिस्तान की मध्यस्थता से शांति समझौता कराने की कोशिशों के बीच अमेरिका और ईरान ने इस्लामाबाद में बातचीत की। अमेरिकी का प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व अमेरिका के उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने की , जबकि ईरानी वार्ताकारों की अगुवाई अगुआई ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ कर रहे हैं। दल में विदेश मंत्री अब्बास अराघची, भी हैं लेकिन यह वार्ता में सफलता मिलने की संभावना बहुत ही कम दिखाई दे रही है।

आज सारी दुनिया को मालूम है पाकिस्तान एक आतंकवादी देश है आज कल सारे न्यूज चैनल में अमेरिका ईरान युद्ध के 11अप्रैल 26 के शान्ति वार्ता पर ध्यान केंद्रीत है जो पाकिस्तान फुले नहीं समा रहा है और ऐ दिखाने की कोशिश की गईं है कि पाकिस्तान शान्ति का मैसेंजर है लेकिन हकीकत उल्टी है दरअसल पाकिस्तान हाल ही में अफगानिस्तान में हवाई हमले कर 400 से अधिक निर्दोष नागरिकों को मौत की नींद सुला दिया और इजराइल पर ऐ आरोप लगाना तर्कसंगत है कि बेरूत में बम बरसा रहा है निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहा है जबकी वहाँ हिजबुल्लाह एक आतंकी संघठन है लेबनान में हिजबुल्लाह के ठिकानों पर बुधवार को हुए इजरायली हमले में अब तक कम से कम 254 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं 1100 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं।जो मानता हूँ ठीक नहीं है लेकिन जब आंतकवादी को पनाह देने वाले और आतंकवादी गतिविधियों में हजारों की संख्या में खुद ही निर्दोष लोग जिसमें भारत भी है को धर्म के आधार पर मारते हैं तो क्या ऐ सही है यदि धर्म का आधार ही है तो अफगानिस्तान में क्यों निर्दोष लोगों को मारा गया ऐ सिर्फ और सिर्फ अपनी डफली अपना राग और अपने आतंकी छवि को एक सफेद झूठ की चादर से ढक रहें है पाकिस्तान और ईरान का सीमा विवाद कोई नया नहीं है 2 वर्ष पूर्व याद कीजियेगा 17 जनवरी 2024 को मंगलवार रात पाकिस्तान पर हुए ईरानी मिसाइल हमले में दो बच्चों की मौत और तीन अन्य के घायल होने के बाद पाकिस्तान और ईरान के राजनयिक संबंधों में दरार है। उस समय पाकिस्तान ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए तेहरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया था और इस्लामाबाद में मौजूद ईरान के दूत के पाकिस्तान लौटने पर रोक लगा दी। उस समय इस्लामाबाद ने ईरान पर पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने का आरोपलगाया, जबकि ईरान के सरकारी मीडिया ने कहा कि मिसाइलों ने जैश अल-अदल नामक सशस्त्र समूह के दो ठिकानों को निशाना बनाया था।उस समय एक बयान में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने कहा गया था , यह गैर-कानूनी हरकत पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसका कोई भी औचित्य नहीं है। इसमें चेतावनी दी गई, पाकिस्तान इस गैर-कानूनी हरकत का जवाब देने का अधिकार सुरक्षित रखता है। इसके परिणामों की पूरी ज़िम्मेदारी ईरान की होगी।अमेरिका भी कैसे पाकिस्तान के चंगुल में फंस गया ऐ भी उसकी वर्ड पावर की छवि को बहुत ही निचे बातचीत के टेबल तक ले गया ऐ उसके इतिहास में कभी नहीं हुआ की पाकिस्तान जैसे देश में जाकर शांति वार्ता के लिए म ?बूरी वश जाना पड़ा क्योंकि पहले जितने भी राष्ट्रपति हुए वो या तो वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर, हमले का बदला या ईरान पर हमला कर कभी पीछे नहीं मुड़ा जहाँ तक ईरान में युद्ध की बात है नाटो का कहना ऐ उसका निजी मामला है हमसे पूछ कर नहीं किया गया तो ईराक में जब सद्दाम हुसैन पर हमला किया गया तो किससे पूछ कर किया फिर भी वहाँ भी अमेरिका को क्या खतरा था ईरान से तो समझ में आता है कि अमेरिका को बाद में खतरा हो सकता था क्योंकि उसकी मिशायल की मारक क्षमता बाद में अमेरिका तक मार करने की क्षमता हासिल कर सकता था और जो अभी खाड़ी देशों में अमेरिका के बेस पर जिसतरह हमला हुआ वैसा पहले कभी नहीं हुआ ऐ अमेरिका को गहरा चोट पहुँचाया है और इसमें कहीं ना कहीं पाकिस्तान की भी मिली भगत हैं क्योंकि उसी के बॉडर से होकर ही हथियार गया है जो अमेरिका के लाख बम्ब्रबारी के बाद भी 100 वीं लहर तक कैसे गया इसलिए की इसमें चीन और रूस के साथ पाकिस्तान का भी हाथ होगा हथियार पहुंचाने में, जो खबर निकल कर सामने आई है इसलिए पाकिस्तान शान्ति वार्ता क्या कराएगा जो खुद ही आतंकवादी के सहारे दहशतगर्द को पनपा रहा है और भारत में मासूमों की हत्या करवाता है 26/11/08 को मुंबई में पाकिस्तान के आईएसआई ने ऐसी कत्लेआम का अंजाम दिया जिसमें सैकड़ो मासूमों की जान चंद आतंकवादी ने कत्लेआम किया वो भी धर्म के नाम पर, और हाल ही में पहलगांव में दर्जनों भारतीय पर्यटक की हत्या धर्म के नाम पर की, अत: एक कहावत है जो संत कबीर ने लिखी है =-बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, जो दिल खोजा आपना, मुझसे बुरा न कोय,संत कबीरदास जी का यह प्रसिद्ध दोहा आत्म-निरीक्षण (ह्यद्दह्यद्ध-ह्यद्दद्धह्यद्दष्ह्लद्धश्ठ्ठ) का संदेश देता है, जो सिखाता है कि दूसरों में दोष ढूंढने से पहले अपने भीतर झांकना चाहिए। भारत अगर ऑपरेशन सिंदूर कर पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर हमला नहीं करता तो कट्टरवादी आतंकी फिर कोई नया खेल करते और भारतीय मासूमों की जान जाती किसी भी धर्म में मानवता को ही सर्वोपरि माना गया है लेकिन धर्म की आड़ लेकर लोग इसका फायदा आतंक को पनपाने में करता है जो विश्व के लिए खतरा है अब ईरान भी उसी रास्ते पर चल पड़ा है क्योंकि जिस तरह खाड़ी देशों में उसके हमले में कई निर्दोष नागरिकों की मौत हुई है और जिस तरह हार्मोस को पूरी तरह बंद करके दूसरे देश के लिए क्यों बन्द किया जिसका इस युद्ध से कोई लेना देना नहीं है और उसने इसे सबसे बड़े हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। तेहरान ने छोटी नावों का इस्तेमाल करके हार्मोज में माइंस बिछा दी जिससे कोई भी जहाज इसका शिकार हो सकता है जिससे इस युद्ध में कोई लेना देना नहीं है कई जहाजो को वहाँ से गुजरने पर उड़ा भी दिया गया ऐ सब विश्व शांति के लिए खतरा है, और आतंकवादी देश आतंकी देश ही आपस में तालमेल बिठा लेते हैं और आतंकी को पनपाने में अमेरिका का ही हाथ रहा है क्योंकि यह बात खुद ट्रम्प ने ही पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा को ईरान में परमाणु समझौता किया जिससे वो आज परमाणु बम बनाने के तरफ कदम रखा, हुती हिजबुल्ला, हमास, मलेशिया ग्रुप ईरान के प्रॉक्सी ग्रुप हैं जो न सिर्फ इजराइल में बल्कि मिडिल ईस्ट में आतंकवादी गतिविधियों का अंजाम देते हैं ट्रम्प की हताशा यहाँ तक हो गईं थी की सभ्यता नष्ट की बात करते हैं और फिर शान्ति के मसीहा बन जाते हैं और ईरान में अपने पैर पसारने और सजाने संवारने की बात करते हैं वहाँ ईरान में कहाँ परिवर्तन हुआ आज भी खामनोई का फोटो और झंडा लहराते हुए लोग जश्न मानते नजर आ रहें हैं युद्ध विराम किया अच्छी बात है लेकिन पहले डराने धमकाने और खत्म करने का धमकी देने की जरुरत क्या थी ईरान ने अमेरिका को आर्थिक और सामरिक दृष्टिकोण से अपने मिशायल से काफी नुकसान पहुँचाया है और खाड़ी देश से अमेरिका के बेस को इस तरह बर्बाद किया है कि उन देशों पर अमेरिका का भरोसा उठ गया है और ऐ युद्ध इजराइल के लिए ?त्म नहीं हुआ है आज भी बेरूत में हिजबुल्ला पर अटैक कर ही रहा है। इसलिए ऐ सीजफायर ज्यादा दिन टिकने वाला नहीं है पाकिस्तान के इस्लामाबाद में शांति वार्ता मात्र एक दिखावा है क्योंकि ईरान का भरोसा खाड़ी में अपने परोसी देशों पर हमला करना और इजराइल ने साफ कहा है कि शांति वार्ता में ऐ युद्ध शामिल नहीं है और इजराइल का समर्थन ट्रम्प ने किया है तभी युद्ध हुआ और अब अमेरिका कुछ दिन युद्ध विराम कर इससे सबक लेते हुए आगे की सैन्य अभियान को दुरुस्त करने की है क्योंकि इसमें कई पेंच है जो इजराइल के पास येरुशेलम को लेकर एक धार्मिक स्थल है जो 2017 में डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बयान में साझा किया था कि यरूशलम न केवल तीन महान धर्मों का केंद्र है, बल्कि अब यह दुनिया के सबसे सफल लोकतंत्रों में से एक का भी केंद्र है। पिछले सात दशकों में, इज़राइल के लोगों ने एक ऐसा देश बनाया है जहाँ यहूदी, मुसलमान, ईसाई और सभी धर्मों के लोग अपनी अंतरात्मा और अपनी मान्यताओं के अनुसार रहने और पूजा-अर्चना करने के लिए स्वतंत्र हैं। यरूशलम आज भी एक ऐसा स्थान है— और हमेशा ऐसा ही रहना चाहिए—जहाँ यहूदी वेस्टर्न वॉल पर प्रार्थना करते हैं, जहाँ ईसाई स्टेशन्स ऑफ़ द क्रॉस पर चलते हैं, और जहाँ मुसलमान अल-अक्सा मस्जिद में इबादत करते हैं।जहाँ अमेरिका के रक्षा मंत्री हेगसेथ का कहना है कि यरूशलम का इतिहास क्रूसेड्स—मध्ययुग के उन क्रूर युद्धों—का बचाव करने का रहा है, जिनमें ईसाई और मुसलमान एक-दूसरे के खिलाफ लड़े थे। अपनी 2020 की किताब अमेरिकन क्रूसेड में, उन्होंने लिखा कि जो लोग पश्चिमी सभ्यता का आनंद लेते हैं, उन्हें किसी क्रूसेडर का शुक्रिया अदा करना चाहिए। उनके दो टैटू क्रूसेडर इमेजरी से सम्बंधित है = उनके अनुसार जेरूसलम क्रॉस और ड्यूस वुल्ट या भगवान की इच्छा वाक्यांश, है जिसे हेगसेथ ने जेरूसलम की ओर मार्च करते समय ईसाई शूरवीरों का रैली का नारा कहा है। अमेरिका में ईसाई धर्म के लोग 65 परसेंट है और यही चुनाव में जीत हार को तय करता है पिछले इतिहास को देखेंगे तो मालूम पड़ेगा ऐ असल में एक धर्म युद्ध है जिसमें कई सालों से युद्ध हुआ और खतनाक नतीजे सामने आए हैं। इसलिए भारत का इसमें कोई रोल है ही नहीं भारत में भगवान राम ने शान्ति का संदेश दिया और भारत में सनातन इसलिए गर्व से अपने भगवान राम के लिए मानवता का संदेश दुनिया को पहुंचाता रहा है इसलिए भारत विश्वगुरू है क्योंकि भारत में भगवान राम का आशीर्वाद है और जब भी कोई संकट आएगा तो संकटमोचन रामभक्त भगवान हनुमान उसे बचाने आएंगे।इसलिए मीडिया को ऐसी खबर दिखाने से बचना चाहिए जिसमें आतंकवादी को पालने वाला पाकिस्तान का गुणगान हो रहा हो और अपने देश की विदेश कूटनीति पर सवाल हो हमारा देश अंगजो के लाख कोशिश के बाद भी सबसे ज्यादा भगवान राम पर आस्था है यही प्रमाण है कि 1984 में जब रामानंद सागर की रामायण फिल्म आई तो बाहर सन्नाटा दिखाई देता और हर घर में रामायण का सीरियस हरेक घर में चलता था भगवान राम का मार्ग कठिनाई से भरा जरूर है लेकिन एक आदर्श इंसान बनने के लिए प्रेरणादायक है।

- संजय गोस्वामी

ईरान-अमेरिका-पाकिस्तान त्रिकोणीय कूटनीति

वैश्विक स्तरपर पश्चिम एशिया में हालिया 14 दिन के युद्धविराम के बाद दुनियाँ की नजरें अब पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद पर टिक गई हैं, जहां ईरान और अमेरिका के बीच 11 अप्रैल 2026 पर टिक गई है जहाँ उच्च स्तरीय वार्ता चल रही है। यह वार्ता केवल एक कूटनीतिक प्रक्रिया नहीं,बल्कि वैश्विक शक्ति- संतुलन,ऊर्जा सुरक्षा,क्षेत्रीय स्थिरता और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन चुकी है।खास बात यह है कि पाकिस्तान इस पूरी प्रक्रिया में एक मध्यस्थ और मेजबान की भूमिका निभा रहा है,जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक संकेत है। यह वार्ता फिलहाल द्विपक्षीय (बाइलेटरल) स्तरपर चल रही है,लेकिन संभावनाएं इस बात की हैं कि यह आगे चलकर त्रिपक्षीय (ट्राइलेटरल) रूप ले सकती है, जो वैश्विक कूटनीति में एक नया अध्याय जोड़ सकता है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस वार्ता की मेजबानी कर रहे शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख असीम मुनीर की उपस्थिति यह दर्शाती है कि पाकिस्तान इस अवसर को अपनी कूटनीतिक साख बढ़ाने के रूप में देख रहा है। विदेश मंत्री इशाक डार और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मोहम्मद असीम मलिक भी इस वार्ता में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। पाकिस्तान की कोशिश है कि वह खुद को एक जिम्मेदार मध्यस्थ के रूप में स्थापित करे,जैसा कि अतीत में कतर या नॉर्वे ने किया था,हालांकि यह भूमिका जोखिम से खाली नहीं है, क्योंकि किसी भी विफलता का असर उसकी अंतरराष्ट्रीय छवि पर पड़ सकता है।

साथियों बात अगर हम वार्ता का प्रारूप= बाइलेटरल से ट्राइलेटरल की ओर? इसको समझने की करें तो फिलहाल बातचीत अलग-अलग चैनलों के जरिए हो रही है, पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के साथ अलग-अलग संवाद कर रहा है।यह शटल डिप्लोमेसी का एक क्लासिक उदाहरण है।अगर दोनों पक्षों की प्रमुख मांगें पूरी हो जाती हैं, तो यह वार्ता त्रिपक्षीय रूप ले सकती है। लेकिन यह प्रक्रिया बेहद जटिल है, क्योंकि तीनों देशों के हित और प्राथमिकताएं अलग-अलग हैं।पाकिस्तान के लिए यह अवसर है,अमेरिका के लिए रणनीतिक संतुलन और ईरान के लिए अस्तित्व और सम्मान का सवाल।

साथियों बात अगर हम ईरान की प्रमुख मांगें= आर्थिक राहत और सुरक्षा गारंटी को समझने की करें तो ईरान की सबसे बड़ी मांग उसके फ्रीज किए गए एसेट्स को अनफ्रीज करना है। यह मुद्दा केवल आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक भी है। ईरान का मानना है कि उस पर लगाए गए प्रतिबंध अन्यायपूर्ण हैं और उन्हें हटाया जाना चाहिए। हालांकि, व्हाइट हाउस ने इस पर स्पष्ट संकेत दिया है कि फिलहाल ऐसा कोई निर्णय नहीं लिया गया है।इसके अलावा ईरान ने लेबनान में सीजफायर को भी वार्ता का हिस्सा बताया है, जो इस बात का संकेत है कि वह इस बातचीत को क्षेत्रीय संदर्भ में देख रहा है, न कि केवल द्विपक्षीय मुद्दे के रूप में हैं। ईरान इस वार्ता में पूरी तरह बिना भरोसे के प्रवेश कर रहा है। इसका कारण है अतीत में अमेरिका द्वारा किए गए वादों का टूटना,विशेषकर ईरान परमाणु समझौता 2015 से अमेरिका का बाहर निकलना। यह अविश्वास वार्ता को जटिल बनाता है, क्योंकि किसी भी समझौते के लिए विश्वास का होना अनिवार्य है। ईरान की शर्तें स्पष्ट हैं पूर्ण युद्धविराम,नुकसान की भरपाई और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही। यदि ये शर्तें पूरी नहीं होतीं, तो वार्ता के टूटने की संभावना बनी रहेगी। साथियों बात अगर हमअमेरिका का दृष्टिकोण= रणनीतिक नियंत्रण और संतुलन को समझने की करें तोअमेरिका की प्राथमिकता है कि ईरान एक क्षेत्रीय महाशक्ति के रूप में उभर न सके। इसके लिए वह आर्थिक प्रतिबंध, कूटनीतिक दबाव और सैन्य उपस्थिति का उपयोग करता रहा है। जेडी वेंस की इस्लामाबाद यात्रा और उनकी चेतावनी इस बात का संकेत है कि अमेरिका इस वार्ता को केवल शांति प्रक्रिया नहीं, बल्कि रणनीतिक उपकरण के रूप में देख रहा है। अमेरिका के लिए यह भी महत्वपूर्ण है कि इज़राइल की सुरक्षा सुनिश्चित रहे, जो उसका प्रमुख सहयोगी है। इस्लामाबाद में हो रही बातचीत से इज़राइल लेबनान संघर्ष= वार्ता पर संकट छाने की उम्मीद बढ़ गई है, इस पूरे परिदृश्य में इज़राइल और लेबनान के बीच जारी संघर्ष एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि लेबनान में हमले रुकने चाहिए, जबकि इज़राइल ने अपने ऑपरेशन जारी रखे हैं।इस संघर्ष में एक ही दिन में सैकड़ों लोगों की मौत की खबरें आई हैं, जो स्थिति की गंभीरता को दर्शाती हैं। यह संघर्ष न केवल मानवीय संकट पैदा कर रहा है, बल्कि शांति वार्ता को भी प्रभावित कर रहा है। साथियों बात अगर हम दिनांक 11 अप्रैल 2026 को इस्लामाबाद में ईरान-अमेरिका संभावित स्थाई शांति संबंधी हो रही बैठक की करें तो आगे की बातचीत के लिए ट्रंप ने सस्पेंस बरकरार रखा है,उन्होंने पिछली अमेरिकी सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे लोग 47 साल से सिर्फ बातें ही कर रहे थे,उन्होंने दो टूक लहजे में कहा कि कल की मीटिंग ही यह तय करेगी कि आगे क्या होगा. ट्रंप ने यह साफ नहीं किया कि यह आखिरी मुलाकात होगी या आगे भी दौर चलेगा, बस इतना कहा कि हमें देखना होगा कि कल क्या नतीजा निकलता है, इस्लामाबाद वार्ता से ठीक पहले ईरान के उपराष्ट्रपति ने अमेरिका को बेहद सख्त और सीधा संदेश भेजा है. ईरान ने साफ कर दिया है कि अगर वे अमेरिका फर्स्ट के प्रतिनिधियों से बात कर रहे हैं, तो एक ऐसी डील मुमकिन है जो दोनों देशों और दुनियाँ के लिए फायदेमंद हो लेकिन,अगर अमेरिका इजरायल फर्स्ट की सोच के साथ मेज पर आता है,तो कोई समझौता नहीं होगा. ईरान ने चेतावनी दी है कि ऐसी स्थिति में वे पहले से कहीं ज्यादा मजबूती के साथ अपनी रक्षा जारी रखेंगे,जिसका खामियाजा पूरी दुनियाँ को भुगतना होगा पूरा विश्व उम्मीद कर रहा है कि इस्लामाबाद में हो रही ईरान अमेरिका की बैठक सफल हो ताकि पूरे विश्व के शेयर बाजारों और नागरिकों को वित्तीय क्राइसिस से सटिका से बचाए जा सके।

साथियों बात अगर हम आने वाले 14 दिन और इस्लामाबाद में 11 अप्रैल 2026 को हुई बैठक=निर्णायक मोड़ साबित होगी इसको समझनें की करें तो,सीज़फायर केवल 14 दिनों का है,और यही अवधि वैश्विक बाजारों की दिशा तय करेगी।(1)संभावित परिदृश्य=(अ)यदि शांति बनी रहती है,तेल कीमतें स्थिर रहेंगी,बाजार में और तेजी आएगी(ब)यदि तनाव फिर बढ़ता है= तेल कीमतों में उछाल, बाजार में गिरावट (2)मध्य मार्ग= अस्थिरता बनी रहेगी, निवेशक सतर्क रहेंगे,इसलिए संभवत: अनिश्चितता के बीच अवसर अप्रैल 2026 का यह सप्ताह यह दर्शाता है कि वैश्विक बाजार कितने संवेदनशील और गतिशील हैं। ईरान-अमेरिका सीज़फायर ने यह साबित किया कि एक सकारात्मक भू- राजनीतिक घटनाक्रम किस प्रकार पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकता है।भारत के संदर्भ में, यह सप्ताह एक सकारात्मक संकेत लेकर आया है मजबूत घरेलू मांग, निवेशकों का बढ़ता विश्वास, और वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद स्थिरता की ओर बढ़ता बाजार।हालांकि, अनिश्चितता अभी भी बनी हुई है। आने वाले 14 दिन न केवल पश्चिम एशिया की राजनीति, बल्कि वैश्विक आर्थिक दिशा भी तय करेंगे। साथियों बातें कर हम ऊर्जा संकट और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर को समझने की करें तो स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज में शिपिंग बाधित होने से वैश्विक तेल आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह मार्ग दुनियाँ के लगभग 20 प्रतिशत तेल व्यापार का केंद्र है। इसके बंद होने या बाधित होने से तेल की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव आया है। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कीमतों में वृद्धि ने आम जनता और उद्योगों दोनों को प्रभावित किया है। जापान द्वारा अतिरिक्त तेल रिलीज करना इस संकट की गंभीरता को दर्शाता है।इस वार्ता का असर केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है। रूस को तेल बाजार में छूट मिलने की संभावना, डोनाल्ड ट्रंप के बयान और इमैनुएल मैक्रों द्वारा जी 7 चर्चा का प्रस्ताव ये सभी संकेत हैं कि यह मुद्दा वैश्विक राजनीति के केंद्र में है।यह वार्ता एक ग्लोबल रीसेट' की संभावना भी पैदा कर सकती है,जहां नई शक्ति संरचनाएं स्पष्ट रूप से उभर सकती हैं। साथियों बात अगर हम ईरान का सख्त संदेश=अमेरिका फर्स्ट बनाम इज़राइल फर्स्ट इसको समझने की करें तो ईरान के उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने स्पष्ट किया है कि अगर अमेरिका अमेरिका फर्स्ट दृष्टिकोण से आता है, तो समझौता संभव है, लेकिन इज़राइल फर्स्ट नीति के साथ कोई डील नहीं होगी। यह बयान इस बात का संकेत है कि ईरान अपनी संप्रभुता और रणनीतिक स्वतंत्रता से समझौता नहीं करेगा ईरान के लिए हिज़्बुल्लाह हमास और हूती जैसे सहयोगी केवल सैन्य साधन नहीं,बल्कि उसकी क्षेत्रीय नीति का हिस्सा हैं।यदि वह इनका समर्थन छोड़ता है,तो उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठेगा। वहीं इज़राइल के लिए यह अस्तित्व का प्रश्न है। यही वह 'डेडलॉक' है जो वार्ता को जटिल बनाता है।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शांति, रणनीति और अनिश्चित भविष्य इस्लामाबाद में चल रही यह वार्ता एक ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ी है। यह शांति की दिशा में एक बड़ा कदम भी हो सकती है और केवल एक रणनीतिक विराम भी। पाकिस्तान की मध्यस्थता, ईरान की शर्तें, अमेरिका की रणनीति और इज़राइल का रुख इन सभी के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है। आने वाले दिनों में यह स्पष्ट होगा कि यह वार्ता स्थायी शांति का मार्ग प्रशस्त करती है या केवल एक अस्थायी राहत बनकर रह जाती है।यह कहना गलत नहीं होगा कि यह केवल तीन देशों की बातचीत नहीं, बल्कि 21वीं सदी के वैश्विक शक्ति-संतुलन की परीक्षा है, जहां हर निर्णय का असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

(13 अप्रैल जलियांवाला बाग हत्याकांड स्मृति दिवस)

जलियांवाला बाग- आजादी की वो कीमत, जिसे हिंदुस्तान कभी नहीं भूलेगा

-दिलीप कुमार पाठक

इतिहास के पन्नों में कुछ तारीखें ऐसी होती हैं जो स्याही से नहीं, बल्कि इंसानी लहू से लिखी जाती हैं। 13 अप्रैल 1919 की वह मनहूस शाम भी एक ऐसी ही तारीख थी, जिसने न केवल पंजाब की मिट्टी को लाल किया, बल्कि सोए हुए समूचे हिंदुस्तान की सोई हुई आत्मा को भी झकझोर कर रख दिया। अमृतसर का वह छोटा सा मैदान, जिसे दुनिया आज जलियांवाला बाग के नाम से जानती है, महज ईंट-पत्थरों का बना कोई स्मारक नहीं है। वह गवाह है उस अमानवीय बर्बरता का जिसे सुनकर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं, और वह प्रतीक है उस अटूट हौसले का जिसने दुनिया के सबसे बड़े ब्रिटिश साम्राज्य के पतन की नींव रख दी थी। बैसाखी का पावन दिन था। पंजाब के गाँवों और शहरों में उत्सव का माहौल होना चाहिए था। लोग नए कपड़े पहनकर मेलों की ओर बढ़ रहे थे, लेकिन अमृतसर की हवाओं में एक अजीब सी बेचैनी घुली हुई थी। पूरा देश रोलेट एक्ट जैसे काले कानून के खिलाफ गुस्से में उबल रहा था, जिसने बिना दलील और बिना वकील के किसी को भी जेल भेजने की ताकत अंग्रेजों को दे दी थी। इसी अन्याय के खिलाफ अपनी शांतिपूर्ण आवाज दर्ज कराने के लिए शाम के वक्त करीब बीस हज़ार लोग उस बाग में इकट्ठा हुए थे। उस विशाल भीड़ में मासूम बच्चे थे, अपने परिवारों के साथ आई महिलाएँ थीं और वे बुजुर्ग भी थे जो अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में माथा टेकने के बाद सुस्ताने के लिए वहाँ रुके थे।

किसी को भी इस बात का रत्ती भर भी अंदाजा नहीं था कि अगले कुछ मिनट उनकी ज़िंदगी के आखिरी पल साबित होने वाले हैं। शाम

के करीब सवा पांच बज रहे थे, जब अचानक जनरल रेजिनल्ड डायर अपने नब्बे सशस्त्र सैनिकों के साथ उस बेहद संकरे रास्ते से दाखिल हुआ, जो बाग के अंदर आने और बाहर जाने का एकमात्र मार्ग था। उसने न तो भीड़ को तितर-बितर होने की कोई चेतावनी दी और न ही शांति की कोई अपील की। उसने बस पत्थर दिल होकर एक क्रूर आदेश दिया—फायर! अगले दस मिनट तक जो मंजर वहाँ दिखा, वह मानवता के इतिहास पर सबसे गहरा और बदनुमा कलंक था। सैनिकों की रायफलें तब तक आग उगलती रहीं जब तक कि उनकी आखिरी गोली खत्म नहीं हो गई। बाग की दीवारें सात-आठ फीट ऊँची थीं और एकमात्र निकास द्वार पर मौत का पहरा था। लोग बदहवास होकर अपनी जान बचाने के लिए उन दीवारों पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन डायर के सिपाही जानबूझकर उन्हीं को निशाना बना रहे थे। चीख-पुकार, धुएँ और मलबे के बीच, अपनी जान बचाने की जद्दोजहद में सैकड़ों लोगों ने उस पुराने कुएं में छलांग लगा दी, जिसे आज हम श्रद्धा से शहीदी कुआं कहते हैं। देखते ही देखते वह कुआं लाशों से पट गया। सरकारी रिकॉर्ड्स भले ही मरने वालों की संख्या 379 बताते हों, लेकिन हकीकत यह थी कि उस शाम हज़ारों घरों के चिराग हमेशा के लिए बुझ गए थे।

इस जघन्य हत्याकांड ने पूरी दुनिया की अंतरात्मा को हिलाकर रख दिया। यह वह ऐतिहासिक मोड़ था जहाँ से अंग्रेजों की भारत से विदाई की उल्टी गिनती शुरू हुई। इस घटना के विरोध में गुरुदेव रबींद्रनाथ टैगोर ने अपनी नाइटहुड की उपाधि त्याग दी और महात्मा गांधी का वह विश्वास पूरी तरह टूट गया जो वे कभी अंग्रेजी न्याय प्रणाली में रखते थे। जलियांवाला बाग के इसी खूनी मंजर ने एक 15 साल के किशोर ऊधम सिंह के भीतर प्रतिशोध का ऐसा लावा भरा कि उन्होंने 21 साल तक इस अपमान की आग को अपने सीने में जलाए रखा। अंतत: साल 1940 में लंदन के कैक्सटन हॉल में जाकर उन्होंने जनरल ओडायर को मौत के घाट उतारा और दुनिया को बताया कि हिंदुस्तान अपने शहीदों का अपमान कभी नहीं भूलता।

यह जलियांवाला बाग ही था जिसने भगत सिंह जैसे अनगिनत क्रांतिकारियों के दिलों में आजादी का बीज बोया। कहते हैं कि भगत सिंह इस घटना के बाद कई मील पैदल चलकर यहाँ आए थे और इस बाग की खूनी मिट्टी को एक बोतल में भरकर ले गए थे, ताकि वह उन्हें हर पल गुलामी की बेढ़ियों को तोड़ने की याद दिलाती रहे। आज, जब हम आजादी की खुली हवा में गर्व से सांस लेते हैं, तो हमें उन दीवारों की ओर एक बार जरूर देखना चाहिए जो आज भी गोलियों के निशानों को अपनी छाती पर लिए खड़ी हैं। वे निशान आज भी हमसे यह सवाल करते हैं कि जिस अखंड और मजबूत भारत के लिए उन्होंने अपना सीना छलनी करवाया था, क्या हम आज उस विरासत को संभाल पा रहे हैं? 13 अप्रैल का यह दिन केवल इतिहास को दोहराने या शोक मनाने का नहीं है, बल्कि यह खुद के भीतर झाँकने और अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियों को समझने का दिन है। उन शहीदों के प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि यही होगी कि हम देश की एकता और अखंडता को किसी भी संकीर्ण सोच की भेंट न चढ़ने दें। जलियांवाला बाग की मिट्टी आज भी पवित्र है क्योंकि उसमें हमारे पुरखों का पसीना और लहू एक साथ मिला हुआ है। हमें यह हमेशा याद रखना होगा कि जिस आजादी का उत्सव हम मनाते हैं, उसकी जड़ें उसी बाग की नम और खूनी मिट्टी में कहीं गहरी धँसी हुई हैं। हिंदुस्तान उस महान बलिदान को कभी नहीं भूल सकता, और एक सजग नागरिक के तौर पर हमें भी इसे कभी विस्मृत नहीं होने देना चाहिए।

तिमाही नतीजे, महंगाई के आंकड़े और लाभांश घोषणाओं से बाजार की दिशा तय होगी

मुंबई। एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच अस्थायी युद्ध विराम और शांति वार्ता की उम्मीदों से पिछले सप्ताह मजबूत तेजी दिखाने के बाद भारतीय शेयर बाजार अब एक बेहद अहम सप्ताह में प्रवेश कर रहा है। 12 से 17 अप्रैल के बीच निवेशकों की नजर वैश्विक घटनाक्रम के साथ-साथ घरेलू आर्थिक आंकड़ों, कंपनियों के तिमाही नतीजों और लाभांश घोषणाओं पर रहेगी। यह सप्ताह बाजार के लिए निर्णायक माना जा रहा है, क्योंकि बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियां अपने परिणाम जारी करने वाली हैं। इस सप्ताह 25 से अधिक कंपनियां अपने चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 2026 के नतीजे घोषित करेंगी। इसके साथ ही 8 से अधिक कंपनियों के बोर्ड अंतरिम और अंतिम लाभांश पर भी निर्णय लेंगे। बाजार की सबसे ज्यादा नजर बैंकिंग और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र पर रहेगी। एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो

और यश बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के नतीजे बाजार की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएंगे। वहीं क्रिसिल और जस्ट डायल के परिणाम भी निवेशकों की नजर में रहेंगे। 13 अप्रैल को आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट और जस्ट डायल अपने नतीजे जारी करेंगे, जबकि 14 अप्रैल को आनंद राठी शेयर एंड स्टॉक ब्रोकर्स और नुवोको विस्टास कॉर्पोरेशन जैसे कंपनियों के परिणाम आएंगे। 15 अप्रैल को आईसीआईसीआई लोम्बार्ड और एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज के नतीजे घोषित होंगे। 16 अप्रैल को विप्रो अपने चौथी तिमाही के परिणाम जारी करेगी और साथ ही शेयर पुनर्खरीद पर भी विचार कर सकती है, जिससे सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में हलचल संभव है। लाभांश से जुड़ी गतिविधियों में मुथुट फायनेंस प्रमुख है, जिसने 30 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है। 17 अप्रैल को यह एक्स-लाभांश ट्रेड करेगी।

डीजल और एटीएफ पर एक्सपोर्ट ड्यूटी में भारी बढ़ोतरी, पेट्रोल को राहत

नई दिल्ली। एजेंसी। केंद्र सरकार ने वैश्विक तेल बाजार में बढ़ती अनिश्चितता के बीच बड़ा कदम उठाते हुए डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर निर्यात शुल्क में भारी बढ़ोतरी कर दी है।

हालांकि पेट्रोल के निर्यात पर कोई बदलाव नहीं किया गया है। केंद्र सरकार ने डीजल और एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) के निर्यात पर एक्सपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, डीजल पर निर्यात शुल्क 21.5 रुपये प्रति लीटर से बढ़ाकर 55.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। वहीं एटीएफ पर ड्यूटी 29.5 रुपये से बढ़ाकर 42 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। पेट्रोल के निर्यात पर फिलहाल कोई शुल्क नहीं लगाया गया है। यह नया नियम 11 अप्रैल से तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है। सरकार ने इस फैसले को सेंट्रल एक्साइज एक्ट 1944 और फाइनेंस एक्ट के तहत लिया है। नोटिफिकेशन में कहा गया है कि मौजूदा हालात में तुरंत हस्तक्षेप जरूरी था। दरअसल, पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के चलते वैश्विक कच्चे तेल के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। ब्रेंट क्रूड की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है। अमेरिका, इजरायल और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक तनाव के कारण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के आसपास सप्लाई प्रभावित होने की आशंका बनी हुई है।

यूपीआई पर चार्ज लगा तो 75 फीसदी यूजर्स छोड़ने को तैयार- सर्वे

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत में डिजिटल पेमेंट का सबसे बड़ा जरिया बन चुके यूपीआई को लेकर बड़ा संकेत मिला है। ज्यादातर यूजर्स इसे मुफ्त रखना चाहते हैं और किसी भी तरह का चार्ज लागू होने पर इसका इस्तेमाल बंद करने की चेतावनी दे रहे हैं। भारत में यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) की लोकप्रियता के बीच एक बड़ा उपभोक्ता रुझान सामने आया है। एक सर्वे के मुताबिक करीब 75 प्रतिशत यूजर्स यूपीआई पर किसी भी तरह का चार्ज लगाने के खिलाफ हैं। इतना ही नहीं, तीन में से दो लोगों ने साफ कहा कि अगर ट्रांजेक्शन पर शुल्क लगाया गया तो वे इसका इस्तेमाल छोड़ देंगे। यह सर्वे देश के 376 जिलों में 39,000 से अधिक लोगों की राय पर आधारित है, जिसे यूपीआई चार्जिंग पर अब तक का सबसे बड़ा कंज्यूमर ओपिनियन सर्वे माना जा रहा है। केवल 25 प्रतिशत यूजर्स ही ऐसे हैं जो किसी प्रकार का शुल्क देने को तैयार हैं, लेकिन उनके बीच भी फिक्स्ड फीस, प्रतिशत आधारित या मिश्रित मॉडल को लेकर एकमत नहीं है। यूपीआई की बढ़ती पहुंच का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वित्त वर्ष 2026 में 240 अरब से अधिक ट्रांजेक्शन इसके जरिए हुए, जिनकी कुल वैल्यू 314 ट्रिलियन रुपये से ज्यादा रही। हालांकि, इतने बड़े स्तर के बावजूद बैंक और पेमेंट कंपनियां इससे मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। बैंकों का कहना है कि यूपीआई पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट न होने के कारण उन्हें केवल लागत उठानी पड़ रही है। ऐसे में बढ़ते इंफ्रास्ट्रक्चर खर्च के चलते सिस्टम पर दबाव बढ़ता जा रहा है। सर्वे में यह भी सामने आया कि 57 प्रतिशत यूजर्स को बीते एक साल में कम से कम एक बार दुकानदारों द्वारा यूपीआई पेमेंट लेने से मना किया गया। विशेषज्ञों का मानना है कि मुफ्त मॉडल और बढ़ती लागत के बीच संतुलन बनाना अब सबसे बड़ी चुनौती बन गया है।

पश्चिम एशिया तनाव के बीच तेल-तिलहन बाजार में गिरावट, अधिकांश भाव कमजोर

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और वैश्विक बाजारों में उतार-चढ़ाव का असर भारतीय तेल-तिलहन बाजार पर साफ दिखाई दिया। बीते सप्ताह घरेलू बाजार में अधिकांश प्रमुख तेलों और तिलहनों के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। विदेशी बाजारों में कमजोरी और मांग में सुस्ती ने भी कीमतों को नीचे धकेला। हालांकि कुछ उत्पादों की आवक सीमित रहने से गिरावट अपेक्षाकृत नियंत्रित रही। कुल मिलाकर बाजार में अस्थिरता का माहौल बना रहा। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजार में सरसों, सोयाबीन, मूंगफली तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ), पामोलीन और बिनौला तेल के भाव गिरावट के साथ बंद हुए। केवल सोयाबीन दाना स्थिर रहा। बाजार सूत्रों के अनुसार, पश्चिम एशिया में तनाव के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार कमजोर रहे, जिसका सीधा असर घरेलू कारोबार पर पड़ा। सरसों की अच्छी पैदावार के बावजूद कीमतों में भारी गिरावट नहीं आई, क्योंकि किसान धीरे-धीरे माल बेच रहे हैं। सोयाबीन की आवक कम रही, लेकिन वैश्विक दबाव से कीमतें कमजोर रहीं। आयातित तेलों की तुलना में सरसों तेल अब भी 18-20 रुपये प्रति किलो सस्ता है। मूंगफली और बिनौला तेल भी कमजोर मांग और विदेशी बाजारों की गिरावट के चलते नीचे आए। विशेषज्ञों ने बाजार और नीतियों में स्थिरता की आवश्यकता बताई है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,900-6,925 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 225 रुपये की गिरावट के साथ 14,500 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,415-2,515 रुपये और 2,415-2,560 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना स्थिर रहा जबकि सोयाबीन लूज का थोक भाव 25 रुपये की गिरावट के साथ 5,450-5,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 425 रुपये की गिरावट के साथ 16,400 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 275 रुपये की गिरावट के साथ 15,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 13,300 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। मूंगफली तिलहन का दाम 250 रुपये की गिरावट के साथ 7,050-7,525 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 650 रुपये की गिरावट के साथ 17,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 2,685-2,985 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 375 रुपये की गिरावट के साथ 13,350 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 275 रुपये टूटकर 15,400 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 425 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के अनुरूप, बिनौला तेल का दाम 350 रुपये के नुकसान के साथ 15,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

पश्चिम एशिया में 'युद्धविराम' से लग्जरी कार बाजार में तेजी की उम्मीद

नई दिल्ली। एजेंसी। पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद घोषित युद्धविराम से भारत के लग्जरी कार बाजार में सकारात्मक माहौल बनने की उम्मीद बढ़ गई है। उद्योग से जुड़े शीर्ष अधिकारियों का मानना है कि इससे उपभोक्ता धारणा में सुधार होगा और महंगी कारों की बिक्री फिर रफ्तार पकड़ सकती है। देश में बीएमडब्ल्यू ग्रुप, मर्सिडिज बेंज और आडी जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि युद्धविराम के बाद बाजार में अनिश्चितता कम होगी और ग्राहक फिर से शोरूम की ओर लौट सकते हैं। उन्होंने कहा कि युद्धविराम समय पर हुआ है और यह ग्राहकों के निर्णय के लिए बेहद महत्वपूर्ण था। उन्होंने बताया कि कई ग्राहकों ने पहली तिमाही में खरीद टाल दी थी, लेकिन स्थिति सुधरने पर वे वापस खरीदारी कर सकते हैं। मार्च में कंपनी को अब तक के सबसे मजबूत ऑर्डर मिले थे, लेकिन कई डिलीवरी आगे बढ़ा दी गई हैं, रद्द नहीं की गई हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि अप्रैल और आने वाले महीने बेहतर रहेंगे। बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि युद्धविराम से अनिश्चितता कम होगी और उपभोक्ताओं में खर्च करने की इच्छा बढ़ेगी। उनके अनुसार, कई ग्राहक व्यवसाय से जुड़े हैं और वैश्विक घटनाओं का सीधा असर उनकी निर्णय क्षमता पर पड़ता है। अधिकारियों ने यह भी बताया कि भू-राजनीतिक तनाव के दौरान कलपुर्जों और किट की आपूर्ति प्रभावित हुई थी, लेकिन कंपनियों ने पहले से बफर स्टॉक तैयार कर रखा था।

टीसीएस की भर्ती योजना- 2026-27 में 25,000 फ्रेशर्स को नौकरी देने की घोषणा

मुंबई। एजेंसी। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए 25,000 नए स्नातकों को नौकरी देने की घोषणा की है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि आगे की भर्ती वैश्विक बाजार की मांग पर निर्भर करेगी। टीसीएस के एक मुख्य कार्यकारी ने साक्षात्कार में बताया कि कंपनी लगातार बड़े पैमाने पर फ्रेशर्स की भर्ती कर रही है, लेकिन भविष्य की रणनीति पूरी तरह बिजनेस डिमांड पर आधारित होगी। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी ने लगभग 44,000 फ्रेशर्स को नौकरी दी थी, जो हाल के वर्षों में सबसे अधिक है। पिछले तीन वर्षों से टीसीएस हर साल 40,000 से अधिक नए कर्मचारियों की भर्ती करती आ रही है। हालांकि, 2026-27 के लिए यह संख्या घटकर 25,000 निर्धारित की गई है, लेकिन जरूरत पड़ने पर इसे बढ़ाया जा सकता है। कंपनी ने यह भी स्पष्ट किया कि फिलहाल अनुभवी कर्मचारियों की भर्ती बढ़ाने की कोई योजना नहीं है। नए फ्रेशर्स को प्रोजेक्ट्स में शामिल करने से पहले लगभग नौ महीने का प्रशिक्षण दिया जाता है, जबकि अनुभवी कर्मचारी तुरंत कार्य शुरू कर सकते हैं। हाल ही में लगभग 12,000 कर्मचारियों की छंटनी को लेकर उठे सवालों पर कंपनी ने कहा कि इसका आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से सीधा संबंध नहीं है, बल्कि प्रोजेक्ट डिलीवरी मॉडल में बदलाव इसका कारण रहा है।

मेष- आज का दिन आपके लिए बहुत ही सकारात्मक और मंगलमय रहेगा। आपके अच्छे कामों और ईमानदारी से आपकी पहचान और सम्मान बढ़ेगा। यदि आपको कोई शारीरिक समस्या परेशान कर रही थी, तो उसमें भी सुधार के संकेत दिखाई देंगे। परिवार के सदस्य आपके कामों में आपका पूरा साथ देंगे, जिससे मन को बहुत खुशी मिलेगी। प्रेम जीवन में रहने वाले लोग साथी के साथ घूमने-फिरने या छोटी यात्रा की योजना बना सकते हैं।

वृषभ- आज का दिन तरक्की और उन्नति की राह पर आपके लिए अनुकूल रहेगा। राजनीति या पेशेवर क्षेत्र में कार्यरत लोग नए संपर्कों से लाभ पा सकते हैं। परिवार के सदस्यों के साथ कुछ समय व्यतीत करने से पुराने पारिवारिक कलह या असहमति को दूर करने का अवसर मिलेगा। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना बेहतर रहेगा। विद्यार्थी शिक्षा में अच्छा प्रदर्शन करेंगे और कोई मनपसंद इच्छा पूरी होने से खुशी का अनुभव करेंगे।

मिथुन- आज का दिन आपके लिए थोड़ी उलझन भरा और व्यस्त रहेगा। काम का बोझ और इधर-उधर का आना-जाना लगेगा, लेकिन खर्च भी कुछ अधिक रहेंगे। प्रेम जीवन में साथी के लिए कोई सरप्राइज या उपहार लाने का मौका बन सकता है। व्यावसायिक या निवेश संबंधी फैसलों में थोड़ी सावधानी बरतें और योजना बनाकर आगे बढ़ें। जरूरतमंद व्यक्ति की मदद करना आपके सामाजिक सम्मान और छवि को और निखारेगा। सामाजिक कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी से आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

कर्क- आज का दिन पद और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला रहेगा। कार्य क्षेत्र में मनपसंद काम मिलने के योग हैं, जो आपको संतोष और खुशी देंगे। जीवनसाथी के साथ तालमेल बनाए रखें, ताकि वैवाहिक जीवन में संतुलन बना रहे। विद्यार्थी विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के अवसर पा सकते हैं। माता-पिता की सेहत पर थोड़ा एतियात रखें। यदि घूमने-फिरने का कोई प्लान बनाएं, तो अपने कीमती सामानों की सुरक्षा का ध्यान रखें।

सिंह- आज का दिन लाभ और बुद्धिमानी के प्रयोग का रहेगा। किसी अन्य के मामलों में बेवजह बोलने से बचें और अपनी वाणी को सौम्य रखें। ससुराल पक्ष का कोई व्यक्ति आपसे मिलने आ सकता है। छोटे बच्चों की फरमाइश को पूरा करेंगे, जिससे घर का माहौल सुखमय बनेगा। आय में वृद्धि होगी और आप अपनी बुद्धि और विवेक से फैसले लेकर सबको चौंका सकते हैं। नए अवसरों की पहचान आपके लिए लाभकारी रहेगी।

कन्या- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। धार्मिक आयोजन में भाग लेने का अवसर मिलेगा, जो आपके मन को शांति देगा। आसपास रहने वाले लोगों की पहचान रखें, क्योंकि कुछ मित्र शत्रु भी बन सकते हैं। जिम्मेदारियों में लापरवाही न करें। दूर रहने वाले परिजन से खुशखबरी मिलने की संभावना है। घर में अतिथि आगमन से माहौल खुशनुमा और जीवन में आनंद का अनुभव होगा।

तुला- आज का दिन सोच-समझकर निर्णय लेने का है। राजनीति या पेशेवर क्षेत्र में बड़े पद की प्राप्ति का मौका मिलेगा, लेकिन काम का दबाव भी अधिक रहेगा। आय बढ़ाने का अवसर हाथ से जाने न दें और जरूरतमंद की मदद भी करें। परिवार में किसी सदस्य को नौकरी या शिक्षा को लेकर बाहर से बुलावा आ सकता है। मेहनत का फल आपको निश्चित रूप से मिलेगा, पर सेहत का ध्यान भी जरूरी रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन योजनाबद्ध तरीके से काम करने का है। जोश से ज्यादा होश में रहें। खर्चों को लेकर योजना बनाएं, नहीं तो अनावश्यक धन व्यय हो सकता है। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला तनाव दे सकता है। कारोबार में परिवर्तन आपके लिए लाभकारी रहेगा। पुराने मित्र के लिए आर्थिक मदद करना आपको संतोष देगा और संबंध मजबूत करेगा।

धनु- आज कार्यभार अधिक रहेगा, लेकिन कई काम एक साथ आने से व्यस्तता बढ़ेगी। ससुराल पक्ष से धन लाभ की संभावना है। सांस्कृतिक सुख साधनों में वृद्धि होगी। लंबित सरकारी या व्यावसायिक कार्यों को पूरा करने का समय मिलेगा। बॉस की कोई बुरी बात आपको परेशान कर सकती है, पर आप शांत रहकर परिस्थितियों का सामना करेंगे।

मकर- आज कोई मनोकामना पूरी होने की संभावना है। घूमने-फिरने का अवसर मिलेगा और सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है। संतान की किसी गलती पर तुरंत हां न कहें, नहीं तो बाद में पछतावा हो सकता है। विद्यार्थी पढ़ाई में मन लगाएं और पिताजी की सेहत पर ध्यान दें। सामाजिक कार्यक्रमों में मान-सम्मान मिलेगा।

कुंभ- आज जोखिम भरे काम से दूर रहें। यात्रा पर जाना पड़ सकता है। डूबा हुआ धन मिलने की संभावना है। बुद्धि का प्रयोग करके नुकसान से बचें। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव से माहौल खुशनुमा रहेगा। मतभेद से दूर रहें और किसी जोखिम भरे काम में हाथ न डालें।

मीन- आज का दिन चिंताग्रस्त और सतर्क रहने वाला है। मौसम का विपरीत प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। आर्थिक लेन-देन सोच-समझकर करें। जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। पुराने मित्र से लंबी मुलाकात होगी। खान-पान पर ध्यान दें और संतान पढ़ाई के लिए कहीं बाहर जा सकती है। अपने कामों में योजना बनाकर चलना जरूरी रहेगा।

शब्दजाल- 8227

ऐ	म	मा	अ	शो	का	म	न	ह	क	रा
हा	त	सू	ह	री	ल	जी	स	ल	का	ज
चु	वी	रा	द	अं	फ्यु	त	र	म	ल	टी.
प	र	दा	ज	ल	क	जी	ओ	मु	व	त
चु	अ	न	ष	ल	म	मी	छ	झे	सी	ला
प	मी	ज	स	जि	स्वा	क	प	कु	गु	श
के	ह	बु	न	टी	म	मी	टे	छ	हा	ण
न	पू	सु	पा	बी	पं.	सौ	ल	क	ना	स
मों	रे	क	सू	ह	ग	ने	ने	हा	न	त
आ	प	बे	व	फा	दी	र	ह	ना	क	थ
दो	स्ती	न	प	द	न	इ	ह	है	ह	धी

शब्दजाल में करीना कपूर की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

ऐतराज, अशोका, चुप चुप के, दोस्ती, बेवफा, तलाश, अजनबी, मुझे कुछ कहना है, रीफ्युजी, ओमकारा.

शब्दजाल - 8226 का हल

अ	व	र	नो	ए	ब्री	स	प	ला	नी	का
धु	है	क	ज	इं	ड्रे	ने	ह	इं	म	ल
म	क्या	दि	ल	ने	क	हा	ड	सा	प	नि
हु	रा	ल	मा	ज	ल	स	रा	न	इ	ही
को	ई	मे	रे	दि	ल	से	पु	छे	क	नि
द	जे	कि	र	क	पा	का	म	न	रि	या
शी	मा	दे	प्या	व	था	य	अ	म	क	ती
द	दे	श	रे	न	प	य	यु	घु	व	ला
स	दि	ल	मो	ले	दा	र	जा	वा	वी	दे
क्षि	ज	ति	ह	हि	द	ह	मा	द	ल	र
त	र	सु	न	मा	स्व	रा	ज	त	र	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7171

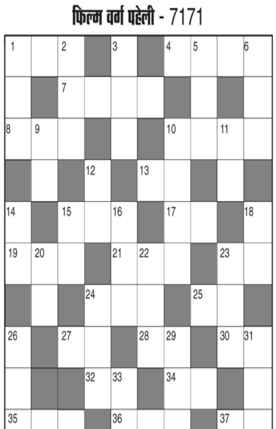

बायें से दायें:-

१. अशोककुमार, नूतन, धर्मेन्द्र की 'ओ जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
४. गोविंदा, शिल्पा शेट्टी की 'स्पॉप दैट मेरी मर्जी' गीत वाली फिल्म-४
७. 'आज गालो मुस्कुरालो' गीत वाली राजेंद्र, धर्मेन्द्र, माला की फिल्म-३
८. फिल्म 'कभी कभीण' में ऋषिकपूर के साथ किस की जोड़ी थी-३
१०. १९७१ में आई अमिताभ, योगिता बाली का एक फिल्म-४
१३. 'कभी शाम ढले' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी देओल, करिश्मा की फिल्म-३
१७. 'शादी के लिये रजामंद' गीत वाली फिल्म-२
१९. सैफ अली, काजोल की फिल्म-३
२१. अनिलधवन, नीतू सिंह की 'तेरी गलियों में ना' गीतवाली फिल्म-३
२३. 'तु मेरे पास भी है' गीत वाली फिल्म-२
२४. राजेंद्रकुमार, साधना की फिल्म-३
२५. अनिलकपूर, माधुरी की 'खत लिखना है' गीतवाली फिल्म-२
२७. राजीव, डिम्पल की फिल्म-२
२८. संजयदत्त, अभिषेक, जायेद, एशा, राइमा, शिल्पा की फिल्म-२
३०. 'तसवीर तेरी दिल में' गीत वाली देवआनंद, माला सिन्हा की फिल्म-२
३२. फिल्म 'हम तो मुहब्बत करेगा' में बॉबी देओल के किरदार का नाम-२
३४. 'देखें भी तो क्या' गीत वाली फिल्म-२
३५. 'चुराओ ना दिल' गीत वाली फिल्म-३
३६. दिलीपकुमार, वैजयंतीमाला की 'तेरे हुस्न की क्या' गीत वाली फिल्म-३
३७. फिल्म 'अलग-अलग' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तेरे नैना मेरे नेनों की' गीत वाली फिल्म-३
२. फिल्म 'खुदगर्ज' में नायिका कौन थी-३
३. अनिलकपूर, माधुरी नम्रता की फिल्म-३
५. 'सैंया दिल में आना रे' गीतवाली फिल्म-३
६. फिल्म 'बारूद' में अक्षय की नायिका-३
९. बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२
१०. 'जरा तसवीर से तू' गीत वाली फिल्म-४
११. 'एक दूजे के लिए' में कमल हासन के किरदार का क्या नाम था-२
१२. फिल्म 'चोर मचाए शोर' में नायक-२
१४. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
१५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत वाली फिल्म-२
१६. सुनील शेट्टी, सोनाली की 'दिल जंगली कबूतर' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'मैं प्यार का पुजारी' गीत वाली गोविंदा, नीलम की फिल्म-२
२०. 'कमरिया लचके रे' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'और हम तुम' गीत वाली नाना पाटेकर, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२३. फिल्म 'निकाह' की नायिका-३
२४. राज कपूर, नर्गिस की 'दम भर जो उधर' गीत वाली फिल्म-३
२६. 'जब ना माना दिल' गीत वाली कमल सदाना, काजोल की फिल्म-३
२९. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'जीवन से भरी तेरी आँखें' गीत वाली फिल्म-३
३१. 'मेरा पिया' गीत वाली माधुरी की फिल्म-३
३३. विक्रम, लक्ष्मी की 'दिल क्या करे जब किसी को' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7170

अ	नि	ता		जो	र		बे	ना	म
नु		रा	का		वी	र	ता		म
म	र्द		श	बा	ना		ब	बी	ता
लि		ता		बू		सु		ना	
क	भी	क	भी		सु	हा	ग	रा	त
	गी	त		चि	रा	ग		य	
गो	रा		शा		ग		चि		ह
	त	क	दी	र		इं	त	का	म
ज		री		त	ब्बू		चो		रा
या	रा	ना		न		अ	र	बा	ज

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

13 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	05.49 बजे से
चंद्र	कुंभ में	वृष	07.29 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.27 बजे से
बुध	मीन में	कर्क	11.40 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	13.56 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.08 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.19 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.34 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	22.50 बजे से
राहुकाल		मकर	00.55 बजे से
7.30 से 9.00		कुंभ	02.41 बजे से
बजे तक		मीन	04.14 बजे से

सोमवार 2026 वर्ष का 103 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** बसंत। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** वैशाख (दक्षिण भारत में चैत्र) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 16.04 बजे को समाप्त। **योग** शुभ 17.17 बजे को समाप्त। **करण** बव 13.19 बजे तदनन्तर बालव 01.09 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 08° 58' **सूर्य** उत्तरायन **कलि अहर्गण** 1872678 **जूलियन दिन** 2461143.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** सव्वाल **तारीख** 24 **विशेष** वरूथिनी एकादशी, वल्लभाचार्य जयंती, जलियॉवाला बाग दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः अधूरा ज्ञान

काशी के एक आश्रम में शिक्षा पूरी करने के बाद एक शिष्य वहां के राजा के पास गया और कहा, राजन् मैंने अपनी शिक्षा पूरी कर ली है और अब मैं समस्त शास्त्रों का ज्ञाता हूं। आप मुझे अपना गुरु बना लें। मैं आपको भागवत सहित सभी धर्मशास्त्रों की दीक्षा दूंगा। राजा ने कहा, वत्स, मैं भागवत के रहस्यों का मर्म तो समझना चाहता हूं लेकिन मेरे विचार से आप अभी इतने पारंगत नहीं हुए हैं कि आप मुझे दीक्षा दे सकें। मेरी राय में आपको अभी और अध्ययन की आवश्यकता है। उसके बाद आपको गुरु बना कर मुझे खुशी होगी। यह सुनकर विद्वान ब्राह्मण को बहुत आश्चर्य हुआ। उसने सोचा कि राजा ने बिना परीक्षा किए ही मेरी विद्वता पर उंगली उठाई है। निराश होकर वह लौट आया। उसने यह बात अपने गुरु से कही। गुरु ने कहा, राजा ने अवश्य कोई कमी देखी होगी, तभी ऐसा कहा है। वह आश्रम में रहकर फिर से अध्ययन करने लगा। थोड़े दिन के बाद पुनः राजा के पास जाकर उसने गुरु बनने की इच्छा जताई। इस बार भी राजा ने कहा, वत्स अभी आपका ज्ञान अधूरा है। इस बार भी विद्वान ब्राह्मण निराश होकर लौट आया और फिर से धर्म ग्रंथों का अध्ययन करने लगा। इस बार उसे भागवत तथा अन्य शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया। अब उसके मन से राजा का गुरु बनने की इच्छा खत्म हो गई। वह फिर राजा के पास नहीं गया। थोड़े दिन के बाद राजा स्वयं ब्राह्मण के पास आए और कहा, मुनिवर, मेरा विचार है कि अब आप भागवत का गूढ़ अर्थ समझ गए हैं। अब मुझे आपका शिष्य बन कर खुशी होगी। शिष्य ने कहा, राजन, आपकी बात सच थी। मैं हर बार अधूरा ज्ञान लेकर आपको अपना शिष्य बनाने की इच्छा करता था। अब मुझे शास्त्रों का गूढ़ अर्थ समझ में आ गया है। इसलिए अब आपका गुरु बनने की मेरी इच्छा भी खत्म हो गई है। अब तक अधूरा ज्ञान लेकर स्वार्थवश आपके पास आता था। अब मुझे ज्ञान हो गया है कि ज्ञान बेचने की वस्तु नहीं है। वह लोगों तक पहुंचाने की चीज है।

सूडोकु नवताल- 7480

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7479 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 8695

बाएँ से दाएँ

1. जंगल की आग-4
4. अयोग्य, नालायक-4
6. बंदर का खेल दिखाने वाला-3
8. तैयार होना-3
9. जीभ, जिव्हा-3
11. पाश, फंदा, -2
13. नामकरण करना-2,3
15. मेरा(सं.-2)
16. खाद्य सामग्री-3
18. तहत-3
19. कक्ष, रूम-3
20. भरोसा, विश्वास-4
22. सचेत, होशियार-4

ऊपर से नीचे

1. दागी, धब्बेवाला-4
2. गीलापन, तर होना-2
3. दुनिया, जगत-3
4. अदा, हाव-भाव-5
5. भरा हुआ-4
7. टपकना, गिरना-3
10. नाम रखना-5
12. एकमत-4
14. भक्षक, विनाशकारी-3
17. खारा, क्षारीय-4
18. बन, जंगल-3
21. लाश, मुर्दा, मृतक-4

शब्द पहेली -8694 का हल

क	दा	चा	र		स	त	ल	ज
ल		य	ती	म	खा	ना		हा
प	र			दा			चा	ल
ना	च		क	री	ब		ल	त
	ना	च	ना		ला	ल	च	
आ	का		त	ह	त		ल	क
रा	र			सी			न	या
ध		न	बी	न	त	म		म
ना	म	व	र		क	रा	मा	त

Jagrutidaur.com, Bangalore

1 मई से ग्रीष्मकालीन बाल सुसंस्कार, संगीतकला एवं अध्यात्म भक्तिमय शिविर का आयोजन

प्रशिक्षण शिविर के आयोजन को लेकर हुई बैठक

एकल अभियान संच लांजी
EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

एकल अभियान संच-लांजी द्वारा दादा कोटेश्वर एवं माँ लंजकाई की पावन नगरी लांजी में भावी पीढ़ी को अध्यात्म, भक्ति, लोककला और संगीत शिक्षा से जोड़ने के उद्देश्य से एक माह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

यह शिविर 10 से 16 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं तथा भक्ति एवं संगीत क्षेत्र में रुचि रखने वाले युवा भाई-बहनों के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। शिविर का मुख्य उद्देश्य बच्चों में सांस्कृतिक मूल्यों, योग, ध्यान, संगीत कला और अध्यात्मिक ज्ञान का विकास करना है।

यह शिविर 1 मई से 30 मई 2026 तक (पूर्ण एक माह) नगर के सरस्वती शिशु विद्यामंदिर में सम्पन्न होगा। जिसमें प्रतिदिन 6:00 से 7:30 बजे तक सामुदायिक ध्यान, सूर्य नमस्कार, योगासन, 8ः00 बजे अल्पाहार, 9:00 से 11:00 बजे तक संगीत शिक्षा (हार्मोनियम, तबला, ढोलक, मंजीरा, गीत, राष्ट्रीय गीत, भजन, रामायण गायन, स्वर साधना आदि), 11:00 से 12:00 बजे तक भोजन, 12:00 से 3:00 बजे तक विश्राम, 3:00 से 3:30 बजे तक अल्पाहार, 3:30 से 5:30 बजे तक संगीत कला, 5:30 से 6:30 बजे तक बौद्धिक सत्ग्रंथों का अध्ययन, 6:30 से 7:30 बजे तक सायंकालीन आरती, प्रार्थना एवं चिंतन, 7:30 से 8:30 बजे तक स्नान एवं भोजन, एवं रात्रि 8:00 से 10:00 बजे तक नगर के इच्छुक भजन मंडल एवं महिला मंडलों के लिए विशेष संगीत कला, गीत-गायन, भजन, श्रीमद्भगवद्गीता तत्वज्ञान प्रवचन तथा संस्कृत पाठ्यक्रम होगा।

शिविर में प्रवचन एवं प्रशिक्षण अनुभवी आचार्यों द्वारा दिया जाएगा, जिनमें संगीताचार्य एवं श्री अखिल भारतीय श्री गुरुदेव सेवा मंडल, तीर्थ क्षेत्र गुरुकुंज आश्रम, अमरावती (मोझरी) से आमंत्रित विद्वान शामिल होंगे।

प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने के लिए आयोजक एकल अभियान संच-लांजी ने शिविर में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थी एवं अभिभावकों की 19 अप्रैल को दोपहर 3 बजे सरस्वती शिशु मंदिर लांजी में बैठक रखी गई है, जिसमें सभी से उपस्थित होने की अपील की है।

संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला ने पूर्वाटोला में की बैठक

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बहेला द्वारा 11 अप्रैल को ग्राम पंचायत पूर्वाटोला में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देशानुसार तथा जिला कांग्रेस अध्यक्ष संजय उईके, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी राष्ट्रीय सचिव हिना कावरे के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं स्थानीय कार्यकर्ता उपस्थिति रहे। इस दौरान पूर्व जनपद पंचायत अध्यक्ष देवेंद्र खोंगल, बहेला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ऋषि पटेल (दसरिया), मंडलम अध्यक्ष दिनेश लाड़े, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष मनीष जुझार एवं ग्राम सरपंच गणेश बागड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने अपने संबोधन में कहा कि संगठन की मजबूती ही पार्टी की सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे गांव-गांव तक कांग्रेस की नीतियों और विचारधारा को पहुंचाने में सक्रिय भूमिका निभाएं, ताकि आम जनता के बीच पार्टी का जनाधार और अधिक सशक्त हो सके। बैठक के दौरान ग्राम पंचायत पूर्वाटोला में कांग्रेस पंचायत कमेटी का विधिवत गठन किया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं की सर्वसम्मति से सुशीलकुमार चोरवाड़े को ग्राम कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया गया। उनके चयन पर सभी ने उन्हें बधाई दी और विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन को नई दिशा और मजबूती मिलेगी।

वक्ताओं ने यह भी कहा कि संगठन सृजन अभियान का उद्देश्य प्रत्येक बूथ और गांव तक कांग्रेस की पहुंच सुनिश्चित करना है, जिससे आगामी चुनावों में पार्टी को मजबूत आधार मिल सके। साथ ही कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का आह्वान किया गया।

कार्यक्रम के अंत में नव-निर्वाचित ग्राम अध्यक्ष का स्वागत किया गया तथा सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को मजबूत बनाने हेतु एकजुटता के साथ कार्य करने का संकल्प लिया। बैठक में बड़ी संख्या में स्थानीय कार्यकर्ता एवं ग्रामीणजन उपस्थिति रहे ।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई-तीन घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। भरवेली थाना अंतर्गत बैहर रोड पर स्थित ग्राम टेकाड़ी के पास दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई ।इस सड़क दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार तीन लोग घायल हो गए। तीनों घायल को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।जिनमे एक मोटरसाइकिल में सवार व्यक्ति प्रकाश पिता मंगरु लाल कोसरे 40 वर्ष ग्राम बेलगांव थाना किरनापुर निवासी बताया गया है। अन्य दो घायल में एक का नाम राकेश सराठे गांव खुरपू ?ी लालबर्रा निवासी बताया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश कोसरे माइक्रो फाइनेंस कंपनी बिरसा में फील्ड ऑफिसर है। 12 अप्रैल को प्रकाश कोसरे मोटर साइकिल में अपने गांव बेलगांव से बिरसा जा रहे थे। शाम 6ः30 बजे करीब बालाघाट से बैहर की ओर जाते समय भरवेली थाने के ग्राम टेकाड़ी के पास सामने से तेज रफ्तार से आ रही मोटर साइकिल प्रकाश कोसरे की मोटरसाइकिल से टकरा गई। इस मोटरसाइकिल में दो युवक सवार थे और शराब के नशे में थे। दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकराने से प्रकाश कोसरे और अन्य मोटरसाइकिल में सवार दो युवक घायल हो गए। सूचना मिलते ही डायल 112 मौके पर पहुंची और तीनों घायल को जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया। दो घायल युवक में एक युवक का नाम राकेश सराठे ग्राम खुरपूड़ी लालबर्रा निवासी बताया है। तीनों घायल का इलाज जिला अस्पताल किया जा रहा है।

कल आम्बेडकर जयंती पर होंगे विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। नगर व क्षेत्र में कल 14 अप्रैल को विविध कार्यक्रम आयोजित कर आम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। इस अवसर पर दिन में 11 बजे से नगर के गोंडवाना सामुदायिक भवन में ओबीसी, एससी एसटी एकता परिषद लांजी के तत्वावधान में महात्मा ज्योतिबा फूले एवं डॉ बी आर आम्बेडकर की संयुक्त जयंती पर एक दिवसीय विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। जयंती अवसर पर नगर के आम्बेडकर चौक व बुद्ध विहार दखनीटोला में भी आम्बेडकर जयंती धूमधाम से मनाई जाएगी। आयोजकों ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर सफल बनाने कि अपील की है।

श्रीमती राधिका बाई दशहरे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम चिखली निवासी रिहादास दशहरे की पत्नी श्रीमती राधिका बाई दशहरे का 58 वर्ष की उम्र में 12 अप्रैल की अलसुबह गोंदिया के निजी अस्पताल में उपचार के दौरान निधन हो गया। आप अपने पीछे पति के अलावा एक पुत्र कोमल प्रसाद दशहरे और 4 पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ इस दुनिया से विदा हो ग ?ए। जिनका अंतिम संस्कार गांव के ही स्थानीय मोक्षधाम में किया गया। अंतिम यात्रा में रिश्तेदार, समाज व गांव के गणमान्य लोगों ने शामिल होकर परिवार को दुःख सहन करने की परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की है।

पन्नालाल मस्करे पंचतत्व में विलीन

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी क्षेत्र के ग्राम वारी निवासी पन्नालाल जी मस्करे का 12 अप्रैल को सुबह 8 बजे 84 वर्ष की आयु में निज निवास वारी में दुखद निधन हो गया। आप अपने पीछे 7 पुत्र, 5 पुत्रियों सहित नाती पोतों से भरा पुरा परिवार छोड़ स्वर्ग सिधार गये। आपका अंतिम संस्कार स्थानीय मोक्षधाम वारी में शाम 4 बजे सामाजिक रीति रिवाजों के साथ किया गया। आपके निधन पर सरपंच ऋषि दशरिया सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता, नाते रिश्तेदार एवं ईष्ट मित्रों सहित बडी संख्या में ग्रामीण जनो ने उपस्थित होकर पंच लकड़ी प्रदान कर मृत आत्मा की शांति के लिये दो मिनट का मौन धारण कर श्रृद्धा सुमन अर्पित किये तथा इस दुख की घड़ी में परिजनों को संबल प्रदान करने हेतु परमेश्वर से प्रार्थना की गई।

अभी फाइलों में ही रहेगा मास्टर प्लान!

मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद फिर से अटका प्लान

भोपाल। पिछले 21 सालों में भोपाल का मास्टर प्लान अटका हुआ है। हालांकि भोपाल और इंदौर का मास्टर प्लान एक बार फिर से तैयार कर लिया गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के कारण एक बार फिर से दोनों शहरों का मास्टर प्लान अभी अधर में ही रहेगा। गौरतलब है कि भोपाल और इंदौर को मिलाकर एक बड़े मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की योजना मध्य भारत के शहरी ढांचे को बदलने वाली पहल मानी जा रही है। आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी होने के बाद संयुक्त क्षेत्र लगभग 26 हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक विस्तार ले सकता है। इस बड़े विस्तार के कारण आसपास के जिलों में जमीन की मांग बढ़ेगी और निवेश के नए अवसर खुलेंगे, खासकर रियल एस्टेट, उद्योग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में बड़े पैमाने पर मांग निकलेगी।

उल्लेखनीय है कि मेट्रोपॉलिटन प्लानिंग एंड डेवलपमेंट एक्ट-2025 को मंजूरी कैबिनेट की मंजूरी के साल भर के अंदर सरकार ने भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई कर दिया है। भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया का दायरा नोटिफाई होने के बाद भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का मुद्दा चर्चा में है। दरअसल, भोपाल और इंदौर के मास्टर प्लान का ड्राफ्ट फायनल हो गया है, लेकिन प्रस्तावित मेट्रोपॉलिटन एरिया के अनुरूप बनाने के लिए सरकार इसे जारी करने से पहले इस पर पुनर्विचार कर सकती है या इसे फिर से तैयार कर सकती है। विधानसभा के बजट सत्र में भी इसकी पुष्टि हो चुकी है। नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने गत 24 फरवरी को विधानसभा में मास्टर प्लान के बारे में कहा था, मेरे विभाग ने इसे डेढ़ साल पहले तैयार कर लिया था और मास्टर प्लान तैयार है। उन्होंने आगे कहा, मैंने मुख्यमंत्री से बात की है। उन्होंने (मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे मेट्रोपॉलिटन एरिया के संबंध में हमें इस मास्टर प्लान पर एक बार फिर से विचार करना होगा। पहले हम उनका दृष्टिकोण देखेंगे, अगर वे इसे फिर से बनाने के लिए कहते हैं, तो हम इसे फिर से तैयार करेंगे और नए सिरे से सोचेंगे। इससे संकेत मिलता है कि भोपाल और इंदौर के लिए मास्टर प्लान जल्द नहीं आने वाला है।

मास्टर प्लान में किए गए हैं जरूरी रिफॉर्म

अधिकारियों का कहना है कि पुणे, चंडीगढ़, दिल्ली जैसे देश के बड़े शहरों के मास्टर प्लान के आधार पर प्रदेश के शहरों के मास्टर प्लान के ड्राफ्ट में जरूरी रिफॉर्म (सुधार) किए गए हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में प्रदेश के शहरों में जनसंख्या वृद्धि, बेहतर बुनियादी ढांचे, पर्यावरण की सुरक्षा जैसी चुनौतियों से निपटना है। अधिकारियों का कहना है कि भोपाल का मास्टर प्लान 2047 तक के लिए और इंदौर का 2041 तक के लिए बनाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि शहरों के सुनियोजित विकास के लिए मास्टर प्लान जरूरी है। भोपाल के नए मास्टर प्लान में वर्टिकल डेवलपमेंट पर जोर दिया गया, ताकि शहर का बेतरतीब फैलाव न हो। मास्टर प्लान में सबसे पहले आबादी का अनुमान बदलेगा और उस हिसाब से रेसीडेंशियल, कॉमर्शियल और अन्य प्रावधान होंगे। भोपाल में पिछले 21 साल से मास्टर प्लान का इंतजार हो रहा है। भोपाल का पिछला मास्टर प्लान 2005 तक के लिए लागू किया गया था। इंदौर में मास्टर प्लान की अवधि 5 साल पहले पूरी हो चुकी है। अधिकारियों का कहना है कि मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने के बाद 30 दिन तक दावे-आपत्ति बुलाए जाते हैं। फिर 3 महीने इन पर सुनवाई होती है। उसके अगले तीन महीने में डायरेक्टर नगर तथा ग्राम निवेश अपनी रिपोर्ट शासन को देता है। शासन नगर तथा ग्राम निवेश एक्ट की धारा 19 (2) के तहत फिर से दावे-आपत्ति बुलाता है, इसकी अवधि तय नहीं है।

21 साल से अटका मास्टर प्लान

भोपाल जिला शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण सक्सेना ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की निष्क्रियता से 21 साल से भोपाल का नया मास्टर प्लान अटका है। नया मास्टर प्लान लागू नहीं होने से शहर का बेतरतीब विकास हो रहा है। लोग महंगे दामों में प्लॉट खरीदकर मकान बनवाते हैं और सरकार उन्हें अवैध निर्माण घोषित कर देती है। अवैध कॉलोनियों में लोगों को बिजली, पानी जैसी मूलभूत सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 1995 में कांग्रेस सरकार ने 2005 तक के लिए मास्टर प्लान लागू किया था, तब शहर की आबादी 11 लाख थी। आज आबादी बढक़र 25 लाख से ज्यादा हो गई है, लेकिन सरकार नया मास्टर प्लान लागू नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि सरकार नया मास्टर प्लान लागू करने की स्पष्ट समय सीमा तय करे। नया मास्टर प्लान लागू कराने की मांग को लेकर जिला कांग्रेस आने वाले दिनों में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन करेगी। सक्सेना ने कहा कि 2018 में कमलनाथ सरकार ने सत्ता में आते ही भोपाल के नए मास्टर प्लान के डाफ्ट पर तेजी से काम शुरू कर दिया था, लेकिन अचानक सरकार गिर गई और मास्टर प्लान ठंडे बस्ते में चला गया। इसके बाद से प्रदेश में लगातार भाजपा की सरकार रही है, पर मास्टर प्लान लागू नहीं किया जा सका। जिला कांगेस ने एक हेल्पलाइन / व्हाट्सएप नंबर (7067634234) जारी किया है, जिस पर लोग मास्टर प्लान और शहर की समस्याएं और शिकायतें दर्ज करा सकते हैं।

ज्योतिबा फूले एवं डॉ अम्बेडकर संयुक्त जयंती समारोह पर होंगे विविध आयोजन

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के डॉ बाबा साहब अम्बेडकर बस स्टैण्ड किरनापुर मे 14 अप्रैल को सामाजिक शिक्षा क्रांति के जनक राष्ट्रपिता ज्योतिबा राव फूले एवं विश्व रत्न भारतीय संविधान के शिल्पकार बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर संयुक्त जयंती समारोह बड़े ही धूमधाम एवं हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस अवसर पर सर्वप्रथम 13 अप्रैल की रात्रि मे भव्य आतिशबाजी कर एवं केक काट कर जन्मदिन की खुशियां मनाई जाएगी। वही 14 अप्रैल को सुबह 9 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर मे बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजा वंदना की जाएगी तत्पश्चात् सुबह 9.30 बजे संविधान चौक मे महात्मा ज्योतिबा राव फूले एवं बाबा साहब अम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया जाएगा। तथा सुबह 10 बजे शाक्यमुनि बुद्ध विहार मे महापरित्राण पाठ कर प्रसादी वितरण किया जाएगा। वहीं दोपहर 2 बजे बस स्टैण्ड किरनापुर से डीजे की धुनों पर भव्य रैली निकाली जाएगी जो नगर के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करते हुए पुनः बस स्टैण्ड मे एकत्रित होगी।जहां मंचीय कार्यक्रमो का आयोजन श्रीनिवास बारमाटे, सामाजिक कार्यकर्ता के मुख्यातिथ्य एवं धर्मकला भाई जे पी रामटेके सरपंच ग्राम पंचायत किरनापुर की अध्यक्षता एवं सामाजिक कार्यकर्ता सुनील मेश्राम, भारतीय बौद्ध महासभा तहसील शाखा किरनापुर अध्यक्ष दुरेन्द्र सावनकर, सामाजिक कार्यकर्ता मीना ऊईके, सामाजिक कार्यकर्ता सर्व आदिवासी समाज संगठन तिलकचंद खंडवाहे, मनोहर छिपेकर अध्यक्ष रविदासिया समाज संगठन किरनापुर, बालचंद पांचे सरपंच ग्राम पंचायत बम्हनगांव, मनमोहन वैद्य सरपंच ग्राम पंचायत मौदा के विशेष आतिथ्य मे आयोजित किया जाएगा। वही रात्रि मे इस अवसर पर शानदार ऑर्केस्ट्रा मे भीम एवं फूले के जीवन चरित्र पर आधारित गीतों की प्रस्तुति कलाकारों द्वारा दी जाएगी। इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजक समिति अध्यक्ष जे पी रामटेके, उपाध्यक्ष अमित गेडाम, एन के मेश्राम, बी आर डोंगरे, सचिव एस आर पटले, सह सचिव-संदीप नागवंशी, हंसराज वाहने, कोषाध्यक्ष राकेश बोरकर, संरक्षक व्ही एन मेश्राम, एस सी वैद्य, दुर्गेश भीमटे, रविन्द्र शेंडे, गौतम भीमटे, विनोद बांसोड़,रोहिदास मेश्राम,राजेन्द्र वैद्य, राजेश वंजारी, दिलीप वैद्य, सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों एवं ग्रामीणों ने क्षेत्रवासियों से आयोजित कार्यक्रमों मे शामिल होकर अधिक से अधिक संख्या मे अपनी सहभागिता प्रदान करने का आव्हान किया है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मप्र में न वन अमला सुरक्षित, न ही बाघ

- टाइगर स्टेट में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता....

भोपाल। टाइगर स्टेट मप्र में प्रशासनिक सुस्ती और सिस्टम की विफलता के कारण ने वन अमला सुरक्षित है और न ही बाघ। मप्र में आए दिन वन अपले पर हमले की खबर आती रहती है। मप्र में जंगलों की सुरक्षा करने वाला वन अमला खुद असुरक्षा के साये में है। रेत और लकड़ी माफिया के बढ़ते हौसलों के बीच वनकर्मियों पर हमले लगातार बढ़ रहे हैं। हालात ऐसे हैं कि कहीं वनकर्मियों की पिटाई हो रही है, तो कहीं उन्हें वाहनों से कुचलकर मार दिया जा रहा है। ताजा मामला मुरैना का है, जहां दो दिन पहले रेत माफिया ने वनरक्षक हरकेश गुर्जर को ट्रैक्टर-ट्रॉली से कुचल दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, पहले भी शहडोल में लकड़ी माफिया द्वारा वन टीम को बंधक बनाकर पीटने की घटना भी सामने आ चुकी है, जिसमें रेंजर और डिप्टी रेंजर घायल हुए थे। वहीं साल 2026 में 3 महीनों में 14 बाघों की मौत हो चुकी है। पिछले साल 55 की जान गई थी। इस स्थिति के पीछे की वजह यह है कि प्रदेश में वन अमले में भारी कमी है। 31 प्रतिशत अधिकारी-कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं।

रेत माफिया की दरिंदगी...

जंगलों में मैदानी अमला नहीं होने से जानवरों की सुरक्षा और देखभाल का संकट खड़ा हो गया है। वन विभाग की 31 मार्च को जारी रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कुल 26,079 पदों में से 8,125 पद खाली हैं। 1 जनवरी 2026 की स्थिति में विभाग में करीब 18 हजार अधिकारी-कर्मचारी ही कार्यरत हैं, जो मौजूदा जंगलों और वन्य जीवों के हिसाब से पर्याप्त नहीं हैं। घटना के बाद वन विभाग के अमले में भारी आक्रोश और भय का माहौल है। वनकर्मियों का कहना है कि उन्हें बिना पर्याप्त हथियार और संसाधनों के माफिया से मुकाबला करना पड़ता है। डंडों के सहारे सशत्र माफिया का सामना करना जोखिम है। आरोप हैं कि राजनेताओं और अफसरों का झुकाव माफिया की ओर होने से मनोबल और बढ़ रहा है। वन विभाग के आंकड़ों के अनुसार, वन अमले पर हर साल 20-30 हमले होते हैं, जिसमें कई का जाने गंवानी पड़ी है। हर साल वनकर्मियों के साथ मारपीट के 20-30 मामले दर्ज होते हैं। पिछले तीन वर्षों में आधा दर्जन से अधिक वनकर्मियों की मौत हुई है। वन अमले को बंधक बनाकर पीटने और कुचलने की कोशिश होती रहती है। मप्र में कई तरह के माफिया सक्रिय हैं। चंबल क्षेत्र (मुरैना, मिंड)में रेत माफिया, शहडोल, बालाघाट, बैतूल में लकड़ी माफिया, भोपाल, शिवपुरी, सागर, छतरपुर में खनिज, अतिक्रमण माफिया और छिंदवाड़ा, गुना, रायसेन, विदिशा में मिश्रित माफिया अवैध गतिविधियों में लिप्त हैं।

विशेष सशत्र बल की तीन बटालियन की मांग

मुरैना वन मंडल ने रेत माफिया से निपटने के लिए विशेष सशत्र बल की तीन बटालियन की मांग की है। एपीसीसीएफ अमित दुबे के मुताबिक इस संबंध में पुलिस मुख्यालय को कई बार पत्र भेजे गए, लेकिन अब तक न बल मिला और न ही कोई जवाब आया। गौरतलब है कि नवंबर 2025 में तत्कालीन पीसीसीएफ एंड हॉफ ने लटेरी विदिशा न्यायिक जांच आयोग की सिफारिशों के आधार पर सरकार को सुझाव दिए थे, लेकिन वन विभाग और सरकार उन सुझावों और सिफारिशों को दबाकर बैठ गया है। वन कर्मियों की मांग है कि महाराष्ट्र, ओडिसा और असम जैसे राज्यों ने अपने वनकर्मियों को कानूनी सुरक्षा दी है, जहां मजिस्ट्रेट जांच के बिना कर्मचारियों पर मुकदमा नहीं चल सकता है। अब सवाल उठने लगा है कि मप्र सरकार के लिए ग्रीन सोल्जर्स महत्वपूर्ण हैं या वन माफिया जरूरी है। वनकर्मियों को आवश्यक संसाधन, आधुनिक उपकरण और पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध कराया जाए ताकि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन सुरक्षित वातावरण में कर सकें।

सुप्रीम कोर्ट में होगी मुरैना होमगार्ड मामले की सुनवाई

मुरैना में वन रक्षक की हत्या के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने स्वत संज्ञान लिया है। राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में अवैध रेत उत्खनन के एक लंबित मामले में याचिका दायर की गई थी। जिसमें हरिकेश गुर्जर का भी मामला उठा। अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले को लेकर अगले हफ्ते सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट इस मामले में अगले हफ्ते सुनवाई करेगा। असल में सुप्रीम कोर्ट में राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य में अवैध रेत उत्खनन से जुड़े मामले में याचिका दायर की गई थी। जिसमें फिर वन रक्षक हरिकेश गुर्जर की हत्या का मामला भी उठा। जस्टिस विक्रमनाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच में ये मामला उठा। जिस पर अगले हफ्ते सुनवाई होगी।

उमा भारती चलती ट्रेन में सवार हुई

पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा रेल मंत्री को पत्र

भोपाल । भाजपा की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने समय से पूर्व ट्रेन को स्टेशन से रवाना होने औश्र चलती ट्रेन में चढनें को लेकर केन्द्रीय रेंल मंत्री अशि् वनी वैष्णव को पत्र लिखा है।

उमा ने पत्र में लिखा है कि मैंने पूर्व में मथुरा रेलवे स्टेशन की यात्रियों के प्रति संवेदनहीनता की बात लिखी है।

मेरे साथ आज फिर झांसी रेलवे स्टेशन पर चढ़ते हुए एक घटना हो गई जिसमें कोई अपराधी नहीं है बल्कि स्टेशनों पर आधुनिक सुविधाओं के निर्माण में व्यावहारिक संवेदनशीलता का अभाव कारण बना है। झांसी रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी निकलवाए जाएं मैं झांसी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन आने के पहले आ गई थी और यह ट्रेन निर्धारित समय से पूर्व टाइम पर झांसी आ गई और निर्धारित समय से पूर्व प्रस्थान हो गई। मुझे बैटरी गाड़ी में बैठाकर प्लेटफॉर्म नंबर 1 से 4 नंबर की तरफ ले जाया जा रहा था इतने में जिस ट्रैक को हमें पर करना था उस पर से एक गाड़ी लंबे समय तक गुजरी और हम खड़े रहे फिर जब थोड़ा आगे बढ़े तो एक हाथ ठेला ट्रैक में फंसा हुआ था उसको निकालने में मेरे सुरक्षाकर्मियों ने सहयोग किया फिर जब मैं 4 नंबर प्लेटफार्म पर पहुंची तथा जिस ट्रेन पंजाब मेल में मुझे बैठना था वह चलती जा रही थी फिर किसने चेन खींची जिसका मुझे अंदाज नहीं है और मुझे ट्रेन में बैठा दिया गया।

मैं समय पर स्टेशन पहुंची,तेजी से नहीं चल पाने की मेरी असमर्थता के कारण थोड़ा पहले रेलवे-स्टेशन पहुंची, झांसी रेलवे विभाग के अधिकारी मेरी इस शारीरिक असमर्थता से सालों से परिचित हैं इसलिए उन्होंने मेरे लिए बैटरी गाड़ी की व्यवस्था की थी क्योंकि एक्सीलेटर पर भी मुझे तकलीफ हो सकती थी।

सब कुछ समय के अनुसार था किसी से कोई भूल नहीं थी फिर भी ट्रेन के तीन-चार मिनट मेरे लिए खराब हुए इसमें पहला कारण था ट्रेन का समय से पहले पहुंचना तथा समय से 2 मिनट पहले निकल जाना, फिर जिस ट्रैक को मुझे पार करना था उस पर अचानक लंबे समय तक ट्रेन का गुजरना तथा इस ट्रैक पर एक हाथ ठेले का फंसा हुआ होना इसके लिए कौन जिम्मेदार हो सकता है सिवाय इसके कि हमें रेलवे का आधुनिकरण करना चाहिए लेकिन पुरानी व्यवस्थाओं को सजग भी रखना चाहिए। मैं मथुरा और झांसी की इन घटनाओं के बारे में मैं आपसे मिलकर बात करूंगी। उन्होंने लिखा है कि मेरा तो छोड़ दीजिए लेकिन आमजन, दिव्यांगजन, वृद्ध, स्त्री-पुरुष बहुत सारा सामान एवं गोद में बच्चे लिए महिलाएं अव्यवस्था का शिकार होते हैं। मैं झांसी रेलवे के अधिकारियों की बिल्कुल गलती नहीं मानती और अपनी भी नहीं मानती यह पूरी की पूरी व्यवस्था रेल के अंदर रेल को संचालित करने वाले अधिकारियों के द्वारा हुई। मैं आपसे फिर कहूंगी कि आप इन अव्यवस्थाओं पर ध्यान दीजिए।

बेटियों और बहनों के विकास से ही होगा प्रदेश का समग्र विकास - मुख्यमंत्री डॉ यादव

सीहोर। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नारी सशक्तिकरण के इतिहास में पहली बार महिलाओं को लोकसभा एवं विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने वाला है, जो महिला सशक्तिकरण और नीति निर्माण में महिलाओं की भागीदारी की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि भारत माता और सभी बहनों के प्रति सम्मान की भावना के कारण हमारी भारतीय संस्कृति पूरी दुनिया में हजारों वर्षों से जानी जाती है। हमारे देश में माताओं और बहनों की देवी की तरह पूजा की जाती है। रक्षाबंधन तो साल में एक बार आता है, पर हर महीने लाड़ली बहनों का इस प्रकार आशीर्वाद मिलना भी रक्षाबंधन से कम नहीं, यह हमें दुगुनी ऊर्जा के साथ कार्य करने की क्षमता देता है। इस अवसर उन्होंने बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर का स्मरण करते हुए कहा कि डॉ अंबेडकर ने हमारे देश को लोकतंत्र और सामाजिक समरसता के साथ-साथ संविधान तो दिया ही, अपितु उन्होंने बहनों की शिक्षा को भी अत्यधिक महत्व दिया। मुख्यमंत्री डॉ यादव आष्टा में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। 05 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से प्रदेश की 65 लाख बहनें आर्थिक रूप से समृद्ध हुई हैं। इसमें 12 लाख से अधिक तो लखपति दीदियां हैं। सीहोर जिले में 9,477 स्वयं सहायता समूह संचालित हो रहे हैं, जिनमें एक लाख से ज्यादा दीदियां हैं।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अब बच्चे प्राइवेट स्कूलों को छोड़कर शासकीय स्कूलों में प्रवेश ले रहे हैं, यह मजबूत होती शिक्षा व्यवस्था को दर्शाता है। हमारी सरकार बच्चों को नि:शुल्क शिक्षा के साथ किताबें, गणवेश, साइकिल सहित सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करा रही है।

इतना ही नहीं बल्कि हायर सेकेंडरी में 75 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए लैपटॉप भी दिए जा रहे हैं। इसके साथ ही अपने स्कूल में टॉप करने वाले बच्चों को स्कूटी दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कृषि और किसानों को हर क्षेत्र में समृद्ध बनाने के लिए किसान कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए हमारी सरकार निरंतर कार्य कर रही है। कृषि में सिंचाई का रकबा निरंतर बढ़ रहा है, जो वर्तमान 55 लाख हैक्टेयर हो गया है, जिसमें विगत दो वर्षों में 10 लाख हैक्टेयर की बढ़ोत्तरी हुई है। किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए भी सरकार निरंतर कार्य कर रही है, किसानों से 2625 रुपये के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर उनकी गेहूं की उपज खरीदी जा रही है। अब किसानों को 24 घंटे खेत में बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। किसानों को शासन की योजना के अंतर्गत मात्र 05 रुपये में बिजली कनेक्शन दिया जा रहा है। प्रदेश में दूध उत्पादन को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने कहा हमारी सरकार युवा, महिला, गरीब, किसान सहित हर नागरिक के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

आष्टा में मुख्यमंत्री का ऐतिहासिक स्वागत, दो किलोमीटर लंबे रोड शो में उमड़ा जनसैलाब

आष्टा नगर ने आज उस वक्त एक ऐतिहासिक और अभिभूत कर देने वाला दृश्य देखा, जब मुख्यमंत्री के स्वागत में नागरिकों ने पलक पावड़े बिछाकर उनका अभिनंदन किया। पूरे शहर में उत्सव जैसा माहौल रहा और हर वर्ग के लोगों ने अपार उत्साह के साथ मुख्यमंत्री का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री ने भी आत्मीयता से नागरिकों का अभिवादन स्वीकार करते हुए सभी का हृदय से आभार व्यक्त किया। करीब दो किलोमीटर लंबे रोड शो के दौरान शहर की सड़कों पर जनसैलाब उमड़ पड़ा। जगह-जगह नागरिकों द्वारा लगातार पुष्प वर्षा की गई, फूल मालाओं से मुख्यमंत्री का स्वागत किया गया तथा पगड़ी और अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। पूरे मार्ग पर स्वागत के भव्य नजारे देखने को

म.प्र. में आउटसोर्स का नया पोर्टल, नई बोतल में पुरानी शराब- भार्गव

भोपाल। म.प्र. के शासकीय विभागों के लिए वित्त विभाग द्वारा रिसोर्स आउटसोर्सिंग एजेंसी मैनेजमेंट सिस्टम के पोर्टल बनाने से प्रदेश के लाखों आउटसोर्स कर्मियों का भविष्य उज्जवल नहीं होगा। ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स संयुक्त संघर्ष मोर्चे के प्रांतीय संयोजक मनोज भार्गव एवं महामंत्री दिनेश सिसोदिया के मुताबिक सरकार का यह कदम नई बोतल में पुरानी शराब परोसने और खोदा पहाड़ निकली चुहिया कहावत को चरितार्थ करने जैसा है। जबकि गत विधानसभा चुनाव वर्ष 2023 में भाजपा के वचन पत्र क्रमांक-81 में म.प्र. के आउटसोर्स कर्मियों को केन्द्र के आउटसोर्स कर्मियों के समान न्यूनतम वेतन देने और उन्हें संविदा कर्मी का दर्जा देने का वादा किया गया था, जो इस पोर्टल में पूरा करते नहीं दिखाया गया है। पहले और अब में कोई अन्तर नहीं- श्री भार्गव का मत है कि पहले सभी विभाग अपने-अपने पोर्टल पर आउटसोर्स अनुबंध व वर्क आर्डर की प्रविष्टि किया करते थे पर अब नये पोर्टल से आर.ओ.एम.एस. पोर्टल पर इन्ट्री होगी पर इससे आउटसोर्स कर्मियों को विशेष राहत नहीं मिलेगी। पहले भी प्रिंसीपल नियोक्ता सरकारी सेक्टर था, अब भी नई व्यवस्था में ई.एस.आई. व पी.एफ. आदि जमा करने की जिम्मेवारी एजेंसी की रहेगी, यानि ठेका प्रथा में मूल परिवर्तन व बड़ा बदलाव पोर्टल बनाने से नहीं हुआ, बल्कि इससे ठेकेदारी प्रथा पर सरकार की डटे रहने की मंशा प्रकट होती है। ठेकेदार पर क्या एक्शन लेंगे, पोर्टल में जिक्र नहीं- श्री भार्गव ने हैरानी ज़ाहिर की कि वित ?त विभाग के नये आर.ओ.एम.एस. पोर्टल में इस बात का कोई उल्लेख ही नहीं है कि यदि मानले कॉन्ट्रेक्टर ठेकेदार समय पर वेतन व एरियर्स नहीं देता व ई.पी.एफ. और ई.एस.आई. सी. की राशि संबंधित ठेकाकर्मी के खाते में समय पर जमा नहीं करता या वेतन हड़पता है तो सरकार कितने दिनों में क्या कदम उठायेगी ?

- समाजवादी पार्टी ने प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया, सपा प्रदेशाध्यक्ष बोले

केन-बेतवा के प्रभावितों को दिया जा रहा 25 हजार मुआवजा

भोपाल। केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना में उचित मुआवजा न मिलने से नाराज किसान आंदोलित हैं। किसान चिताएं सजाकर अपना विरोध जता रहे हैं। मुआवजा वितरण में समाजवादी पार्टी ने प्रशासन को कटघरे में खड़ा किया है। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ.मनोज यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की मांग है कि किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। किसानों के साथ बहुत बड़ा अन्याय हो रहा है। मैं स्वयं वहां चार बार जाकर सारे गांवों का दौरा कर चुका हूं। किसानों की उचित मांगें सरकार और प्रशासन मानने को तैयार नहीं हैं।

सपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि मुआवजा बढ़ाने की बात बाद की है, पहले जो हालात हैं वे ही चिंताजनक हैं। स्थानीय स्तर पर एसडीएम, तहसीलदार और पटवारी किसानों के घर खाली कराते समय मुआवजे के नाम पर कहीं 25 हजार तो कहीं सिर्फ 50 रुपए दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि महंगाई के

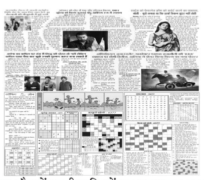

इस दौर में इतनी राशि में एक बाथरूम तक नहीं बन सकता, जबकि किसानों के घर और जमीन इतनी कम रकम में खाली कराए जा रहे हैं। साथ ही आरोप लगाया कि कुछ लोगों को इस प्रक्रिया से बाहर भी रखा गया है।

विस्थापन नीति का नहीं हो रहा पालन

सपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि विस्थापन की नीति होती है कि परिवार के एक व्यक्ति को सरकारी या प्रायवेट नौकरी दी जाती है। किसी को कुछ नहीं दिया जा रहा। कहीं दूसरी जगह पर विस्थापन के नाम पर जमीन दी जाती है। और घर बनाकर दिए जाते हैं। ये भी सरकार नहीं दे रही है। प्रशासन ने साढ़े 12 लाख प्रति व्यक्ति मुआवजा रखा है। किसानों की मांग है कि मुआवजा प्रति व्यक्ति 25 लाख रुपए किया जाए या फिर पति-पत्नी दोनों को मुआवजा दिया जाए। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने संसद में यह मामला उठाया था कि आप सर्किल रेट बढ़ाईए और उसको चार गुना मुआवजा दीजिए। जो उन्होंने 2012 की सपा सरकार में दिया था। वो केन-बेतवा के प्रभावितों को देने की मांग की है। उस समय से आज की स्थिति में मंहगाई काफी बढ़ चुकी है। इस सरकार ने सर्किल रेट नहीं बढ़ाया और केवल दो गुना मुआवजा दिया जा रहा है। यहां के किसानों के साथ ऐसा अन्याय क्यों किया जा रहा है ?

आश्वासन के बाद भी कुछ नहीं हुआ

मनोज यादव ने कहा कि किसान दो साल से लगातार आंदोलन कर रहा है। मैं स्वयं बीच में वहां गया था तो प्रशासन ने कहा था कि किसानों की जिला स्तर की मांगें हम मान लेंगे, मैंने किसानों से आग्रह किया तो किसान भाई बात मान गए थे। और अपना आंदोलन स्थगित किया तब डैम का काम चालू करने दिया। इस बात को डेढ़ महीना बीत गया लेकिन किसानों की मांगें नहीं मानी गईं। किसान सात दिन से वहां पर अर्थी सजाकर बैठे हुए हैं। इस धूप में अगर उनके लिए कोई खाना-पीना लेकर आता है तो प्रशासन के लोग उन्हें धमका कर लाठियां बरसाते हैं। प्रशासन झूठे केस लगाने की धमकी दे रहा है। शिवराज जी और मोहन जी अपनी सरकार में कितने किसानों को जेल भेजेंगे ? अगर जान जाएगी तो जान देने को तैयार हैं। सपा भी उनके साथ जान देने को तैयार है। आप लोग कब तक किसानों का खून पीने का काम करेगा।

14 को यूसीसी, महिला आरक्षण और परिसीमन पर मंथन

- मप्र भाजपा ने बनाया नया कोर ग्रुप...सीएम सहित 15 नेता शामिल

भोपाल। मप्र भाजपा में अपना नया कोर ग्रुप बना लिया है। हालांकि अभी इसकी घोषणा नहीं की गई है। लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें बड़ा बदलाव होने जा रहा है। 15 सदस्यीय कोर ग्रुप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को शामिल किया गया है। दोनों डिप्टी सीएम जगदीश देवड़ा और राजेंद्र शुक्ला भी इस ग्रुप में हैं। सीनियर मंत्रियों में कैलाश विजयवर्गीय, प्रहलाद पटेल और राकेश सिंह के नाम हैं। पूर्व अध्यक्ष के रूप में वीडी शर्मा को भी इसमें जगह दी गई है। इसकी पहली बैठक 14 अप्रैल को रखी गई है। बैठक में यूसीसी, महिला आरक्षण और परिसीमन जैसे मुद्दों पर चर्चा की जाएगी।

जानकारी के अनुसार, कोर ग्रुप की पहली बैठक 14 अप्रैल को रखी गई है। सभी मेंबर को फोन पर सूचना दे दी गई है। साथ ही कहा गया है कि चूंकि यह पहली बैठक है, इसलिए सभी लोग जिम्मेदारी से भोपाल पहुंच जाएं। बैठक सीएम हाउस में शाम को 7 बजे रखी गई है। पहली बैठक का एजेंडा भी लगभग तय हो गया है। इसमें आपसी सामान्य बातचीत के अलावा केंद्रीय नेतृत्व से मिले तीन बड़े कार्यक्रमों पर बात होगी। इसमें समान नागरिक संहिता (यूसीसी), 33 फीसदी महिला आरक्षण बिल और आने वाले महीनों में संभावित विधानसभा का परिसीमन शामिल है। इसके अलावा पार्टी के कामकाज का रिव्यू भी होगा। नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चलाया जाना है। कोर ग्रुप इस पर भी बात करेगा। इसके अलावा सहकारिता के क्षेत्र में नियुक्तियों व चुनाव का भी मसला सामने रखा जा सकता है।

पूर्व मंत्री नरोत्तम की हुई वापसी

सबसे अहम बात यह है कि पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा को भी नए कोर ग्रुप में शामिल किया गया है। पिछली (शिवराज) सरकार में नरोत्तम मिश्रा गृह मंत्री रहे थे। नई टीम में उनकी वापसी को पार्टी के अंदर बड़े संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इसके अलावा पूर्व मंत्री अरविंद भदौरिया का नाम भी इस 15 सदस्यीय नए कोर ग्रुप में है। पिछली कमेटी के करीब 70 फीसदी सदस्यों को नई टीम में भी रखा गया है। प्रदेश संगठन महामंत्री चूंकि कोई नहीं है, इसलिए इस ग्रुप में वे शामिल नहीं हैं। सीनियर मंत्री और उपमुख्यमंत्री जो पिछली टीम में थे, वे इस बार भी बने हुए हैं।

जिलों के कामकाज पर समीक्षा

भाजपा के नए कोर ग्रुप की पहली बैठक में जिलों की इकाइयों के कामकाज का रिव्यू होगा। जिलों की बैठकों का रिपोर्ट कार्ड मुख्य मुद्दा रहेगा, जिसमें अब तक की गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। यह मांग भी उठ सकती है कि जिला कोर ग्रुप की बैठकें किसी नेता के घर के बजाय पार्टी कार्यालय में ही हों। जिलों में मंत्रियों, सांसदों और विधायकों के साथ तालमेल की कमी और कलेक्टरों के विरुद्ध मिली प्रशासनिक शिकायतों पर भी प्रदेश कोर कमेटी गंभीरता से चर्चा कर रणनीति तैयार करेगी। बैठक में तीन मुद्दे प्रमुख रहेंगे। पहला मुद्दा समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी है। दूसरा अहम विषय 33 फीसदी महिला आरक्षण बिल है। तीसरा विषय आने वाले महीनों में संभावित विधानसभा परिसीमन का है। इन तीनों पर पार्टी की रणनीति तय की जाएगी। इसके अलावा नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम पूरे प्रदेश में जोर-शोर से चलाया जाना है। कोर ग्रुप इस पर भी मंथन करेगा। सहकारिता के क्षेत्र में नियुक्तियों और चुनाव का मसला भी सामने रखा जाएगा।

जनाधार वाले नेता को भेजा जाए राज्यसभा

भोपाल। मप्र में राज्यसभा की तीन सीटों पर चुनाव होने हैं। इनमें से कांग्रेस के कब्जे वाली सीट पर दिग्विजय सिंह सांसद हैं। उनके तीसरी बार राज्यसभा जाने से इनकार करने के बाद कांग्रेस में केंडिडेट को लेकर रेस चल रही है। इस बीच राज्यसभा सीट पर उम्मीदवारी को लेकर पूर्व नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि सच्चाई ये है कि न तो हमें कोई चाहता है, न कुछ होना है। दिन में सपने गोविंद सिंह नहीं देखा करते। डॉ. गोविंद सिंह ने उम्मीदवारों के नामों पर मंथन को लेकर कहा कि कांग्रेस अनुशासित पार्टी है, यहां कोई मंथन नहीं चल रहा है। हाईकमान को उम्मीदवार चुनने का अधिकार है। हमारी पार्टी के अध्यक्ष खरगे जी और राहुल जी जो निर्णय करेंगे, वही सर्वमान्य होगा। बीजेपी वाले तमाम लोग तोडने् का प्रयास करेंगे, लेकिन असफल होंगे।

डॉ. गोविंद सिंह ने कहा कि जब पूरा निर्णय हमारे हाईकमान पर है, तो राय देना उचित नहीं है। हालांकि, हमारा मानना है कि ऐसे जनाधार वाले नेता को राज्यसभा में भेजा जाना चाहिए, जो आम जनता और पार्टी के हित में काम करे और लोगों के सुख-दुख में साथ खड़ा रहे। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतिनिधि प्रदेश में सक्रिय रूप से दौरा करे और भाजपा को आगामी चुनाव में हराने के लिए संघर्ष करे।

कांग्रेस से राज्यसभा के लिए ये नेता दावेदार

पूर्व सीएम कमलनाथ, पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन, पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव, पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल, पूर्व मंत्री सज्जन सिंह वर्मा, एससी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार के अलावा करीब एक दर्जन नेता राज्यसभा जाने के लिए प्रयासरत हैं। पूर्व सीएम और मौजूदा राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह और एमपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी राज्यसभा की रेस से खुद को अलग कर चुके हैं।

कॉलेजों में 5 मई से शुरू होंगे एडमिशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में उच्च शिक्षा के नए शैक्षणिक सत्र को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। विभाग ने इस वर्ष कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया को समय से पहले शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रदेश के 1300 से अधिक सरकारी और निजी कॉलेजों में 5 मई से प्रवेश का पहला चरण प्रारंभ होगा। पंजीयन से लेकर दस्तावेज सत्यापन तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन होगी।

इस बार प्रवेश प्रक्रिया को पूरी तरह व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने पर विशेष जोर दिया गया है। विभाग ने दो मुख्य काउंसलिंग चरण और तीन कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण निर्धारित किए हैं। अधिकारियों का कहना है कि सभी चरणों को जुलाई माह तक पूरा कर लिया जाएगा, ताकि एक जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू हो सकें।

पिछले वर्षों में प्रवेश प्रक्रिया में देरी के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होती थी, जिसे ध्यान में रखते हुए इस बार सख्त समय-सीमा तय की गई है। विभाग जल्द ही काउंसलिंग की समय-सारिणी जारी करेगा। बता दें कि मप्र बोर्ड 12वीं का परिणाम 15 अप्रैल को घोषित होने की संभावना है, जिसके तुरंत बाद छात्र प्रवेश के लिए तैयार रहेंगे।

विद्यार्थियों की सहायता के लिए बनेगा हेल्प डेस्क

ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया को इस बार और अधिक सरल और सुविधाजनक बनाया गया है, जिससे विद्यार्थियों को आवेदन करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो।

राजस्थान रॉयल्स और सनराइजर्स हैंदराबाद के बीच मुकाबला

हैदराबाद। आईपीएल 2026 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला राजस्थान रॉयल्स से होगा। इस मैच में राजस्थान का लक्ष्य अपनी जीत के सिलसिले को बनाये रखना रहेगा। राजस्थान की टीम ने युवा रियान पराग की कप्तानी में अपने अब तक के सभी चारों मैच जीते हैं जिससे उसके हौसले बुलंद हैं। वहीं दूसरी ओर, सनराइजर्स हैदराबाद का प्रदर्शन अब तक मिला-जुला रहा है। सनराइजर्स की कमजोरी इस बार भी गेंदबाजी रही है। यहां की पिच बल्लेबाजों के अनुरुप है और ऐसे में अगर सनराइजर्स की टीम टॉस जीतती है तो उसका लक्ष्य पहले बल्लेबाजी करते हुए बड़ा स्कोर बनाना रहेगा। इस सत्र में अब तक राजस्थान हावी रहा है। ऐसे में इस मैच में भी उसका पलड़ा भारी है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो के बीच अब तक 21 मुकाबले हुए हैं जिसमें से सनराइजर्स ने

12 जबकि रॉयल्स ने 9 जीते हैं। गौरतलब है कि इन दोनों ही टीमों के बीच आखिरी आईपीएल मुकाबला पिछले सीजन हैदराबाद के मैदान पर ही खेला गया था जिसे मेजबान टीम ने 286 रन का स्कोर डिफेंड करके राजस्थान रॉयल्स से 44 रनों से जीता। बताते चलें कि इस मुकाबले में ईशान किशन ने महज़ 47 गेंदों पर नाबाद 106 रनों की तूफानी शतकीय पारी खेली थी। सनराइजर्स की बल्लेबाजी कप्तान ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड पर आधारित रहेगी। वहीं रॉयल्स के पास यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी के जैसे बल्लेबाजों के अलावा शिवम दुबे जैसा ऑलराउंडर है। गेंदबाजी में उसके पास जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे और रवि बिश्नोई हैं। सनराइजर्स के पस गेंदबाज के तौर पर ब्रायडन कार्स, जयदेव उनादकट जैसे गेंदबाज हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद- ईशान किशन (कप्तान और विकेटकीपर), अभिषेक शर्मा, ट्रैविस हेड, प्रफुल्ल हिंगे, हेनरिक क्लासेन, लियाम लिविंगस्टोन, ईशान मलिंगा, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, डेविड पायने, साकिब हुसैन, शिवम मावी, शिवांग कुमार, रविचंद्रन स्मरण, ओंकार तरमाले, जयदेव उनादकट, अनिकेत वर्मा, जीशान अंसारी, अमित कुमार, सलिल अरोड़ा, ब्रायडन कार्स, पैट कमिंस, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा।

राजस्थान रॉयल्स- शिवम दुबे, वैभव सुर्यवंशी, डेवोन फरेरा, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, शिमरन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, रियान पराग, युद्धवीर सिंह, रवींद्र जडेजा, सैम करन, जोफ्रा आर्चर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, नांद्रे बर्गर, रवि बिश ?नोई सुशांत मिश्रा, यशराज पुंजा, विग ?नेश पुथुर, रवि सिंह , अमन राव, बृजेश शर्मा, कुलदीप सेन और एडम मिलने।

बाबर आजम पीएसएल में 4000 रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी बने

लाहौर। स्टार बल्लेबाज बाबर आजम ने यहां जारी पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में अपने 4000 रन पूरे कर लिये है। पीएसएल में ये रिकार्ड बनाने वाले वह पहले पाक बल्लेबाज हैं। बाबर ने अपने 4000 रन लाहौर कलंदर्स के खिलाफ लीग स्तर के मैच में पूरे किये। इस मैच में पेशावर जल्मी की कप्तानी करते हुए बाबर ने 40 गेंद पर ही 43 रन बना दिये। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 107.50 का रहा और उन्होंने अपनी पारी के दौरान एक छक्का और तीन चौके लगाए। अब बाबर के 104 मैचों में कुल 4004 रन हो गए हैं। बाबर के नाम इस लीग में 2 शतक और 37 अर्धशतक भी हैं। वह साल 2016 में पीएसएल की शुरुआत से ही इस लीग में खेल रहे हैं। इसमें उनका औसत 45.50 है। बाबर ने इस लीग में सबसे पहले इस्लामाबाद यूनाइटेड से खेला था। इसके बाद वह 2017 से ही कराची किंग्स में शामिल हुए और उसमें छह साल तक शामिल रहे। इससे पहले वह पेशावर जल्मी में आ गए और तभी से उसकी ओर से खेल रहे हैं। बाबर के अच्छे प्रदर्शन से अभी पेशावर जल्मी इस सत्र में शीर्ष पर है। वहीं मुल्तान सुल्तान्स दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इसी साल हुए टी20 विश्व कप के बाद से ही पाक टीम के बाहर चल रहे बाबर के प्रयास इस लीग में अपने प्रदर्शन के बल पर वापसी करना है। इस सत्र में उन्होंने एक अर्धशतक सहित चार मैचों में 212 रन बनाए हैं। वहीं फखर जमां लीग में सबसे अधिक रनों के मामले में दूसरे नंबर पर हैं। फखर के नाम इस लीग में 3039 रन हैं। वह पीएसएल में 100 मैच खेलने वाले तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं। इसके अलावा मोहम्मद रिजवान तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनके नाम 87 पारियों में 2853 रन हैं।

धोनी की तरह है सैमसन का स्वभाव - गेंदबाजी कोच

चेन्नई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के गेंदबाजी कोच एरिक साइमन ने बल्लेबाज संजू सैमसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह भी भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी जैसे है। कोच के अनुसार जिस प्रकार धोनी शांत रहते हैं और कठिन हालातों में भी दबाव में नहीं आते, एसा ही सैमसन के साथ भी है। सैमसन ने आईपीएल के इस सत्र में शुरुआती तीन मैचों में विफल होने के बाद तीसरे मैच में शानदार वापसी करते हुए बड़ी पारी खेली। साइमन ने कहा कि सैमसन भी शांत रहते हैं और उन्हें भी धोनी की तरह ही खेल की काफी समझ है। उन्होंने धोनी को अब तक के सबसे शांत खिलाड़ियों में से एक बताया है।

साइमन ने कहा कि सैमसन भी बिल्कुल वैसी ही सोच रखते हैं, वे कभी घबराते नहीं और अपना मनोबल बनाये रखते हैं। वह धोनी की तरह ही तैयारी में ज्यादा जोर नहीं लगाते। साइमन ने कहा, मुझे कई सालों तक धोनी के साथ खेलने और उनके साथ जुड़े रहने का मौका मिला है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए बांग्लादेश टीम में स्थिरता : चयन पैनल का निरंतरता पर जोर

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सीरीज के पहले दो मैचों के लिए बांग्लादेश ने अपनी टीम में कोई बदलाव नहीं किया है। यह महत्वपूर्ण फैसला नए चयन पैनल द्वारा लिया गया है, जिसने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में खेलने वाली टीम पर ही पूर्ण भरोसा जताते हुए निरंतरता बनाए रखने पर जोर दिया है। इस कदम को खिलाड़ियों को आत्मविश्वास देने और एक स्थिर टीम बनाने की दिशा में एक सकारात्मक संकेत के तौर पर देखा जा रहा है।

चार सदस्यीय चयन समिति, जिसकी अगुवाई अनुभवी हबीबुल बशर सुमोन कर रहे हैं, ने अपनी चयन नीति स्पष्ट की है। पैनल का मानना है कि खिलाड़ियों को खुद को साबित करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी जगह पक्की करने के लिए पर्याप्त मौके देना अत्यंत आवश्यक है। हबीबुल बशर ने इस फैसले पर रोशनी डालते हुए कहा, हमारी नीति है कि टीम में

आने वाले खिलाड़ियों को पर्याप्त मौके दिए जाएं। हम निरंतरता में विश्वास रखते हैं, इसलिए इस सीरीज के लिए टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। यह बयान टीम प्रबंधन की उस सोच को दर्शाता है, जिसमें तत्काल परिणाम की बजाय दीर्घकालिक योजना और खिलाड़ी विकास को प्राथमिकता दी गई है।

इस नीति का एक प्रमुख उदाहरण सलामी बल्लेबाज सैफ हसन का टीम में बरकरार रहना है। सैफ ने पाकिस्तान के खिलाफ पिछली सीरीज में तीन मैचों में केवल 52 रन बनाए थे, जो उनकी फॉर्म पर सवाल उठा रहा था। इसके बावजूद, चयनकर्ताओं ने उन्हें और मौके देने का फैसला किया है। इस संदर्भ में चयनकर्ता ने कहा, हम उन्हें और मौके देना चाहते हैं। हम जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं लेना चाहते और बार-बार टीम में बदलाव के पक्ष में नहीं हैं। यह दृष्टिकोण खिलाड़ियों के मन से असुरक्षा की भावना को कम करने और उन्हें अपनी स्वाभाविक खेल शैली को प्रदर्शित करने की स्वतंत्रता प्रदान करने में मदद करेगा। चयन पैनल का यह निर्णय बांग्लादेश क्रिकेट में एक नई दिशा का सूचक है, जहां स्थिरता और खिलाड़ियों के भरोसे पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि वे दबाव मुक्त होकर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें।

न्यूजीलैंड दौरे का कार्यक्रम

न्यूजीलैंड टीम सोमवार को बांग्लादेश पहुंचेगी। इस दौरे में 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाएंगे।

पहला और दूसरा वनडेः 17 और 20 अप्रैल, ढाका

तीसरा वनडेः 23 अप्रैल, चट्टोग्राम

टी20 सीरीजः 27, 29 अप्रैल और 2 मई

बांग्लादेश टीम (स्क्वाड) - लिटन दास, तंजीद हसन, सौम्य सरकार, सैफ हसन, नजमुल हुसैन शांतो, तौहीद हृदोय, महिदुल इस्लाम, अफीफ हुसैन, मेहदी हसन मिराज (कप्तान), रिशाद हुसैन, तानवीर इस्लाम, तस्कीन अहमद, नाहिद राणा, शोरीफुल इस्लाम, मुस्तफिजुर रहमान।

डेविड मलान के बयान से क्रिकेट जगत में हंगामा : बॉल टैंपरिंग को कानूनी बना देना चाहिए

नई दिल्ली। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड मलान ने क्रिकेट जगत में एक नया विवाद छेड़ दिया है। उन्होंने बॉल टैंपरिंग को लेकर एक ऐसा बयान दिया है, जिससे पूरे क्रिकेट जगत में हलचल मच गई है। मलान ने सुझाव दिया है कि गेंद और बल्ले के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए, गेंद से छेड़छाड़ को कानूनी मान्यता दे देनी चाहिए। उनका मानना है कि यह कोई नई प्रथा नहीं है, बल्कि लंबे समय से इसकी प्रैक्टिस होती आ रही है।

एक पॉडकास्ट में बोलते हुए, मलान ने कहा कि इतिहास गवाह है कि सालों से खिलाड़ी गेंद से छेड़छाड़ करते पकड़े गए हैं। उनके अनुसार, यह अब कोई गोपनीय बात नहीं है, और इसे कानूनी बना देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बाहरी पदार्थों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होनी चाहिए। उनका तर्क है कि फील्डिंग टीम को गेंद को जल्दी रिवर्स स्विंग कराने के लिए उसे खरोंचने की छूट मिलनी चाहिए, क्योंकि इसमें भी एक विशेष कौशल होता है। मलान का यह भी मानना है कि यदि गेंदबाजों को गेंद को रिवर्स कराने की क्षमता मिलती है, तो मैच अधिक रोमांचक और कड़े होंगे। इससे अंतिम ओवरों तक मुकाबला बराबरी का रहेगा और टीमें आसानी से कई विकेट हाथ में लेकर नहीं जीत पाएंगी, जिससे पूंछ के बल्लेबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाएगी।

यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में बॉल टैंपरिंग का एक ताजा मामला पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में सामने आया था। लाहौर कलंदर्स के बल्लेबाज फखर जमान को एक मैच के आखिरी ओवर से ठीक पहले गेंद की हालत बदलते हुए कैमरे में पकड़ा गया था। इस घटना के परिणामस्वरूप, कलंदर्स को पांच रन की पेनल्टी मिली थी और कराची किंग्स ने वह लो-स्कोरिंग मैच जीत लिया था। बाद में, जमान पर दो मैचों का प्रतिबंध भी लगाया गया, हालांकि कप्तान शाहीन अफरीदी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। यह घटना टी20 क्रिकेट में भी बॉल टैंपरिंग की मौजूदगी को दर्शाती है। डेविड मलान का यह सुझाव निस्संदेह क्रिकेट के नियमों और उसकी स्पिरिट ऑफ द गेम पर एक नई बहस छेड़ देगा। जहां कुछ लोग उनके विचार का समर्थन कर सकते हैं कि यह खेल में संतुलन और रोमांच बढ़ाएगा, वहीं कई ऐसे भी होंगे जो इसे खेल की ईमानदारी के खिलाफ मानेंगे। इस बयान ने निश्चित रूप से क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच गंभीर चर्चा को जन्म दे दिया है कि क्या वास्तव में समय आ गया है कि बॉल टैंपरिंग के प्रति नियमों को पुनर्विचार किया जाए।

वैभव सूर्यवंशी : इतिहास रचने के मुहाने पर 1000 टी20 और 500 आईपीएल रन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के 15 वर्षीय सनसनी वैभव सूर्यवंशी इस समय शानदार फॉर्म में हैं और टी20 क्रिकेट के साथ-साथ आईपीएल में भी बड़े रिकॉर्ड बनाने के बेहद करीब पहुँच गए हैं। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से विरोधियों के होश उड़ा रहे सूर्यवंशी, टी20 क्रिकेट में 1000 रनों के मील के पत्थर से सिर्फ 99 रन दूर हैं। यदि वह अपनी अगली कुछ पारियों में यह आंकड़ा छू लेते हैं, तो वे सबसे कम पारियों में 1000 रन बनाने वाले दिग्गजों की सूची में शामिल हो सकते हैं, जिससे ऑस्ट्रेलियाई दिग्गजों का दशकों पुराना रिकॉर्ड खतरे में पड़ जाएगा।

सूर्यवंशी ने अब तक 22 टी20 पारियों में 901 रन बनाए हैं, जिसमें उनका औसत 42.90 का और स्ट्राइक रेट 215.55 का है। इन आंकड़ों में 3 शतक और 3 अर्धशतक भी शामिल हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन को दर्शाते हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाजों ब्रैड हॉज और शॉन मार्श के नाम है, जिन्होंने यह उपलब्धि 23 पारियों में हासिल की थी। अगर वैभव 13 अप्रैल को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शतक लगाते हैं, तो वह इस रिकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे, अन्यथा उनके पास 24वीं पारी में मैथ्यू हेडन के रिकॉर्ड की बराबरी करने का भी मौका होगा। इतना ही नहीं, सूर्यवंशी के पास भारत की ओर से सबसे तेज 1000 टी20 रन बनाने का रिकॉर्ड तोड़ने का भी सुनहरा अवसर है। यह रिकॉर्ड फिलहाल देवदत्त पडिक्कल के नाम है, जिन्होंने 25 पारियों में यह मुकाम हासिल किया था। अपनी आक्रामक शैली और निडर अप्रोच के साथ, वैभव के लिए यह रिकॉर्ड तोड़ना मुश्किल नहीं लगता।

आईपीएल में भी यह युवा खिलाड़ी एक बड़ा रिकॉर्ड बनाने की दहलीज पर खड़ा है। उन्हें 500 आईपीएल रन पूरे करने के लिए सिर्फ 48 रनों की आवश्यकता है। यदि वह यह उपलब्धि हासिल कर लेते हैं, तो वह गौतम गंभीर के सबसे तेज 500 आईपीएल रन के रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं। 15 साल के सूर्यवंशी ने आईपीएल में अब तक 11 पारियों में 452 रन बनाए हैं, उनका औसत 41 से अधिक और स्ट्राइक रेट करीब 230 का है, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। उनका अगला मुकाबला राजस्थान का कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ होगा, जहाँ उनके पास इतिहास रचने के कई मौके होंगे।

नितीश राणा और रुतुराज गायकवाड़ पर जुर्माना

चेन्नई । दिल्ली कैपिटल्स को यहां चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच में दोहरा झटका लगा है। मैच में हार के बाद अब दिल्ली के बल्लेबाज नितीश राणा पर अंपायर के फैसले के खिलाफ का विरोध करने के लिए मैच फीस का 25 जुर्माना लगा है। वहीं विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगा है। मैच के दौरान ग्लव्स बदलने को लकर राणा की चौथे अंपायर से काफी बहस हुई थी। यह मामला 19वें ओवर का है। उस समय अंपायर ने कैपिटल्स के बल्लेबाज ट्रिस्टन का कहना था कि उनके ग्लव्स पसीने से गीले हो गये हैं, इसलिए वह इन्हें बदलना चाहते है। ऐसे में राणा भड़क गये और चौथे अंपायर से उनकी बहस शुरु हो गयी। इस कारण उनके खाते में एक नकारात्मक अंक भी दर्ज हुआ।

आईपीएल की ओर कहा गया कि बल्लेबाज राणा पर उनकी मैच फीस का 25 फीसदी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा उनके नाम पर आचार संहिता के लेवल 1 के उल्लंघन के लिए एक नकारात्मक अंक भी दर्ज किया गया है। उन्हें आईपीएल आचार संहिता के अनुच्छेद 2.3 के उल्लंघन का दोषी पाया गया। दूसरी ओर विजेता टीम सीएसके के कप्तान रुतुराज पर भी मैच में धीमी ओवर गति बनाए के लिए 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया

है। ऐसे में सीएसके की पहली जीत की खुशी कम हो गयी। यह सीजन में उनकी टीम का पहला अपराध था। इसलिए उनपर कम जुर्माना लगा है।

रॉयल्स के मैनेजर को मोबाइल चलाते देखकर हैरान ललित मोदी ने उठाये सवाल

गुवाहाटी। आईपीएल के पहले कमिश्नर रहे ललित मोदी ने राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलुरु (आसीबी) के बीच बीच हुए मैच में मोबाइल फोन चलाने को लेकर रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर पर निशाना साधा है। ललित मोदी ने कहा है कि रॉयल्स के मैनेजर ने नियमों का उल्लंघन किया है। इसके साथ ही उन्होंने भ्रष्टाचार रोधी इकाई (एसीयू) को लेकर भी सवाल उठाते हुए कहा है कि उसे भी इस मामले में सजग रहना चाहिये था। रॉयल्स और आरसीबी मैच के दौरान मैनेजर भिंडर खिलाड़ियों के पास बैठकर फोन ही फोन चला रहे थे जबकि मैच के दौरान मोबाइल फोन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक संचार उपकरणों का इस्तेमाल करने की इजाजत मैनेजर को नहीं है। पूर्व कमिश्नर ललित इससे हैरान दिखे। उन्होंने सोशल मीडिया पर एंटी-करप्शन अधिकारियों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इस प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिये थी।

आईपीएल में उतरते ही जॉर्ज ने पेन और मलान का रिकार्ड तोड़ा

अहमदाबाद। लखनऊ सुपर जाइंट्स के गेंदबाज जॉर्ज लिंडे ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ पहले ही मैच में उतरते ही एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। जॉर्ज अब आईपीएल में उतरने से पहले ही सबसे ज्यादा टी20 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। जॉर्ज ने आईपीएल से पहले ही सबसे अधिक 250 टी20 मैच खेले हैं । इससे पहले डेविड पेन और डेविड मलान ने आईपीएल में उतरने से पहले ही 233 और 227 मैच खेले थे। वहीं जॉर्ज आईपीएल में डेब्यू के समय सबसे अधिक टी20 विकेट लेने वाले खिलाड़ियों की सूची में भी तीसरे नम्बर पर हैं। जॉर्ज ने अब तक टी20 में 218 विकेट लिए हैं। वहीं डेविड पेन के नाम सबसे अधिक 304 विकेट के साथ ही इस मामले में सबसे उपर हैं जबकि दूसरे नम्बर पर 232 विकेट के साथ आदिल राशिद और चौथे नम्बर पर 189 विकेट से साथ जैक डफी शामिल हैं।

पथिराना को मिला श्रीलंकाई बोर्ड से एनओसी, आईपीएल टीम केकेआर से जुड़ेंगे

14 अप्रैल को सीएसके के खिलाफ मैच में खेलना तय

कोलंबो । श्रीलंकाई तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का आईपीएल में खेलने का रास्ता साफ हो गया है। पथिराना को फिटनेस टेस्ट में पास होने के बाद श्रीलंकाई बोर्ड ने आईपीएल खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में पाथिराना शीघ्र ही अपनी आईपीएल टीम कोलकाता नाइटराइडर्स से जुड़ सकेंगे। अब तक इस सत्र में एक भी मैच नहीं जीती केकेआर को भी पाथिराना की वापसी से लाभ होगा। पाथिराना के आने से अपनी कमजोर गेंदबाजी के कारण परेशानी का शिकार हो रही केकेआर को राहत मिलेगी।

पाथिराना आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2026 के दौरान चोटिल हो गए थे, जिसके बाद से ही वह खेल से बाहर थे। अब उनकी वापसी से केकेआर का गेंदबाजी आक्रमण बेहतर होगा।

पथिराना 14 अप्रैल को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ मैच से अपने इस सत्र की शुरुआत कर सकते हैं। 14 अप्रैल को चेपॉक में होने वाले इस मुकाबले में उनके उतरने से सीएसके की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। कोलकाता नाइट राइडर्स इस सत्र में खासकर डेथ ओवर्स में कमजोर नजर आई है। हर्षित राणा के बाहर होने और मुस्तफिजुर रहमान के रिलीज होने के बाद टीम का गेंदबाजी आक्रमण काफी कमजोर रहा है। जिससे उसके प्रदर्शन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा है। पथिराना ने अपने यॉर्कर और डेथ ओवर में सटीक गेंदबाजी से लिए जाने जाते हैं।

ओवरटन को दिया जाना चाहिये था प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड - जाफर

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वसीम जाफर का मानना है कि चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत में तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर जेमी ओवरटन की भूमिका अधिक बड़ी थी। इसलिए संजू सैमसन की जगह पर जेमी ओवरटन को प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड दिया जाना चाहिये था। उन्होंने कहा कि ओवरटन की गेंदबाजी से ही मैच में बदलाव आया जिससे दिल्ली कैपिटल्स को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच में सैमसन को 56 गेंदों पर नाबाद 115 रन बनाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड दिया गया जबकि बल्लेबाजों के लिए सहायक पिच पर ओवरटन ने केवल 18 रन देकर चार विकेट लेकर कैपिटल्स की बल्लेबाली को ढ़हा दिया था। इससे दिल्ली 189 रनों पर ही सिमट गयी। जाफर ने कहा, मैरा मानना है कि अवॉर्ड ओवरटन को मिलना चाहिए था। अगर उन्होंने घातक गेंदबाजी नहीं की होती तो सीएसके नहीं जीत पाती क्योंकि उन्होंने बहुत बड़े विकेट लिए। चार ओवर में सिर्फ 18 रन दिए जबकि लक्ष्य 210 रनों का था। इसलिए, लगता है कि यही वह अंतर था जिससे कैपिटल्स उबर नहीं पायी। उन्होंने ये माना कि अगर सैमसन शतक नहीं लगाते तो टीम 200 से ऊपर नहीं पहुंच पाती पर कहा कि इस मैच में बल्लेबाजी आसान थी पर गेंदबाजी नहीं।

पीएसएल में खेलने पाकिस्तान पहुंचे मैक्सवेल

लाहौर । ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल अब पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में खेलने के लिए लाहौर पहुंच गये हैं। पीएसएल में वह हैदराबाद किंग्समेन की ओर से खेलेंगे।मैक्सवेल के पास इस लीग में खेलने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्हें क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया था। इसके अलावा वह आईपीएल नीलामी में भी शामिल नहीं थे। आईपीएल में मैक्सवेल का प्रदर्शन कभी भी अच्छा नहीं रहा था। वह केवल एक सत्र में ही अच्छा प्रदर्शन कर पाये थे। पंजाब किंग्स की ओर से पिछले सत्र में खराब प्रदर्शन के कारण इस बार उन्होंने आईपीएल

2026 के लिए हुई मिनी-नीलामी में भाग नहीं लिया था। इसके बाद वह पीएसएल में में शामिल होकर किंग्समेन से जुड़ गए। वह टी20 लीग में मार्नस लाबुशेन की कप्तानी में खेलेंगे। किंग्समेन का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। वह चारों मैच हारे हैं और अंक तालिका में सातवें स्थान पर खिसक गयी है। ऐसे में मैक्सवेल के जुड़ने से टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी मजबूत होगी। किंग्समेन को उम्मीद है कि मैक्सवेल के आने से उसे लाभ होगा। मैक्सवेल ने अब तक 503 टी20 मैचों में 10986 रन और 198 विकेट लिए हैं। वहीं 130 टी20 अंतराष्ट्रीय में उनके नाम 2897 रन और 51 विकेट हैं। मैक्सवेल ने आईपीएल में अलग-अलग टीमों से करीब एक दशक तक खेला है। मैक्सवेल को जिस प्राकर सीए ने केन्द्रीय अनुबंध नहीं दिया है। उससे साफ है कि उनका करियर खतरे में पड़ गया है। उन्होंने साल 2012 में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में ऑस्ट्रेलिया के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने 149 एकदिवसीय में 3990 रन और 77 विकेट लिए है। , इसके बाद 2025 में उन्होंने एकदिवसीय को अलविदा कह दिया था।

वसुंधरा राजे के बयान से गरमाई राजस्थान समेत देश की राजनीति, विपक्ष कर रहा समर्थन

सब कुछ खो दिया' वाले बयान पर सियासी संग्राम, गहलोत और अखिलेश यादव ने साधा भाजपा पर निशाना

नई दिल्ली। राजस्थान की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के एक बयान ने हलचल मचा दी है। मनोहर थाना में आयोजित जनसभा के दौरान उनके सब कुछ खो दिया वाले भावुक बयान के बाद सियासी बयानबाजी तेज हो गई है और मामला अब पक्ष-विपक्ष के बीच टकराव का कारण बन गया है।

दरअसल जनसंपर्क यात्रा के दौरान लोगों की समस्याएं सुनते हुए वसुंधरा राजे ने कहा था कि 'मैंने तो अपने लिए भी कुछ नहीं कर पाई, मैंने अपना सब कुछ खो दिया, मैं खुद को भी नहीं बचा पाई।' इस बयान के वायरल होते ही सोशल मीडिया और राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं शुरू हो गई। कई लोगों ने इसे मुख्यमंत्री पद न मिलने के दर्द से जोड़कर देखा।

हर बार सीएम तो नहीं बना जा सकता- राठौड़

इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हर बार एक ही व्यक्ति मुख्यमंत्री नहीं बन सकता। उन्होंने एक मारवाड़ी दोहा सुनाते हुए संकेत दिया कि जो मिला है, उसे स्वीकार करना चाहिए और पार्टी नेतृत्व पर सवाल नहीं उठाने चाहिए। उनके इस बयान को राजनीतिक विश्लेषक भाजपा के अंदरूनी संदेश के रूप में देख रहे हैं।

राजे सीएम होतीं तो बेहतर

काम होते- अखिलेश

इस पूरे विवाद में विपक्षी नेताओं ने भी वसुंधरा राजे का समर्थन किया है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि अगर राजे मुख्यमंत्री होतीं, तो शायद राज्य में बेहतर काम होता। इस पर राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने भी सहमति जताई, जिससे भाजपा के भीतर की खींचतान और उजागर होती नजर आई।

विवाद बढ़ा तो दी सफाई

विवाद बढ़ने पर वसुंधरा राजे ने सफाई देते हुए कहा कि उनके बयान को गलत संदर्भ में पेश किया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका इशारा धौलपुर स्थित उनके घर से था, जहां नेशनल हाईवे निर्माण के दौरान उन्हें अपनी चारदीवारी पीछे हटानी पड़ी थी। उन्होंने कहा कि नियमों के कारण वह अपना घर भी नहीं बचा सकीं, और इन्होंने उसी उदाहरण के जरिए जनता की समस्याओं को समझाने की कोशिश की थी। राजे ने यह भी कहा कि उनके लिए जनता का प्यार किसी भी पद से बड़ा है और उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश करना एक राजनीतिक साजिश है। फिलहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने राजस्थान समेत देश में भाजपा के अंदरूनी समीकरणों और विपक्ष की रणनीति दोनों को उजागर कर दिया है, जिससे आने वाले समय में राज्य की राजनीति और भी दिलचस्प होने की संभावना है।

तमिलनाडु चुनाव में विजय की रैलियां रद्द, डीएमके ने ली चुटकी और साधा निशाना

उदयनिधि स्टालिन बोले- कुछ नेता घर बैठे कर रहे प्रचार

चैन्नई। तमिलनाडु में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। इसी बीच अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) के प्रचार कार्यक्रमों में लगातार हो रही रद्दीकरण ने राजनीतिक बहस को जन्म दे दिया है।

विजय इस चुनाव में पेरम्बूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। 30 मार्च को नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रचार किया था, लेकिन उसके बाद उनके कई महत्वपूर्ण कार्यक्रम या तो रद्द कर दिए गए या स्थगित कर दिए गए। इनमें विक्कीवाक्कम, टी नगर, कुड्डालोर और तिरुवल्लूर जैसे क्षेत्रों में प्रस्तावित रैलियां और रोड शो शामिल हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार पार्टी की ओर से इन रद्दीकरणों की कोई स्पष्ट वजह सार्वजनिक नहीं की गई है। हालांकि कुछ मामलों में सुरक्षा कारणों और समय की कमी का हवाला दिया गया, जिससे उनकी चुनावी रणनीति को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं।

इस बीच सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम ने इस मुद्दे पर विजय पर तीखा हमला बोला है। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि जहां कुछ नेता जनता से सीधे जुड़ने के लिए लगातार मैदान में उतर रहे हैं, वहीं कुछ नेता सीमित और रुक-रुककर प्रचार कर रहे हैं।

उदयनिधि स्टालिन के इस बयान को सीधे तौर पर विजय की चुनावी सक्रियता पर सवाल के रूप में देखा जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जमीनी स्तर पर सक्रियता ही चुनाव में असली भूमिका निभाती है, न कि सीमित कार्यक्रम।

दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन, विपक्षी नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी और अन्य प्रमुख नेता राज्यभर में लगातार रैलियां कर रहे हैं, जिससे चुनावी मुकाबला और तेज हो गया है। विजय के लगातार रद्द हो रहे कार्यक्रमों ने उनकी चुनावी रणनीति और ग्राउंड कैम्पेन को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा कर दी है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में उनकी सक्रियता यह तय करेगी कि टीवीके राज्य की राजनीति में कितनी मजबूत पकड़ बना पाती है।

कानपुर के श्री सिद्धि विनायक मंदिर में चोरी, 7 मूर्तियों के चांदी के मुकुट गायब

सीसीटीवी में हेलमेटधारी व्यक्ति और बच्चा लिए महिला दिखी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक मंदिर में चोरी की बड़ी घटना सामने आई है। सुतरखाना स्थित श्री सिद्धि विनायक गणेश मंदिर में सात मूर्तियों से चांदी के मुकुट चोरी हो गए, जिससे मंदिर परिसर में हड़कंप मच गया।

मंदिर प्रबंधन के अनुसार, घटना शनिवार सुबह की है, पता उस समय चला जब आरती के दौरान पुजारी ने देखा कि मूर्तियों पर लगे मुकुट गायब हैं। मंदिर के सर्वाकार सुधीर गुप्ता ने मीडिया को बताया कि द्वितीय तल पर स्थापित आठ मूर्तियों में से सात के मुकुट चोरी हो गए हैं। मंदिर प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक बंद रहता है और इसी दौरान वारदात होने की आशंका जताई जा रही है। घटना के बाद मंदिर परिसर के सीसीटीवी कैमरे खंगाले गए, जिसमें शनिवार सुबह करीब 9:28 बजे एक हेलमेट पहने व्यक्ति और गोद में बच्चा लिए एक महिला मंदिर में प्रवेश करते हुए दिखाई दिए। फुटेज में दोनों को मूर्तियों से मुकुट उतारते हुए देखा गया है, जिससे पुलिस को अहम सुराग मिला है। मंदिर प्रबंधन ने बताया कि चोरी हुए चांदी के मुकुटों की कीमत लगभग तीन लाख रुपये आंकी गई है। आशंका जताई जा रही है कि आरोपियों ने पहले मंदिर की रेकी की थी और पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया गया। सूचना मिलने पर हरबंश मोहाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और तलाश तेज कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

हिदायत/ईएमएस 12अप्रैल26

ग्वालियर के मेडिकल कॉलेज का ऑडियो वायरल होने के बाद छात्र शाखा प्रभारी को हटाया

बर्खास्त एमबीबीएस छात्रों को पैसे लेकर डिग्री दिलाने की बात सामने आई, जांच एजेंसियां सतर्क

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज से एक ऑडियो वायरल होने के बाद छात्र शाखा के प्रभारी प्रशांत चतुर्वेदी को पद से हटा दिया गया है। इस ऑडियो में बर्खास्त एमबीबीएस छात्रों को पैसे लेकर डिग्री दिलाने की बात सामने आई है, जिससे पूरे मामले ने तूल पकड़ लिया। हालांकि इस मामले में उनके सहायक पंकज कुशवाह पर अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऑडियो में एक पूर्व छात्र 16-16 लाख रुपए की डील का आरोप लगा रहे हैं, जबकि प्रभारी जीवाजी यूनिवर्सिटी में ज्यादा खर्च होने की बात करते सुनाई दे रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व मेडिकल स्टूडेंट की शिकायत के बाद अब यहां व्यापमं कांड के पन्ने फिर से खुल गए हैं। मेडिकल कॉलेज के डीन ने जांच शुरू करवा दी है, जबकि इंटेलीजेंस के नजर में पूरा मामला आ गया है। इंटेलीजेंस के अफसरों ने शिकायतकर्ता से दस्तावेज मांगे हैं। पूर्व मेडिकल छात्र संदीप लहारिया ने शिकायत में बताया कि साल 2010 में व्यापमं कांड का खुलासा हुआ था। इसमें साल 2006 से 2010 के बीच करीब 150 से ज्यादा छात्रों पर एफआईआर दर्ज की गई लेकिन 30 से 35 एमबीबीएस छात्र ऐसे थे जिनको संदिग्ध माना था और जांच में लिया गया था। केस रजिस्टर्ड हुआ था, मामला सीबीआई कोर्ट में चल रहा है। इन छात्रों का भविष्य अंधेरे में था।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की सही और निष्पक्ष जांच के लिए, साल 2017 में एक न्यू हाई पॉवर एक्शन कमेटी का गठन किया गया था, जिसमें ग्वालियर के चुनिंदा डॉक्टर शामिल थे। कमेटी ने अपनी जांच रिपोर्ट दी जिसके आधार पर करीब 30 से ज्यादा एमबीबीएस छात्रों को बर्खास्त किया गया था, जिसमें शिकायतकर्ता संदीप का भी नाम शामिल है। इन बर्खास्त छात्रों से अभी तक किसी को भी बहाल नहीं किया गया है न ही कोई दूसरी कमेटी बनी है जिसने किसी भी छात्र को राहत दी हो। इसके बाद भी कई छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री बांट दी गई। यह अपने आप में धोखा और भ्रष्टाचार की श्रेणी में आता है। इस मामले में राज्यपाल से लेकर ग्वालियर मेडिकल कॉलेज के डीन तक की गई शिकायत में पूर्व एमबीबीएस छात्र संदीप लहारिया ने आरोप लगाया था कि मेडिकल कॉलेज से बर्खास्त छात्रों को एमबीबीएस की डिग्री गलत तरीके से बांट दी गई। न तो यह छात्र बर्खास्त होने के बाद बहाल हुए हैं न ही इन्होंने कोई मानक पूरे किए हैं। संदीप ने दावा किया था कि यह पूरा रैकेट ग्वालियर के गजरा राजा मेडिकल कॉलेज के छात्र शाखा के प्रभारी बाबू प्रशांत चतुर्वेदी और उनके सहायक पंकज कुशवाह द्वारा चलाया जा रहा है। मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने प्रशांत को पद हटाते हुए कार्यालय संयुक्त संचालक एवं अधीक्षक जेएएच में अटैच कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक व्यापमं कांड का वापस नाम सामने आते ही जांच एजेंसियां सतर्क हो गई हैं। मेडिकल कॉलेज के कर्मचारियों द्वारा बर्खास्त एमबीबीएस छात्र को डिग्री बांटने के आरोप लगने के बाद अब इंटेलीजेंस इस मामले में सक्रिय हो गई है। ऐसा पता लगा है कि इंटेलीजेंस एसपी ने इस मामले में शिकायतकर्ता को कॉल कर मामले की जानकारी ली है। साथ ही जो भी दस्तावेज हैं उनके साथ मिलने के लिए बुलाया है। इंटेलीजेंस के अफसरों का कहना है कि मामले में वह विस्तार से जांच कर रिपोर्ट ऊपर भेजेंगे, जिससे मामले को बीच में दबाया न जा सके। इस मामले में ग्वालियर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. आरकेएस धाकड़ ने बताया कि शिकायत की जांच कराई जा रही है। जब तक शिकायत जांच में है छात्र शाखा प्रभारी को आगामी आदेश तक पद से हटा दिया गया है। जो

मणिपुर में सुरक्षा बलों की बड़ी कार्रवाई, 21 अवैध बंकर नष्ट और 13 आईईडी बरामद

उखरुल और तेंगनौपाल जिलों में सर्च ऑपरेशन तेज

इंफाल। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने उग्रवाद और अवैध गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। राज्य के उखरुल जिला में 21 अवैध बंकरों को नष्ट कर दिया गया, जबकि अलग-अलग अभियान में तेंगनौपाल जिला से 13 आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) भी बरामद किए गए हैं।

जानकारी के अनुसार, यह कार्रवाई हाल ही में हुई उस घटना के बाद की गई है, जिसमें एक बीएसएफ जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा एजेंसियों ने सघन तलाशी अभियान तेज कर दिया है और संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने मीडिया को बताया कि शनिवार को उखरुल जिले के अंतर्गत लिटान पुलिस स्टेशन क्षेत्र में आने वाले सिकिबुंग गांव में सुरक्षा बलों ने 14 अवैध बंकरों को ध्वस्त किया। इसके अलावा मोंगकोट चेपु इलाके में सात अन्य बंकरों को भी नष्ट किया गया। अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को 11 खाली कारतूस भी बरामद हुए, जिससे इलाके में हाल ही में हुई गतिविधियों के संकेत मिलते हैं। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि ये बंकर असामाजिक और उग्रवादी तत्वों द्वारा छिपने और गतिविधियों को अंजाम देने के लिए बनाए गए थे। इन बंकरों के नष्ट होने से क्षेत्र में उनकी छिपने और ऑपरेशन क्षमता पर बड़ा असर पड़ेगा।

इसी तरह, तेंगनौपाल जिले में चलाए गए एक अलग सर्च ऑपरेशन में 13 आईईडी बरामद किए गए, जिन्हें समय रहते निष्क्रिय कर दिया गया, जिससे एक बड़ी संभावित दुर्घटना टल गई। अधिकारियों ने बताया कि ये विस्फोटक संवेदनशील मार्गों और इलाकों को निशाना बनाने की साजिश का हिस्सा हो सकते थे। मणिपुर के कई हिस्सों में पिछले कुछ समय से सुरक्षा स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में सुरक्षा बल लगातार सर्च ऑपरेशन, गश्त और तलाशी अभियान चला रहे हैं ताकि शांति व्यवस्था बहाल की जा सके।

राजनाथ सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए जवान के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' में शहीद हुए जवान सुनील कुमार के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस दौरान उन्होंने शहीद की पत्नी सुजाता कुमारी, पुत्र सौरभ और शिवेश समेत परिवार के अन्य सदस्यों का हालचाल जाना। राजनाथ सिंह ने शहीद के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि देश उनके बलिदान को कभी नहीं भूलेगा। उन्होंने परिवार को भरोसा दिलाया कि सरकार हर कदम पर उनके साथ खड़ी है।

टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ खर्च किए, विकास पर नहीं दिया ध्यान

सिलीगुड़ी। पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में जनसभा में पीएम मोदी ने अपने दौरे के दूसरे दिन रविवार को दावा किया कि चुनाव के बाद राज्य से टीएमसी का जाना तय है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि सिलीगुड़ी में उनके रोड शो में जनता ने जिस तरह का समर्थन और स्नेह दिखाया, वह अभूतपूर्व है। उन्होंने कहा कि आज की जनसभा टीएमसी की फ्ननिंद उड़ाने वालीफ्न साबित होगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने आरोप लगाया कि टीएमसी ने मदरसों के लिए 6000 करोड़ रुपए खर्च किए, लेकिन राज्य के समग्र विकास पर ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि सरकार केवल अपने फ्नखास वोट बैंकफ्न के लिए काम कर रही है, जबकि आम जनता की जरूरतों को नजरअंदाज किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की जनता ने पिछले 15 सालों में टीएमसी शासन के दौरान राज्य की स्थिति देखी है और अब समय आ गया है कि सरकार अपने कामकाज का हिसाब दे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता बदलाव चाहती है और बीजेपी इस बदलाव का माध्यम बनेगी।

पीएम मोदी ने दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी जिलों की सभी विधानसभा सीटों पर बीजेपी उम्मीदवारों के लिए समर्थन और वोट की अपील भी की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से पूरी ताकत के साथ चुनावी मैदान में जुटने का आह्वान किया। इससे पहले पीएम मोदी ने शनिवार को राज्य के कई हिस्सों-पूर्व वर्धमान, मुर्शिदाबाद और दक्षिण दिनाजपुर में चुनावी रैलियों को संबोधित किया। वहीं, सिलीगुड़ी पहुंचने के बाद उन्होंने एक रोड शो भी किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावों को देखते हुए बीजेपी और टीएमसी के बीच सियासी मुकाबला लगातार तेज होता जा रहा है, और दोनों दल एक-दूसरे पर जमकर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे हैं।

अमेरिका-ईरान वार्ता विफल पर बोले विशेषज्ञ...21 घंटे में दशकों की दुश्मनी खत्म नहीं हो सकती

नई दिल्ली, इस्लामाबाद में हुई अमेरिका और ईरान के बीच शांति वार्ता बिना किसी ठोस नतीजे के समाप्त हो गई। वार्ता विफल होने के बाद अंतराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञों ने माना कि दशकों पुरानी दुश्मनी को कुछ घंटों की बातचीत में सुलझाना संभव नहीं है। विशेषज्ञों का कहना है कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से चला आ रहा तनाव, अविश्वास और रणनीतिक मतभेद इस बातचीत की सबसे बड़ी बाधा रहे। कई विशेषज्ञों ने इसे 'जटिल और गहरी जड़ें वाली समस्या' बताते हुए कहा कि ऐसे विवादों का समाधान तुरंत संभव नहीं होता।

एक वैश्विक चर्चा के दौरान (रि) ग्रुप कैप्टन डी.के. पांडेय ने कहा कि बातचीत से बहुत बड़ी उम्मीदें पहले से ही नहीं थीं, लेकिन फिर भी कुछ सकारात्मक संकेत सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि दशकों से चले आ रहे विवाद का समाधान 21 घंटे में निकलना अवास्तविक अपेक्षा थी। उन्होंने यह भी कहा कि अगर प्रमुख मुद्दों पर सहमति बनती तो ईरान पर दबाव बनाने की स्थिति पैदा हो सकती थी।

इसी तरह यूएसआईसीएफ अध्यक्ष डॉ. भरत बरई ने भी माना कि दोनों देशों के बीच गहरा अविश्वास है, जिसे एक बैठक में दूर नहीं किया

जा सकता। उन्होंने कहा कि ईरान यह गारंटी चाहता है कि भविष्य में उस पर हमला नहीं होगा, जबकि अमेरिका और अन्य वैश्विक शक्तियां ऐसी गारंटी देने की स्थिति में नहीं हैं।

परमाणु मुद्दे को बातचीत का सबसे संवेदनशील बिंदु बताया जा रहा है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान के पास यूरेनियम संवर्धन क्षमता और इसके स्तर को लेकर गंभीर विवाद है। डॉ. बरई ने कहा कि ईरान के फोर्डो, नतांज और इस्फहान जैसे संवर्धन केंद्रों को लेकर पहले ही काफी नुकसान हो चुका है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि ईरान अपने यूरेनियम संवर्धन को लगभग 5 प्रतिशत तक सीमित करने पर सहमत होता है, तो बातचीत में प्रगति संभव हो सकती है। साथ ही, 60 प्रतिशत तक संवर्धित यूरेनियम के भंडार को किसी तटस्थ देश को सौंपने जैसे विकल्पों पर भी चर्चा हो सकती है।

फिलहाल, वार्ता विफल होने के बाद हमलों और जंग की स्थिति पर फिर से अनिश्चितता बन गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि स्थायी समाधान के लिए लंबी, क्रमबद्ध और भरोसा बनाने वाली कूटनीतिक प्रक्रिया की आवश्यकता होगी, न कि त्वरित समझौतों की।

जंग को लेकर शांति वार्ता कराने वाले पाकिस्तान को अमेरिका ने दी शांतिदूत की मान्यता

संजय राउत ने कसा तंज- पाक कंगाल है, लेकिन 'नमस्ते ट्रंप' जैसे उपक्रम उसने नहीं चलाए

नई दिल्ली,। ईरान-अमेरिका के बीच समझौते की अगुवाई पाकिस्तान द्वारा करने पर भारत में सियासत गरमा गई है। शिवसेना नेता संजय राउत ने पार्टी के अखबार सामना में केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने एक शेर पढ़ा- कोई टूटी सी कश्ती ही, बगावत पर उतर आए, तो कुछ दिन ये तूफां, सर उठाना भूल जाते हैं। संजय राउत ने लिखा, वसीम बरेलवी का यह शेर ईरान-अमेरिका युद्धविराम के बाद इमरान प्रतापगढ़ी ने सोशल मीडिया पर साझा किया था, जो वर्तमान स्थिति में सटीक बैठता है। खुद को वैश्विक महाशक्ति समझने वाले अमेरिका को ईरान जैसे एक सामान्य देश ने सबक सिखा दिया है, यह पूरी दुनिया देख रही है।

ईरान का संघर्ष वहां की राष्ट्राभिमानी जनता का विद्रोह था। जब ट्रंप ने एक ही रात में ईरान की सभ्यता और संस्कृति को नष्ट करने की धमकी दी थी, तब ईरान की लाखों जनता अपनी सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाकर सड़कों पर उतर आई। ईरान की डेढ़ करोड़ जनता बलिदान देने के लिए तैयार है, ऐसा उनके विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने कहा और ट्रंप को 'शांति' वार्ता के लिए मेज पर घसीट लाए लेकिन यह 'मेज' इस्लामाबाद में है, जो दुनिया में आतंकवादियों का प्रमुख केंद्र है।

राउत ने आगे लिखा- अमेरिका पर इतिहास का सबसे भयानक आतंकवादी हमला करने वाला 'लादेन' पाकिस्तान के आश्रय में था और अमेरिकी कमांडो ने पाकिस्तान में घुसकर लादेन को मारा था। भारत में आतंकवादी हमले करने वाले सभी मोहरे पाकिस्तान की शरण में हैं। वही पाकिस्तान अब ईरान-अमेरिका युद्ध में 'शांतिदूत' की भूमिका निभा रहा है। अमेरिका ने उसे शांतिदूत के रूप में मान्यता दे दी है। ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार की लालसा है लेकिन युद्धखोर ट्रंप को ऐसा शांति पुरस्कार देना, ये 'शांति' की अवधारणा का अपमान है। क्या पता? शायद पाकिस्तान के पीएम शाहबाज शरीफ और उनके सेना प्रमुख जनरल मुनीर को एक साथ नोबेल शांति पुरस्कार दे दिया जाए! ऐसी हलचलें शुरू हो गई हैं।

संजय राउत ने लिखा- पाकिस्तान चीन जैसे देशों से कर्ज लेकर जीने वाला देश है। अमेरिका के पास मदद के लिए हमेशा खड़ा रहने वाला देश पाकिस्तान है। फिर यही पैसा सेना और आतंकवाद को पालने में खर्च किया जाता है। अब क्या कहा जाए? पाकिस्तान कंगाल है, लेकिन 'नमस्ते ट्रंप' जैसे उपक्रम उसने नहीं चलाए। फिर भी वैश्विक युद्ध रोकने का श्रेय अमेरिका ने पाकिस्तान को दे दिया। पाकिस्तान की विदेश नीति भारत से भी सरस साबित हुई। हम पाकिस्तान से हजार गुना आगे हैं लेकिन इन वैश्विक घटनाओं में भारत ने कोई भूमिका नहीं निभाई।

16 से 18 तक सभी सांसदों की सदन में मौजूदगी अनिवार्य, अवकाश स्वीकृत नहीं

नई दिल्ली। बीजेपी संसदीय दल ने अपने सांसदों के लिए व्हिप जारी किया है। पार्टी के कार्यालय सचिव शिव शक्ति नाथ बख्शी ने निर्देश में लोकसभा और राज्यसभा के सभी बीजेपी सांसदों को तीन दिनों तक सदन में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने को कहा है। इस व्हिप के मुताबिक 16 से 18 अप्रैल तक सभी सांसदों की मौजूदगी अनिवार्य होगी। इसमें विशेष रूप से केंद्रीय मंत्रियों और सभी सदस्यों को निर्देशित किया गया है कि वे इन तीनों दिनों के दौरान सदन में मौजूद रहें। कोई अवकाश स्वीकृत नहीं किया जाएगा।

उन्होंने सदस्यों से अनुरोध है कि वे व्हिप का सख्ती से पालन करें और सदन में अपनी निर्बाध उपस्थिति तय करें। बता दें पीएम मोदी ने 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को लेकर लोकसभा और राज्यसभा में सभी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर समर्थन का आग्रह किया है। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि इस संशोधन को पारित कराने के लिए सभी को एकजुट होना चाहिए और इस विषय पर संसद में अपने विचार रखने चाहिए। उन्होंने इसे किसी एक पार्टी या व्यक्ति से ऊपर का विषय बताया है।

पीएम मोदी ने कहा कि कोई भी समाज तभी प्रगति करता है, जब महिलाओं को आगे बढ़ने, निर्णय लेने और नेतृत्व करने के अवसर मिलते हैं। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए महिलाओं की पूर्ण भागीदारी को जरूरी बताया। उन्होंने यह भी कहा कि आज देश में महिलाओं की भागीदारी लगातार बढ़ रही है और भारत की बेटियां अंतरिक्ष, खेल, सशस्त्र बलों और स्टार्ट-अप जैसे हर क्षेत्र में अपनी पहचान बना रही हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

ग्राम सालेटेका में कोर्ट पेशी जाने पर एक युवक से उसके पड़ोसी ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एक युवक को कोर्ट की पेशी जाने पर उसके पड़ोसी ने मारपीट कर घायल कर दिया गया और पुन: पेशी पर जाने पर उसे जान से मार डालने की धमकी दे गई। यह घटना आपसी रंजिश के चलते खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम सालेटेका में हुई। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में अरविंद पिता देवराम राहंगडाले 25 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर सचिन जैतवार के विरुद्ध मामला कायम कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार अरविंद राहंगडाले अपने परिवार के साथ खेती किसानी करता है। इसके मोहल्ले में ही सचिन जेतवार रहता हैं। सचिन और अरविंद के बीच आपसी रंजिश बनी हुई है । जिनका मामला कोर्ट में चल रहा है। 10 अप्रैल को अरविंद इसी मामले की पेशी पर वारासिवनी कोर्ट आया था और कोर्ट में पेशी देने के बाद वह अपने घर पहुंचा था। रात 11ः00 बजे करीब अरविंद अपने घर के आंगन में खटिया में आराम कर रहा था तभी सचिन उसके आंगन में आया और बोला कि आज मेरे खिलाफ कोर्ट में पैसे देने क्यो गया था इसी बात को लेकर वह अरविंद को अश्लील गालियां देने लगा। अरविंद ने उसे गालियां देने से मना किया तभी सचिन ने उसका गला पकड़ कर दबाने लगा, अरविंद के चिल्लाने की आवाज सुनकर उसकी मां ओमलता राहंगडाले, भाभी पूनम राहंगडाले दौड़ी और उन्होंने अरविंद को छुड़ाये तभी सचिन ने उन्हें भी अश्लील गालिया देते हुए अरविंद को मेरे से पूछे बिना पेशी जाने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चला गया। सचिन द्वारा गला दबाने से अरविंद के गले में चोट आई थी। जिसे उसके परिवार वालों ने खैरलांजी के शासकीय अस्पताल में भर्ती किये थे। जहा उसका इलाज किया गया। दूसरे दिन 11 अप्रैल को छुट्टी होने पर अरविंद,अपनी भाभी पूनम राहंगडाले पिता देवराम राहंगडाले के साथ रिपोर्ट करने के लिए थाना पहुंचा। अरविंद द्वारा की गई रिपोर्ट पर खैरलांजी पुलिस ने सचिन जैतवार के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

स्टॉक पर्याप्त, फिर भी गैस के लिए भटक रहे उपभोक्ता

कोतवाली परिसर में वितरण के बावजूद लंबी कतारें, व्यवस्था सुधार की मांग

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

एक ओर जिला प्रशासन द्वारा जिले में घरेलू गैस का पर्याप्त स्टॉक होने की बात कही जा रही है, वहीं दूसरी ओर जमीनी हकीकत कुछ अलग ही नजर आ रही है। बड़ी संख्या में ऐसे उपभोक्ता हैं, जिन्हें समय पर गैस सिलेंडर की डिलीवरी नहीं मिल पा रही है, जिसके चलते वे ग्रामीण क्षेत्रों से मुख्यालय तक पहुंचने को मजबूर हो रहे हैं। मुख्यालय में गैस वितरण व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न एजेंसियों द्वारा कोतवाली परिसर में सिलेंडर वितरण की व्यवस्था की गई है, लेकिन यहां भी उपभोक्ताओं की परेशानी कम नहीं हो सकी है। गैस लेने के लिए लोग सुबह 6 बजे से ही पहुंचकर कतार में लग जाते हैं। हालांकि, जैसे ही गैस की खेप पहुंचती है, एजेंसी द्वारा एक निश्चित तिथि घोषित कर दी जाती है और सीमित संख्या में ही सिलेंडर वितरित किए जाते हैं। ऐसे में लंबी कतार में घंटों इंतजार करने वाले कई उपभोक्ताओं को बिना गैस लिए ही वापस लौटना पड़ता है, जिससे उन्हें काफी असुविधा और समय की बर्बादी झेलनी पड़ रही है। कुछ उपभोक्ताओं ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन करीब 70 सिलेंडरों का ही वितरण किया जा रहा है, जो मांग के अनुपात में काफी कम है। उनका कहना है कि इस व्यवस्था में सुधार करते हुए पहले से ही यह जानकारी दी जानी चाहिए कि किस दिन किस तारिक के उपभोक्ताओं को गैस दी जाएगी , साथ ही, उपभोक्ताओं ने लोड में आने वाले सिलेंडरों की संख्या बढ़ाए जाने की भी मांग की है।

शहर में रसोई गैस वितरण को लेकर उत्पन्न विवाद और अव्यवस्था के बीच प्रशासन ने व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से कोतवाली थाना परिसर के सामने गैस वितरण केंद्र शुरू किया, लेकिन यह नई व्यवस्था भी उपभोक्ताओं के लिए राहत देने के बजाय नई परेशानियां खड़ी करती नजर आ रही है। गैस सिलेंडर लेने के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में लोग कोतवाली के सामने पहुंच रहे हैं। महिलाएं, बुजुर्ग, युवा और छोटे बच्चों के साथ लोग लंबी कतारों में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। कई उपभोक्ता सुबह तड़के ही लाइन में लग जाते हैं, लेकिन घंटों इंतजार के बाद भी उन्हें गैस मिलने की कोई स्पष्ट जानकारी नहीं मिल पाती। स्थिति तब और अधिक जटिल हो जाती है, जब कई घंटे बाद मौके पर पहुंचे गैस एजेंसी के कर्मचारी यह जानकारी देते हैं कि उस दिन केवल पूर्व निर्धारित तिथि की बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को ही गैस वितरित की जाएगी। इससे लाइन में खड़े कई लोगों को बिना गैस लिए ही वापस लौटना पड़ता है, जिससे उनमें नाराजगी और असंतोष बढ़ रहा है। उपभोक्ताओं का कहना है कि यदि गैस बुकिंग के समय मिलने वाले ओटीपी संदेश में ही गैस वितरण की निर्धारित तिथि का उल्लेख कर दिया जाए, तो उन्हें अनावश्यक रूप से लाइन में लगने और बार-बार चक्कर लगाने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा वितरण केंद्र पर भी एक स्पष्ट सूचना बोर्ड लगाया जाना चाहिए, जिसमें यह बताया जाए कि किस दिनांक तक की बुकिंग वाले उपभोक्ताओं को गैस प्रदान की जाएगी।

निराश होकर लौटना पड़ा रहा हैं - संजय बुढेकर

उपभोक्ता संजय बुढेकर ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा कि उन्होंने 4 अप्रैल को गैस बुकिंग कराई थी और सुबह से लाइन में खड़े रहे, लेकिन बाद में उन्हें बताया गया कि उस दिन केवल 2 अप्रैल तक की बुकिंग वाले लोगों को ही गैस दी जा रही है। ऐसे में उन्हें निराश होकर खाली हाथ लौटना पड़ा।

तारीख पहले से तय कर सार्वजनिक कर दी जाए - कुंवरसिंह

पूर्व पार्षद कुंवरसिंह लाखा ने भी व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों से भी लोग बड़ी उम्मीद के साथ गैस लेने पहुंचते हैं, लेकिन स्पष्ट जानकारी के अभाव में उन्हें परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने सुझाव दिया कि यदि वितरण की तारीख पहले से तय कर सार्वजनिक कर दी जाए, तो इस अव्यवस्था को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है।

सुबह करीब 5ः30 बजे ही गैस के लिये आये हैं - निलेश

इसी तरह निलेश राठौर ने बताया कि वे सुबह करीब 5ः30 बजे ही गैस वितरण की सूचना मिलने पर केंद्र पहुंच गए थे। कई घंटों तक इंतजार करने के बाद भी उन्हें यह पता नहीं चल सका कि उन्हें उस दिन गैस मिलेगी या नहीं। उन्होंने बताया कि पिछले कई दिनों से गैस बुकिंग कराने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिलने से घर में परेशानी बढ़ गई है। पहले जहां गैस आसानी से उपलब्ध हो जाती थी, वहीं अब वितरण प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी और प्रबंधन में खामियों के कारण समस्या गंभीर हो गई है।

बालाघाट- गोंदिया फोरलेन पर भीषण सड़क हादसा युवक की मौत, दो युवती सहित चार घायल

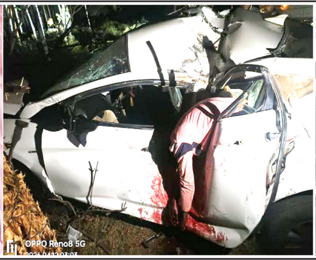

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में बीती रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि दो युवतियों सहित चार लोग घायल हो गए। यह दुर्घटना ग्राम मंगोली कला के पास गोंदिया-सिवनी फोरलेन पर रात करीब 1ः30 बजे हुई। मृतक राहुल पिता आसाराम भूरे 30 वर्ष ग्राम दिग्धा थाना तिरोड़ी निवासी है। सभी घायलों को जिला अस्पताल बालाघाट में लाकर भर्ती किया गया जहां से गंभीर रूप से घायल साक्षी पिता दीनदयाल मेश्राम 22 वर्ष ग्राम हट्टा निवासी को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। जिला अस्पताल में तन्नू पिता स्वरूप उके 21 वर्ष वार्ड नंबर एक साईं मंदिर के पास बूढी बालाघाट निवासी का इलाज जिला अस्पताल में किया जा रहा है। इस दुर्घटना में अन्य राज गोंडाने मनीष नगपुरे और कार चालक रोहित बिसेन को मामूली चोटेंआई। प्राप्त जानकारी के अनुसार राज गोंडने 22 वर्ष ग्राम धापेवाडा बालाघाट निवासी। नागपुर में प्राइवेट कंपनी में काम करते हैं। 11 अप्रैल की रात्रि में राज गोंडने और साक्षी मेश्राम को को नागपुर जाना था जिन्होंने बालाघाट से गोंदिया तक जाने के लिए रोहित बिसेन की कार किराए पर ली थी। इस कार में राज गोंडने साक्षी मेश्राम को गोंदिया तक छोड़ने के लिए उनके साथ तन्नू उके, मनीष नगपुरे, राहुल भूरे भी कार में गोंदिया तक जा रहे थे। रोहित बिसेन कार चला रहा था। कार के पीछे साक्षी मेश्राम तन्नू उके और राहुल भूरे बैठे थे। बालाघाट से गोंदिया तेज रफ्तार जा रही है। घिसर्री नदी के पहले ही सागौनवन के पास फोरलेन से अचानक कार अनियंत्रित होकर उछल गई और सागौन के पेड़ से टकरा गई। यह सड़क दुर्घटना रात्रि 1ः30 बजे हुई। जिसमें कार के पीछे बैठे साक्षी मेश्राम तन्नू उके घायल हो गए और राहुल भूरे कार पेड़ से टकराने से वह गेट में ही फंस गया था। घटना की सूचना मिलती ही डायल 112 के साथ ही रजेगांव पुलिस चौकी से सहायक उप निरीक्षक ग्लैडविन छतरिया प्रधान आरक्षक तोपराम कुभरे आरक्षक नरेंद्र पटले आरक्षक शिव शंकर शर्मा, आरक्षक दीपलाल जंघेला मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को 108 एम्बुलेंस से जिला अस्पताल भिजवाये। राहुल भूरे जो दब गया था और उसकी मौत हो चुकी थी उसे मुश्किल से बाहर निकालेऔर उसे भी जिला अस्पताल बालाघाट भिजवाये। इस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल साक्षी मेश्राम को जिला अस्पताल से प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में तन्नू उके का इलाज किया जा रहा है। राज गोंडाने, मनीष नगपुरे और रोहित बिसेन को मामूली चोटे आई थी। 12 अप्रैल को जिला अस्पताल पुलिस में राहुल भूरे का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिया है। बताया गया है कि राहुल भरे माता-पिता का इकलौता बेटा है जिसकी एक बहन है। दोनों भाई-बहन बालाघाट में किराए से रहते थे राहुल जिओ टेलीकॉम कंपनी में काम करता था और उसकी बहन अर्पिता पढ़ाई करती थी। जिला अस्पताल पुलिस ने मर्ग डायरी अग्रिम कार्रवाई हेतु घटना स्थल से संबंधित पुलिस थाना किरनापुर भिजवा दी है। इस दुर्घटना की आगे जांच किरनापुर पुलिस द्वारा की जा रही है।

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक
JOB SAHi
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का
Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

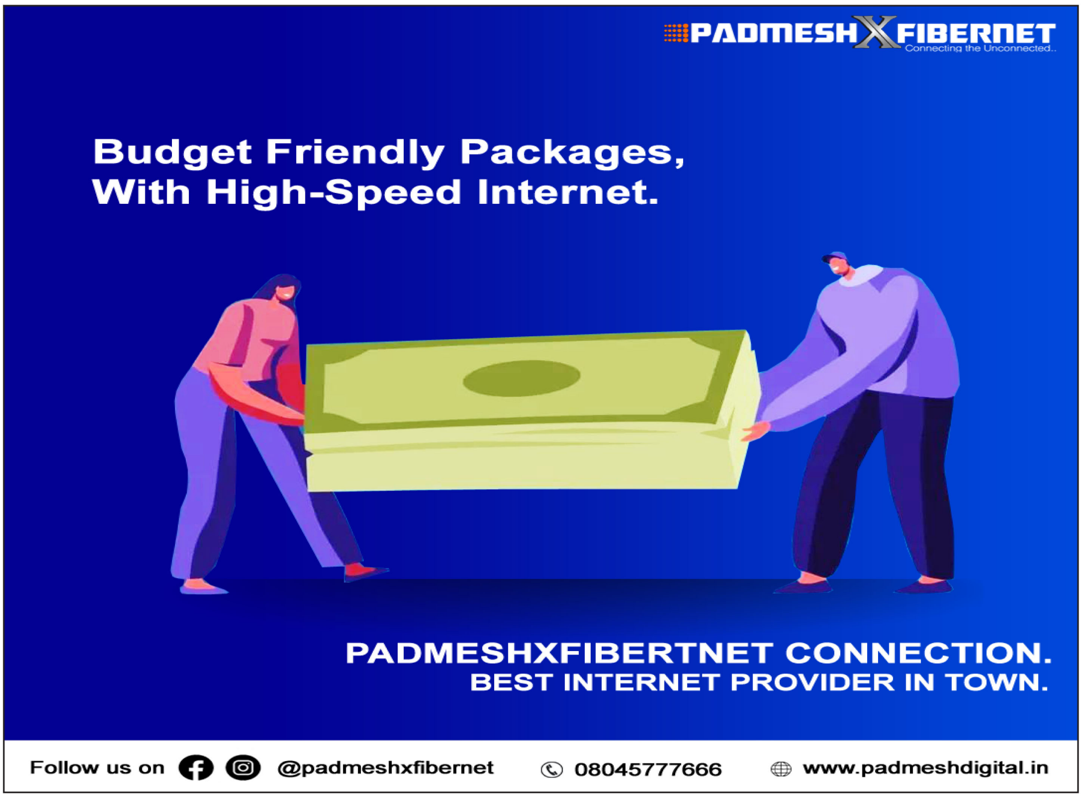

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट